राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

Www.gauravshalibharat.com

गौरवशाली भारत

नई दिल्ली से प्रकाशित

वर्ष : 11
अंक : 316
पृष्ठ : 08
नई दिल्ली
शनिवार 28 मई 2022
मूल्य : 1.50/-
RNI No .DELHIN/2011/38334

मुख्य अपडेट

पेज 3 गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस कर्मी को रिश्वत के वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल करना पड़ा महंगा, दिल्ली के 3 लोग गिरफ्तार

पेज 5 अलीगढ़ : सराफा कारोबारी की पत्नी और मासूम बेटे के कत्ल में 2 गिरफ्तार, व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें

पेज 7 इमरान खान पर मंडराए संकट के बादल, अब मार्च निकाला तो जा सकते हैं जेल; दंगा कराने का मामला दर्ज

नौसेना की तैयारी हिन्द महासागर में शांति और समृद्धि के लिए: राजनाथ

नयी दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा है कि नौसेना अपनी ताकत बढाने के लिए जो तैयारी कर रही है वह किसी देश के खिलाफ नहीं बल्कि हिन्द महासागर क्षेत्र में शांति और समृद्धि के लिए है।

सिंह शुक्रवार को कारवाड़ नौसैनिक अड्डे से नौसेना की स्वदेशी पनडुब्बी खंडेरी में सवार हुए और पनडुब्बी की पानी के भीतर की गतिविधियों तथा क्षमता का जायजा लिया।

बाद में उन्होंने कहा, इंडियन नेवी की ताकत को बहुत नजदीक से दिखाने के लिए मैं नेवी चीफ एडमिरल हरि कुमार, वाइस एडमिरल अजेंद्र बहादुर सिंह और उनकी पूरी टीम को धन्यवाद देता हूं और उन्हें बधाई देता हूं कि उन्होंने भारत की सुरक्षा के प्रति मुझे और भी अधिक भरोसा दिया है।

हमारी इंडियन नेवी की जो भी तैयारियां हो रही है, वह किसी के खिलाफ नही है, बल्कि इस पूरे हिन्द महासागर क्षेत्र में सभी की शांति और समृद्धि के लिए है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि खंडेरी में नौसेना की ताकत का अनुभव करने के बाद उनका भरोसा और भी पक्का हो गया है कि नौसेना हर स्थिति और परिस्थिति का सफलातपूर्वक सामना करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, आज मुझे 'आई.एन.एस. खंडेरी' जो कि इंडियन नेवी की 'अटैक सबमरीन' है उसमें 'सार्टी' करने का मौका मिला। मैंने बहुत करीब से भारतीय नौसेना की पानी के भीतर की क्षमता को देखा। मैंने आज जो कुछ भी अनुभव किया उसके बाद मेरा भरोसा और भी पक्का हो गया है कि इंडियन नेवी एक ऐसी आधुनिक, सक्षम और विश्वसनीय % फोर्स है जो कि हर स्थिति और परिस्थिति में सर्तक, बहादुर और विजयी रहने में सक्षम है।

लद्दाख में 7 जवानों की मौत

सेना की बस 60 फीट नीचे श्योक नदी में गिरी, इसमें सवार 26 फौजी मोर्चे पर जा रहे थे

नई दिल्ली। लद्दाख के तुर्तक सेक्टर में सेना की बस श्योक नदी में गिर गई। हादसे में 7 जवानों की मौत हो गई और 19 जवान घायल हैं, जिनका इलाज चल रहा है। इंडियन आर्मी के बयान के मुताबिक, 26 सैनिकों की टुकड़ी परतापुर से लेह जिले के हनीफ सब सेक्टर के फॉरवर्ड पोस्ट पर जा रही थी।

हादसा सुबह करीब 9 बजे थोइसे से करीब 25 किलोमीटर दूर हुआ। यहां सेना की बस अनियंत्रित होकर श्योक नदी में जा गिरा। घायल 26 जवानों को वहां से निकालकर चंडीमंदिर कमांड अस्पताल ले जाया गया, जहां गंभीर चोटों की वजह से 7 सैनिकों की मौत हो गई। लेह से परतापुर के लिए सेना की सर्जिकल टीमें रवाना कर दी गई हैं। भारतीय सेना ने कहा, हम हादसे में घायल सभी जवानों को सर्वोत्तम चिकित्सा मदद दिलाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं। जिससे हादसे में घायल जवान जल्द स्वस्थ हो सकें।

पीएम मोदी ने ट्वीट कर जताया दुख

पीएम मोदी ने इस हादसे पर दुख जताया है। पीएम ने ट्विटर पर लिखा, लद्दाख में हुए बस हादसे से आहत हूं, जिसमें हमने सेना के कई वीर जवानों को खो दिया। पीड़ित परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। घायल जवानों के जल्द स्वस्थ्य होने की कामना करता हूं। इस हादसे से प्रभावित जवानों और उनके परिवारों को हर संभव मदद दी जाएगी।

रक्षा मंत्री ने मदद का आश्वासन दिया

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी हादसे पर दुख जताया है। रक्षा मंत्री ने ट्वीट किया, लद्दाख में एक बस हादसे की खबर से दुख हुआ। इसमें कई जवानों की जान चला गई। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी संवेदनाएं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूं। रक्षा मंत्री ने बताया कि आर्मी चीफ जनरल मनोज पांडे से बात कर जानकारी ली है। घायलों का इलाज चल रहा है, हमारी तरह से हादसे से प्रभावित जवानों की हर संभव मदद की जाएगी। गृहमंत्री अमित शाह और कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भी इस हादसे पर दुख जताया है।

पंजाब में फिर पटरियों पर बैठै किसान

गन्ने का बकाया 45 दिन में नहीं मिलने से नाराज, बाबा बकाला में धरने से 9 ट्रेनें डाइवर्ट

अमृतसर। पंजाब में किसान शुक्रवार को एक बार फिर रेलवे ट्रैक पर बैठ गए। किसानों ने अमृतसर जिले के बाबा बकाला साहिब में रेल पटरियों पर डेरा जमा लिया। वह गन्ने की फसल की रकम 45 दिन में न दिए जाने से नाराज हैं। किसानों के रेल ट्रैक पर बैठने के बाद रेलवे ने अमृतसर-दिल्ली के बीच चलने वाली कई ट्रेनों का रूट बदल दिया। फिलहाल किसानों को मनाने का प्रयास जारी है। किसान जत्थेबंदियों के अनुसार, पंजाब सरकार ने अपना वादा पूरा नहीं किया। तकरीबन दो महीने पहले उन्होंने इसी मुद्दे को लेकर ब्यास स्टेशन पर धरना दिया था। तब सरकार ने वादा किया कि गन्ने का बकाया 45 दिन में दे दिया जाएगा लेकिन दो महीने बीत जाने के बाद भी राणा शुगर मिल ने किसानों का बकाया नहीं दिया। इसके बाद किसान एक बार फिर पटरियों पर आने को मजबूर हो गए।

कई ट्रेनें तरनतारन से डायवर्ट

किसानों के रेल लाइनों पर बैठ जाने के बाद अमृतसर-नई दिल्ली के बीच चलने वाली कई रेलगाड़ियां प्रभावित हुईं। फिलहाल रेलवे इन ट्रेनों को तरनतारन से डायवर्ट कर चला रहा है। रेलवे के अनुसार शुक्रवार शाम तक 9 गाड़ियों को डायवर्ट करना पड़ा। अगर धरना लंबा चला तो और गाड़ियां भी डाइवर्ट करनी पड़ सकती हैं या उन्हें पहले ही रोका जा सकता है।

दिल्ली में दो स्थानों पर लगी आग

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में शुक्रवार सुबह पूर्वी दिल्ली में एक निजी अस्पताल और दक्षिण दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में आग लगने की सूचना मिली है। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने कहा कि पूर्वी दिल्ली के प्रियदर्शनी विहार में एक निजी अस्पताल के चौथी मंजिल में आग लग गई है। अग्निशमन विभाग के अनुसार, उन्हें आज सुबह करीब आठ बजकर 10 मिनट पर लक्ष्मी नगर के पास प्रियदर्शनी विहार के एक निजी अस्पताल में आग लगने की रिपोर्ट मिली। सूचना मिलने के बाद दमकल की चार गाड़ियों और दमकलकर्मियों को आग पर काबू पाने के लिए भेजा गया। अब आग पर काबू पा लिया गया है और कूलिंग की प्रक्रिया चल रही है। दिल्ली अग्निशमन सेवा ने बताया कि अभी तक किसी के हताहत की कोई रिपोर्ट सामने नहीं आयी है। राजधानी में आग लगने की दूसरी घटना दक्षिण दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल की है। जहां आग लगने की सूचना मिलने के बाद दमकल की गाड़ियों और कर्मियों को घटनास्थल पर भेजा गया है। आग पर काबू पा लिया गया है, हालांकि अभी तक किसी के हताहत की कोई रिपोर्ट नहीं है। दिल्ली अग्निशममन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने कहा, सफदरजंग अस्पताल में एक इन्वर्टर में आग लग गयी थी जिसे बुझा लिया गया है। कोई हताहत नहीं हुआ है।

28 करोड़ की कोकीन निगल गई दो महिलाएं, दिल्ली एयरपोर्ट पर पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। युगांडा से यात्रा करके दिल्ली एयरपोर्ट पहुंची दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि उन्होंने कथित तौर पर अपने पेट के अंदर 28 करोड़ रुपए की 181 कैप्सूल छिपाई थी। दिल्ली पुलिस ने कहा कि युगांडा से यात्रा कर रही दो महिलाओं ने कोकीन को गोलियों में छिपाने के लिए निगल लिया था। जब्त की गई कोकीन का वजन करीब दो किलो है। दोनों महिलाओं में एक को गुरुवार को पकड़ा गया। उसने पुलिस को बताया कि उसके पेट में 81 गोलियां थीं। इसके बाद उसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया जहां उसके अंदर करीब 0.891 किलोग्राम वजनी कोकीन मिली। बरामद कोकीन की कीमत अंतरराष्ट्रीय बाजार में ?13.6 करोड़ आंकी गई है। उधर, 22 मई को गिरफ्तार हुई इस महिला की साथी के पेट में करीब 80 कैप्सूल छिपे हुए पाए गए। उसे भी एक्स-रे जांच के लिए राम मनोहर लोहिया अस्पताल ले जाया गया। गोलियों के अंदर मिली कोकीन का वजन 0.957 किलोग्राम है और कीमत 14 करोड़ रुपये है।

सालभर में दोगुने हुए 500 के नकली नोट : आरबीआई

2000 रुपए के जाली नोट 54.16 प्रतिशत बढ़े, 50 और 100 रुपए के नकली नोट कम

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार वित्त वर्ष 2021-22 में नकली नोटों की संख्या काफी बढ़ गई है। आरबीआइ के अनुसार, 500 रुपए के नकली नोट एक साल में दोगुने हो गए हैं। पिछले साल की तुलना में केंद्रीय बैंक ने 500 रुपए 101.9 प्रतिशत ज्यादा नोट और 2 हजार रुपए के 54.16त्न ज्यादा नोटों का पता लगाया है। नकली नोटों की बढ़ती संख्या परेशान करने वाली है।

आरबीआई ने कहा कि 31 मार्च 2022 तक बैंक में जमा हुए 500 और 2000 रुपए के नोट में 87.1 प्रतिशत नकली नोट थे। 31 मार्च 2021 तक यह आंकड़ा 85.7 प्रतिशत था। बैंक ने बताया कि यह 31 मार्च 2022 तक चलन में मौजूद नोटों का कुल 21.3 प्रतिशत था।

50 और 100 रुपए के नकली नोट कम हुए

अगर अन्य नोटों की बात करें तो पिछले वर्ष की तुलना में, 10 रुपए के नकली नोट 16.4 प्रतिशत और 20 रुपए के नोट 16.5 प्रतिशत बढ़े हैं। इसके अलावा 200 रुपए के नकली नोटों में 11.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। अच्छी बात यह है कि पिछले साल के आंकड़ों को देखते हुए इस वित्त वर्ष में 50 रुपए के नकली नोट 28.7 प्रतिशत और 100 रुपए के नकली नोट 16.7 प्रतिशत कम हुए हैं।

8 नवम्बर 2016 को हुई थी नोटबंदी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 8 नवंबर 2016 को रात आठ बजे टीवी पर आकर 500 और 1000 के नोटों को बंद करने का ऐलान किया था। इसके बाद 500 का नोट नए फॉर्मेट में आया था। नोटबंदी के बाद ही 2000 का नोट अस्तित्व में आया था। नोटबंदी की वजह सरकार ने नकली नोटों पर नकेल कसना बताया था। ऐसे में एक बार फिर नए नोटों की नकली करेंसी आना सरकार के लिए भी चिंता का विषय है।

वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में नमाज शांतिपूर्ण संपन्न

जुमे को देखते हुए 1500 से ज्यादा पुलिसकर्मी किए गए थे तैनात

एजेंसी

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी मस्जिद में शुक्रवार को दोपहर में शांतिपूर्ण तरीके से जुमे की नमाज संपन्न हो गई। नमाज के दौरान कोई गड़बड़ी न हो इसके लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। भीड़ को देखते हुए सड़क के दोनों तरफ बैरीकेडिंग की गई थी। लोगों को बारी-बारी से मस्जिद में प्रवेश दिया गया। इस दौरान 50-50 मीटर के दायरे में पहली बार मीडिया के आने पर प्रतिबंध लगाया गया था। इसके पीछे पुलिस अफसरों का तर्क था कि भीड़ और ट्रैफिक के चलते ऐसा किया गया है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम और ज्ञानवापी मस्जिद के चारों तरफ आज 5 लेयर की सिक्योरिटी देखने को मिली। परिसर के बाहर लगभग 1 किलोमीटर के दायरे में पुलिस और PAC के 1,500 जवान और कमांडों को तैनात किया गया था। लोकल इंटेलिजेंस यूनिट को सूचना संकलन के काम में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरतने के लिए कहा गया था। पुलिस कमिश्नर ए. सतीश गणेश खुद सुरक्षा व्यवस्था की कमान संभालते हुए दिखाई दिए। उन्होंने अफसरों और फोर्स के साथ क्षेत्र में गश्त किया। उसके बाद दशाश्वमेध थाने का औचक निरीक्षण करने पहुंचे। पुलिसकर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश जारी किया।

नमाज के लिए घर से ही वजू करके आएं

वहीं आज अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी की ओर से नमाजियों से अपील की थी कि ज्यादा संख्या में ज्ञानवापी मस्जिद में ना आएं। जुमे का दिन है। घर से ही वजू करके आएं। कोशिश करें कि अपने मोहल्ले की मस्जिदों में ही नमाज अदा करें।

असम में बाढ़ से तबाही; मरने वालों की संख्या 30 पहुंची, 5.61 लाख लोग प्रभावित

गुवाहाटी। असम में बाढ़ की स्थिति शुक्रवार को भी गंभीर बनी हुई है। बाढ़ के कारण एक बच्चे सहित दो और लोगों की मौत हो गई। राज्य के सात जिलों में बाढ़ से 5.61 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। असम राज्य आपदा मैनेजमेंट अथॉरिटी की रिपोर्ट के अनुसार, कामरुप और नौगांव के राहा में एक-एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस साल राज्य में बाढ़ और भूस्खलनों से मरने वालों की संख्या बढ़कर 30 हो गई है। अथॉरिटी ने बताया कि कछार, दिमा हसाओ, हैलीकांडी, होजाई, कार्बी आंगलोंग, वेस्ट मोरीगांव और नौगांव जिलों में बाढ़ से 5,61,100 से ज्यादा लोग प्रभावित हैं। बाढ़ से सबसे ज्यादा नौगांव प्रभावित है जहां 3.68 लाख से ज्यादा लोग बाढ़ की चपेट में आए हैं। वहीं कछार जिले में करीब 1.5 लाख और मोरीगांव में 41,000 से ज्यादा लोग बाढ़ से प्रभावित हैं।

एनआरएल ने मुख्यमंत्री राहत कोष में दिए 2.5 करोड रुपए

सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी नुमालीगढ़ रिफाइनरी लिमिटेड ने बाढ़ग्रस्त असम में राहत प्रयासों में मदद देने के लिए मुख्यमंत्री राहत कोष में 2.5 करोड रुपए दिए हैं। एनआरएल ने गुरुवार को विज्ञप्ति में कहा कि कंपनी के प्रबंध निदेशक (प्रभारी) भास्कर ज्योति फुकान ने हाल में मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा को औपचारिक रूप से चेक सौंपा। प्रेस रिलीज में बताया गया कि राज्य में बाढ़ के कारण बड़े पैमाने पर हुई क्षति को देखते हुए और इससे निपटने में सरकारी मशीनरी की मदद करने की खातिर एनआरएल ने यह आर्थिक मदद की है।

कोविड-19

महाराष्ट्र में सबसे ज्यादा 511 केस मिले

पिछले 24 घंटे में मिले 2,628 नए केस, 18 लोगो की मौत

दिल्ली। देश में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 2628 नए केस सामने आए हैं, जबकि 18 लोगों की मौत हुई है। वहीं, एक्टिव केस यानी इलाज करा रहे मरीजों की संख्या बढ़कर 15,414 हो गई है। बुधवार को 2167 नए केस मिले थे। महामारी की शुरुआत से अब तक देश में कुल 5.24 लाख लोगों की मौतें हो चुकी हैं। देश में मौजूदा रिकवरी रेट 98.75 प्रतिशत है।

देश में सबसे अधिक महाराष्ट्र में 511 नए मामले दर्ज किए गए। यहां पर कोरोना से पिछले 24 घंटे में एक मरीज की मौत हुई है और 324 लोग रिकवर हुए हैं। फिलहाल एक्टिव केसों की संख्या 2361 है।

दिल्ली में कोरोना अपडेट

महाराष्ट्र के बाद सबसे ज्यादा मामले दिल्ली से सामने आए। यहां पिछले 24 घंटे में 403 नए मामले आए, 503 मरीज ठीक हुए। राज्य में पिछले 24 घंटे में कोरोना से एक व्यक्ति की मौत हुई है।

हरियाणा में गुरुवार को 282 नए मामलों की पुष्टि हुई है और 217 लोग रिकवर हुए हैं। हरियाणा में अभी 1083 मरीजों का इलाज चल रहा है। वहीं यहां पॉजिटिविटी रेट 1.87 प्रतिशत रिकॉर्ड किया गया है।

देश में 190 करोड़ से ज्यादा हुआ कोरोना वैक्सीनेशन

देश में कोरोना टीकाकरण कवरेज 192.82 करोड़ (1,92,82,03,555) से अधिक हो गया है। सरकार की ओर से जारी किए गए आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 13,13,687 वैक्सीन लगाई गई है। अब तक यूपी में सबसे ज्यादा वैक्सीनेशन 32.50 करोड़ (32,50,63,847) से ज्यादा हो चुका है। यूपी के बाद महाराष्ट्र में 16.65 करोड़ (16,65,13,490) वैक्सीनेशन हो चुका है।

कोरोना अभी गया नहीं है : उद्धव ठाकरे

महाराष्ट्र के सीएम उद्धव ठाकरे ने कहा है कि राज्य के लोगों से कोरोना महामारी से बचने के लिए मास्क पहनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि कोरोना अभी गया नहीं है और लोगों को इस बात को ध्यान में रखते हुए सावधानी बरतनी चाहिए। उन्होंने अपील करते हुए कहा कि हालांकि अस्पताल में भर्ती होने वालों की संख्या कम है, लेकिन फिर भी सभी सतर्क और सजग रहें।

'आर्यन खान केस में समीर वानखेड़े ने की घटिया जांच' सरकार ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली। क्रूज ड्रग्स केस में आर्यन खान को मिली क्लीन चिट के बाद अब मामले के पूर्व जांच अधिकारी समीन वानखेड़े निशाने पर आ गए हैं। सूत्रों का कहना है कि केंद्र की मोदी सरकार ने आर्यन खान ड्रग्स बरामदगी मामले में पूर्व-एनसीबी अधिकारी समीर वानखेड़े की जांच को घटिया और खराब कहा है। ऐसे में सरकार ने मामले में उचित कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। बता दें कि समीर वानखेड़े के फर्जी जाति प्रमाण पत्र मामले में सरकार पहले ही कार्रवाई कर चुकी है। एजेंसी के मुताबिक, केंद्र सरकार क्रूज ड्रग्स केस में जांच के बाद एनसीबी की ओर से आर्यन खान को दी गई क्लीन चिट के बाद समीर वानखेड़े पर ऐक्शन के आदेश दे चुकी है। सूत्रों का दावा है कि सरकार ने समीर वानखेड़े की जांच को घटिया और खराब बताया है साथ ही जांच एजेंसी को वानखेड़े के खिलाफ जांच करने के निर्देश दे दिए हैं।

क्या हुआ था आर्यन केस में

बीते साल 2 अक्टूबर को Cordelia क्रूज शिप में एनसीबी ने रेड मारी। जिसमें जानकारी मिली कि जहाज में रेव पार्टी चल रही है। इसमें शाहरुख खान के बेटे आर्यन समेत कई स्टार्स को रात भी हिरासत में रखा गया। अगले दिन एनसीबी जांच अधिकारी समीर वानखेड़े के निर्देश पर आर्यन खान, अरबाज मर्चेंट और मुनमुन धमेचा के खिलाफ केस दर्ज किया। 2 अक्टूबर से जेल में बंद आर्यन को 28 अक्टूबर तक कोर्ट से जमानत मिली थी।

आर्यन खान समेत 6 आरोपियों को क्लीन चिट

इससे पहले क्रूज ड्रग्स केस में बॉलीवुड स्टार शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान को बड़ी राहत मिली। करीब 6 महीने की जांच के बाद नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो ने आर्यन खान समेत कुल 6 आरोपियों को क्लीन चिट दे दी, जबकि 14 अन्य के खिलाफ विभिन्न धाराओं में शिकायत दर्ज करने के साथ ही शुक्रवार को आरोप पत्र दाखिल किया गया। इस मामले में आर्यन खान के अलावा 19 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

2 गौरवशाली भारत राज्यों से
नई दिल्ली
शनिवार 28 मई 2022
Www.gauravshalibharat.com

शार्ट न्यूज

कश्मीर में ट्रैक्टर पलटने से दो लोगों की मौत

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पुलवामा जिले के पंपोर में शुक्रवार को एक ट्रैक्टर के पलटने से दो लोगों की मौत हो गयी। प्राप्त जानकारी के अनुसार कि ट्रैक्टर ट्रॉली में गाय का गोबर ले जाया जा रहा था। ट्रैक्टर पुलवामा जिले के कोनिबल के पास दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल में उपचार के दौरान दोनों ने दम तोड़ दिया मृतकों की पहचान कानिबल निवासी अब्दुल मजीद डार और गुलाम मोहिउद्दीन मीर के रूप में हुई है।

फिनलैंड के राजदूत रितवा कउकू ने श्री हरिमन्दिर साहब में माथा टेका

अमृतसर। भारत में फिनलैंड की राजदूत श्रीमती रितवा कउकू ने आज अपने परिवार सहित सच्चखंड श्री हरिमन्दिर साहब में माथा टेका। सच्चखंड श्री हरिमन्दिर साहब जी के दर्शन करने के पश्चात श्रीमती रितवा कउकू ने कहा कि उन्हें सच्चखंड श्री हरिमन्दिर साहब में दर्शन कर सकून मिला है और वह लंगर सेवा से वह बहुत प्रभावित हुई हैं। उन्होंने कहा कि यहाँ पहुँच कर सिक्ख संस्कृति में से सख्त मेहनत, सिमरन और मानवीय एकता का संदेश मिलता है। कउकू को दरबार साहिब के सूचना केंद्र में सम्मानित किया गया।

पंजाब के कर्मचारियों की ग्रुप बीमा योजना की अदायगी में वृद्धि

चंडीगढ़। पंजाब सरकार ने कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों के कल्याण को ध्यान में रखते हुए ग्रुप बीमा योजना (जीआईएस) की अदायगी में चार गुना वृद्धि कर दी है। इस संबंध में वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने अपनी सहमति दे दी है जिससे पंजाब के कर्मचारियों और उनके पारिवारिक सदस्यों का भविष्य और बेहतर हो सके। सरकारी प्रवक्ता ने आज यहां बताया कि किसी कर्मचारी की सेवा के दौरान मौत हो जाने या सेवानिवृत्ति के समय उसे 15 हज़ार रुपए से 1.20 लाख रुपए की अदायगी की जाती थी जो अब 60 हज़ार रुपए से 4.80 लाख रुपए कर दी गई है। यह फ़ैसला अगले साल एक जनवरी से लागू होगा। प्रवक्ता ने बताया कि मौजूदा समय में ग्रुप ए के अफ़सरों के हर महीने 120 रुपए जीआईएस के रूप में वेतन में से काटे जाते हैं और इसकी अदायगी (सेवानिवृत्ति या मौत हो जाने पर) 1.20 लाख रुपए की जाती है। अगले साल एक जनवरी से यह कटौती 480 रुपए प्रति माह होगी और अदायगी 4.80 लाख रुपए होगी। इसी तरह ग्रुप बी के कर्मचारियों की यह दर 60 रुपए है और अदायगी 60 हज़ार रुपए की जाती है। इसको अब बढ़ाकर 240 रुपए प्रति महीना और अदायगी 2.40 लाख रुपए की जाएगी। ग्रुप सी के कर्मचारियों की यह दर 30 रुपए है और अदायगी 30 हज़ार रुपए की जाती है। इसको अब बढ़ाकर 120 रुपए प्रति महीना और अदायगी 1.20 लाख रुपए की जाएगी। ग्रुप डी के कर्मचारियों के लिए यह दर 15 रुपए है और अदायगी 15 हज़ार रुपए की जाती है। इसको अब बढ़ाकर 60 रुपए प्रति महीना और अदायगी 60 हज़ार रुपए की जाएगी।

मालगाड़ी पर चढ़कर सेल्फी लेते युवक की करंट लगने से मौत

सिरसा। हरियाणा के सिरसा में गुरुवार शाम मालगाड़ी पर चढ़कर सेल्फी लेते हुए युवक की करंट लगने से दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस के अनुसार कल शाम एक युवक सिरसा रेलवे स्टेशन पर खड़ी मालगाड़ी के डिब्बे पर चढ़ गया और सेल्फी लेने लगा। आसपास के लोगों ने उसे रोका भी लेकिन वह नहीं माना। इसके बाद वह ऊपर से गुजर रही बिजली की लाइन की चपेट में आ गया तथा करंट लगने पर माल गाड़ी पर गिर गया। रेलवे पुलिस सूचना पाकर मौके पर पहुँची और युवक को नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। जीआरपी थाना के ओम प्रकाश सैनी ने पत्रकारों को बताया कि उन्हें सूचना मिली थी कि एक युवक मालगाड़ी के ऊपर करंट की चपेट में आ गया है। ऐसा पता चला है कि युवक ऊपर सेल्फी लेने के लिए चढ़ा था लेकिन करंट लगने से उसकी मौत हो गई। मृतक की पहचान राघव अग्रवाल के रूप में हुई है। जिला नागरिक अस्पताल से शव का पोस्टमार्टम करवा परिजनों को सौंप दिया गया।

आटो अपील साफ्टवेयर हरियाणा का अनूठा सिस्टम

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्य सचिव संजीव कौशल ने सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत शुरू किये गए आस यानी ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के संबंध में कहा कि हरियाणा देश का ऐसा पहला राज्य है जिसने इस तरह का अनूठा सिस्टम शुरू किया है। उन्होंने कहा कि सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत मिलने वाली सेवाओं की समयावधि की जानकारी नागरिकों तक पहुंचाने व उन्हें जागरूक करने के लिए, यह निर्णय लिया गया है। श्री कौशल आज यहाँ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सेवा का अधिकार अधिनियम के तहत शुरू किये गए आस यानी ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के संबंध में समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के अन्तर्गत विभिन्न विभागों की 192 सेवाएं ऑनबोर्ड हैं। मुख्य सचिव ने कहा कि सेवा वितरण में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करके सरकारी सिस्टम में क्रान्तिकारी बदलाव लाने के लिए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने ऑटो अपील सॉफ्टवेयर की शुरुआत की है ताकि नागरिकों के कार्य एक निर्धारित समय-सीमा के अन्दर हों। उन्होंने सभी प्रशासनिक सचिवों को सख्त निर्देश दिए हैं कि एक सप्ताह के अंदर ही अपने विभागों की सेवाओं को ऑटो अपील सॉफ्टवेयर के अन्तर्गत ऑन बोर्ड करें।

चांदना तनाव में बोल गये होंगे, इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने खेल मंत्री अशोक चांदना के अफसरशाही के हावी होने के बयान पर कहा है कि वह तनाव में बोल गये होंगे, इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। गहलोत ने आज प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहर लाल नेहरू की पुण्यतिथि पर रामनिवास बाग में श्रद्धांजलि देने के बाद मीडिया से बातचीत में यह बात कही। श्री चांदना के मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव कुलदीप रांका पर निशाना साधते हुए इस्तीफे की पेशकश करने के सवाल पर श्री गहलोत ने कहा कि राजस्थान में खेलों को लेकर बड़ा आयोजन होने जा रहा है और ज्यादा काम की वजह से वह दबाव में आ गए हैं और लगता है कि तनाव में इस तरह के बयान दे रहे हैं। इसे ज्यादा गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अभी तो पता नहीं, मेरी उनसे बात भी नहीं हुई है। लगता है कि वह दबाव में काम कर रहे है, उनके ऊपर इतनी बड़ी जिम्मेदारी आ गई है। देख लेंगे। उन्होंने कहा कि पिछली बार राज्य स्तर का बड़ा कार्यक्रम किया गया था और इस बार ग्रामीण ओलंपिक प्रदेश में होने जा रहा है जिसके लिए बजट घोषणा में की गई थी।

एक माह में भाजपा ने तीसरी बार भीलवाड़ा बंद करवाया

भीलवाड़ा। राजस्थान के भीलवाड़ा में हिंदू जागरण मंच के एक कार्यकर्ता की हत्या के मामले में दो संदिग्ध युवकों को गिरफ्तार नहीं करने से खफ़ा भारतीय जनता पार्टी भाजपा और हिंदू संगठनों के आह्वान पर आज भीलवाड़ा शहर सहित जिले भर के कई कस्बे शांतिपूर्ण ढंग से बंद रहे। एक ही माह में इसी घटना को लेकर भीलवाड़ा शहर के बाजार तीसरी बार बंद कराये गये है। शहर में भाजपा समर्थकों ने बाजारों को जबरन बंद कराने का प्रयास किया तो पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए बंद समर्थकों को खदेड़ा और कुछ कार्यकर्ताओं और भाजपा नेताओं को हिरासत में लिया है। सूचना केंद्र पर पुलिस के आला अधिकारियों की मौजूदगी में सख्त कार्रवाई को अंजाम दिया गया। जिला पुलिस अधीक्षक आदर्श सिद्धू ने व्यापारियों से अपील की है कि वह प्रदर्शनकारियों से डरे नहीं और बाजार खोले। इसके साथ ही पुलिस ने शहर में रूट मार्च भी निकाला और जबरन बंद कराने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई को भी अंजाम दिया। पुलिस की सख्ती के बाद भाजपा ने बंद समर्थकों को धरना स्थल पर पहुँचने का आह्वान किया है वहीं जिले भर में फिलहाल शांतिपूर्ण बंद जारी है चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया गया है और पुलिस अधिकारी के साथ ही प्रशासन के आला अधिकारी हर स्थिति पर नजर बनाए हुए हैं भीलवाड़ा के साथ-साथ आसींद, गंगापुर, मांडल, मांडलगढ़, शाहपुरा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र पूर्ण रूप से बंद रहे।

कर्नाटक में हिन्दू युवक की निर्मम हत्या

मुस्लिम लड़की से इश्क की मिली सजा

बेंगलुरु। कर्नाटक के कलबुर्गी जिले में 25 वर्षीय हिन्दू युवक की हत्या इसलिए कर दी गई क्योंकि उसने एक मुस्लिम लड़की से इश्क किया और उससे वह शादी करना चाहता था। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि इस घटना के बाद इलाके में शांति व्यवस्था के लिए पुलिस को अतिरिक्त बल की तैनाती करनी पड़ी। हत्या के आरोप में लड़की का भाई समेत दो लोग गिरफ्तार हुए हैं।

जानकारी के अनुसार, कर्नाटक के वाडी कस्बे के भीमा नगर लेआउट निवासी विजय कांबले को सोमवार रात एक रेलवे पुल के पास हमलवारों ने घेर लिया था। इस दौरान दोनों के बीच बहस भी हुई। इस बीच झगड़ा शुरू हो गया जिसमें हमलावरों ने विजय को लहुलूहान कर दिया। कुछ

समय बाद विजय की मौत हो गई। मामले की जांच कर रहे पुलिस अधिकारियों ने बताया कि एक मुस्लिम लड़की से प्यार करता था और शादी करना चाहता था। इस संबंध को लेकर लड़की के घरवाले भी नाराज और असहमत थे।

विजय की हत्या के मामले में पुलिस दो लोगों को गिरफ्तार कर चुकी है। आरोपियों की पहचान लड़की के भाई 19 वर्षीय शहाबुद्दीन और एक अन्य 19 वर्षीय नवाज के रूप में हुई है।

पहले भी धमका चुके हैं लड़की के घरवाले

विजय की मां ने कहा कि पहले भी लड़की का भाई विजय को धमका चुका है। उन्होंने बताया,उसका भाई दो अन्य लोगों के साथ घर आया था और हमें चेतावनी दी थी। उसने हमें चेतावनी दी थी कि मेरे बेटे को लड़की के साथ संबंध खत्म करने के लिए कहें। हमने उससे मेरे बेटे को नुकसान न पहुंचाने का अनुरोध किया और उसे सुनिश्चित किया कि मेरा बेटा इस संबंध को जारी नहीं रखेगा। लेकिन ऐसा नहीं हो पाया और मेरा बेटा मुझसे छिन गया। उसने संवाददाताओं से कहा।

दो लोगों ने हथियार घोंपकर कर दी हत्या: दोस्त

मामले में विजय की मां ने पुलिस की शिकायत में लड़की के पिता और भाई पर उसके बेटे को चाकू मारने का आरोप लगाया है। विजय के दोस्त ने संवाददातों को बताया कि हम बैठे थे और बातचीत कर रहे थे और वे अचानक कहीं से दिखाई दिए। कुछ देर में वो हमारे सामने दो लोग खड़े हो गए।

हमें पता नहीं था कि वे कौन हैं। उन्होंने विजय पर हमला किया। उनके पास एक हथियार भी दिया, जिससे उन्होंने विजय पर कई वार किए और फिर मौके से फरार हो गए।

रेलवे जल्द ला रही है, देश की पहली सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी

चेन्नई। भारतीय रेलवे 160 किलोमीटर प्रतिघंटे की रफ्तार से चलने वाली देश की पहली सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी 'गतिशक्ति' का निर्माण कर रही है और वंदे भारत एक्सप्रेस के प्लेटफॉर्म पर बनने वाली इस ट्रेन का पहला रैक इस साल के अंत तक तैयार हो जाएगा।

चेन्नई में रेलवे की इंटीग्रल कोच फैक्टरी (आईसीएफ) में गतिशक्ति के दो रैकों का निर्माण शुरू हो चुका है। रेलवे बोर्ड ने हालांकि ऐसी 25 मालगाड़ियों के निर्माण का लक्ष्य तय किया है।

आईसीएफ के महाप्रबंधक अतुल अग्रवाल ने यहां राष्ट्रीय मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत में यह जानकारी देते हुए कहा कि देश की पहली सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी का पहला रैक दिसंबर 2022 में पटरी पर उतर आएगा और उसके कुछ दिनों में दूसरा रैक भी आ जाएगा। उन्होंने कहा कि दोनों रैक को मालवहन बाजार में कैसा बिजनेस मिलता है, उसके आधार पर आगे निर्माण की समय-सीमा तय की जाएगी।

सेमी हाई स्पीड मालगाड़ी के बारे में उन्होंने बताया कि यह 16 कोच वाली गैर वातानुकूलित गाड़ी होगी। इसमें हवाई जहाज में कार्गो ढुलाई के काम आने वाले एलडी छह और एलडी नौ श्रेणी के कंटेनर रखे जा सकेंगे। दो कोच वातानुकूलित कंटेनर के लिए होंगे जिनमें दुग्ध उत्पाद, मछली, फल सब्जियों आदि को ले जाया जा सकेगा।

उनके लिए विद्युत कनेक्शन कोच से दिया जाएगा। बाकी कोचों में कंटेनर को खिसकाने-धकेलने के लिए रोलर लगे होंगे। कोच में दो चौड़े दरवाजे लगे होंगे जिनसे कंटेनरों को रखा या उतारा जा सकेगा।

ईडी ने फारूक अब्दुल्ला को भेजा समन

श्रीनगर। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने जम्मू कश्मीर क्रिकेट संघ में कथित वित्तीय अनियमितताओं के एक मामले में पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला को समन जारी किया है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। डॉ. अब्दुल्ला को 31 मई को ईडी के दिल्ली मुख्यालय में जांचकर्ताओं के सामने पेश होने के लिए कहा गया है। उन्हें धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए तलब किया है। इस मामले को लेकर ईडी दो बार डॉ अब्दुल्ला से पूछताछ कर चुकी है। इस पर नेशनल कांफ्रेंस ने मोदी सरकार पर जमकर निशाना साधा है। नेकां के प्रवक्ता इमरान नबी डार ने कहा, फारूक अब्दुल्ला को ईडी का नवीनतम समन सभी विपक्षी दलों के लिए आम बात है। जब भी किसी राज्य में चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद होती है, तो जांच एजेंसियां ? ?सबसे पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) लिए रास्ता साफ करती हैं। इस बार भी ऐसा ही प्रतीत होता नजर आ रहा है और सरकार का विरोध करने वाले विपक्षी दलों को इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। उन्होंने कहा डॉ. अब्दुल्ला ने इस मामले में लगातार अपने आप को बेगुनाह बताया है और जांच एजेंसी को सहयोग किया तथा आगे भी सहयोग करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में एकमात्र पीएजीडी गठबंधन दलों के नेताओं को निशाना बनाया जा रहा है यह कोई संयोग की बात नहीं है।

ड्रग्स सिंडिकेट को किसका संरक्षण है, देश को बताए सरकार : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने गुजरात के बंदरगाहों के देश में नशीले पदार्थों का प्रवेश द्वार बनने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि सरकार को बताना चाहिए कि भारत में ड्रग्स माफियाओं के वैश्विक कारोबार को किसका संरक्षण है। बता दें कि बीती रोज गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह में 500 किलो कोकीन बरामद की गई थी।

कांग्रेस प्रवक्ता पवन खेड़ा ने शुक्रवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि गुजरात के बंदरगाहों पर लगातार विदेशों से बड़ी मात्रा में आ रहा कुछ ड्रग्स पकड़ा जा रहा है और कुछ ट्रकों में भरकर के पूरे देश में पहुंच रहा है। एक दिन पहले ही (कल) गुजरात के मुंद्रा बंदरगाह पर ईरान के रास्ते आया 52 किलो कोकीन पकड़ा गया है।

उन्होंने कहा कि यह बहुत चिंता की बात है कि गुजरात के बंदरगाह ड्रग्स के 'गेट वे' बन रहे हैं और वहां से बड़ी मात्रा में ड्रग्स लगातार देश की धरती पर आ कर हमारी युवा पीढी को बरबाद कर रहा है। गुजरात के अकेले मुंद्रा पोर्ट से 25 टन ड्रग्स पूरे देश में फैल गया लेकिन, सरकार इसे रोकने में असमर्थ रही है।

सितंबर 2021 में पकड़ी गई 21 हजार करोड़ की ड्रग्स

छोटी-छोटी खेप आती रही लेकिन बड़ी खेप अप्रैल 2021 में 150 करोड़ की और सितम्बर 2021 में 21 हजार करोड़ का ड्रग्स बरामद हुआ। अप्रैल 2021 में 150 करोड़, 28 अप्रैल को 450 करोड़, सितम्बर 2021 में तीन हजार करोड़ और कल ही मुंद्रा पोर्ट से 52 किलो कोकीन बरामद की गई। प्रवक्ता ने कहा कि ड्रग्स अफगानिस्तान और ईरान के रास्ते देश में आती है जिसे देखते हुए अडानी बंदरगाह पर इन दोनों मुल्कों से सामान लाने पर रोक लगाने की घोषणा की बात की गई लेकिन आश्चर्य यह है कि कल जो खेप कोकीन की पकड़ी गई यह भी ईरान से आई है।

जुलाई 2017 से गुजरात में पकड़ा जा रहा ड्रग्स

इसके अलावा दूसरे कई बंदरगाहों पर ड्रग्स आती है और देश के विभिन्न हिस्सों में फैल जाती है लेकिन इसका प्रसार रोकने के लिए सरकार की तरफ से कोई कड़ी कार्रवाई नहीं होती है। गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पकड़ी गई ड्रग्स का विवरण देते हुए उन्होंने कहा कि जुलाई 2017 से लगातार गुजरात के बंदरगाहों पर ड्रग्स पकड़ा जा रहा है और वहां तब पहली बार जनवरी में 175 करोड का ड्रग्स बरामद हुआ।

एयरलाइन्स की गिरती सर्विस से यात्री निराश, स्पाइसजेट और इंडिगो से सबसे ज्यादा शिकायतें

नई दिल्ली। भारतीय यात्री देश की एयरलाइनों से लगातार निराश होते जा रहे हैं। सर्वे के मुताबिक, कस्टमर सर्विस और एयरलाइन कर्मचारियों का व्यवहार कोरोना के समय से तेजी से बिगड़ा है। लोकलसर्कल्स के सर्वे में शामिल 15,000 एयरलाइन यात्रियों में से लगभग 79 प्रतिशत ने कहा कि उनका मानना है कि भारत में कैरियर्स यात्रियों के कम्फर्ट से समझौता कर रहे हैं और कोरोना काल से देखरेख में कमी ला रहे हैं।

स्पाइसजेट लिमिटेड उन एयरलाइनों की सूची में सबसे आगे है, जिनकी सेवा को सबसे असंतोषजनक माना गया है। इसके बाद देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो है, जिसकी बाजार हिस्सेदारी 55 प्रतिशत है। सभी एयरलाइनों में शिकायतों में उड़ान में देरी, घटिया इन-फ्लाइट सेवा, खराब बोर्डिंग प्रक्रियाएं और विमान के खराब इंटीरियर शामिल हैं।

यात्रियों के खराब बर्ताव की भी शिकायत

सर्वे में यह खुलासा ऐसे समय हुआ है जब एयरलाइन्स भी कुछ यात्रियों के खराब बर्ताव की शिकायत कर रही हैं। हाल ही में हाई-प्रोफाइल मामले में इंडिगो ने एक विकलांग किशोर को फ्लाइट में चढ़ने से रोक दिया था। एयरलाइन की ओर से यह कहा गया कि लड़का गड़बड़ी कर रहा था और सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकता था।

भारत के विमानन नियामक ने इस मामले की प्रारंभिक जांच शुरू की जिसमें पाया गया कि इंडिगो नियमों के अनुरूप नहीं था और उसके कर्मचारियों ने यात्री को अनुचित तरीके से संभाला।

मामले की जांच जारी है। इंडिगो ने उस समय एक बयान में कहा कि उसने कठिन हालात में सबसे बेहतर संभव निर्णय लिया।

तीर्थयात्रियों का वाहन दुर्घटनाग्रस्त, 03 मरे, 10 घायल

देहरादून। उत्तराखण्ड में तीर्थ यात्रा पर आए महाराष्ट्र के दर्शनार्थियों को ले जा रहा वाहन गुरुवार रात अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गया। वाहन में कुल सवार 13 स्त्री-पुरुषों में से एक स्त्री सहित तीन की मौत हो गई, जबकि अन्य 10 को घायल अवस्था में अस्पताल भेजा गया है।

राज्य आपदा परिचालन केन्द्र के अनुसार, गुरुवार रात्रि लगभग 11 बजे उत्तरकाशी जनपद में बड़कोट मार्ग पर डाबरकोट में एक वाहन बोलोरो संख्या यूके-14टीए-0635 गहरी खाई में गिरा, जिसमें 13 लोग सवार थे। ये सभी यमुनोत्री धाम दर्शन करने हेतु जा रहे थे। दुर्घटना में 04 बच्चे सहित 10 लोग घायल हो गए व 03 लोगों की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई।

एसडीआरएफ की टीम ने अत्यंत विषम परिस्थितियों व रात्रि के घनघोर अंधेरे में गहरी खाई में उतरकर राहत कार्य कर घायलों और शवों को मुख्य मार्ग पहुंचाया।

इस दुघर्टना में बोलोरो चालक पूरणनाथ पुत्र गोपाल नाथ, निवासी अंधेरी, मुंबई , वर्तमान में निवासी ऋषिकेश (उत्तराखण्ड), जयश्री पुत्री अनिल, उम्र 23 वर्ष और अशोक पुत्र महादेव, उम्र 40 वर्ष, दोनों निवासी तुनसार, जिला भंडार, महाराष्ट्र की मौके पर ही मृत्यु हो गई।

जबकि बालकृष्ण कोसरे, उम्र 41 वर्ष निवासी तुनसार, जिला भंडार, अन्नू पुत्री अशोक, उम्र 04 वर्ष, निवासी नागपुर, रचना पत्नी अशोक उम्र 38 वर्ष निवासी नागपुर, दिनेश पुत्र किशन उम्र 35 वर्ष निवासी तुनसार, मोनिका पुत्री बालकिशन, उम्र 24 वर्ष, निवासी तुनसार, कृतिका पुत्री अशोक उम्र 15 वर्ष निवासी नागपुर, वोदी पुत्री प्रशांत, उम्र 10 वर्ष निवासी नागपुर, लक्ष्मी पत्नी बालकिशन, उम्र 46 वर्ष निवासी तुनसार, प्रेरणा उम्र 08 वर्ष निवासी तुनसार, और प्रमोद पुत्र तुलसीराम, उम्र 52 वर्ष निवासी निवासी तुनसार महाराष्ट्र घायल हुए हैं।

मान ने पानी,पर्यावरण बचाने के लिए जनांदोलन का किया आह्वान

सीचेवाल (जालंधर)। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने शुक्रवार को राज्य में पानी और पर्यावरण बचाने के लिए एक जन आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया।

मुख्यमंत्री ने यहां संत अवतार सिंह की 34वीं पुण्यतिथि के अवसर पर आयोजित एक समारोह में भाग लिया। उन्होंने राज्य में घटते भूजल स्तर और पर्यावरण को प्रदूषित करने पर गहरी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि पंजाब के एकमात्र कीमती और दुर्लभ प्राकृतिक संसाधन जैसे पानी को बचाने और पर्यावरण प्रदूषण को रोकने के लिए तत्काल उपचारात्मक कदम उठाने की आवश्यकता है। श्री मान ने कहा कि यह केवल सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता है, लेकिन विशेष रूप से ग्लोबल वार्मिंग के मद्देनजर इसके महत्व के बारे में जागरुक करने के लिए एक जोरदार जन जागरुकता अभियान शुरू करके लोगों की भागीदारी आवश्यक है तेजी से घटते जल स्तर के बाद उभरती स्थिति की गंभीरता पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि जहां तक भूजल का सवाल है, राज्य के लगभग सभी ब्लॉक डार्क जोन में हैं। श्री मान ने कहा कि यह जानना वास्तव में दयनीय है कि दुबई और अन्य अरब देशों में तेल निकालने के लिए उपयोग की जाने वाली उच्च शक्ति वाली मोटरों का उपयोग राज्य में भूजल को बाहर निकालने के लिए किया जा रहा है।

जीनियस बनने का रास्ता संस्कृत से होकर जाता है : सिंह

नैनीताल। उत्तराखंड के राज्यपाल महामहिम लेफ्निेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह ने शुक्रवार को कहा कि जीनियस बनने का रास्ता संस्कृत से होकर गुजरता है और हमें संस्कृत को बढ़ावा देना होगा।

सिंह कुमाऊं विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। मुख्य अतिथि के तौर पर उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की रीढ़ प्रदेश की महिलायें हैं और प्रदेश में महिलायें ही एक दिन क्रांति का जनक बनेंगी। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त किया कि कुमाऊं विश्वविद्यालय के 120 स्वर्ण पदक विजेताओं में से 95 महिलायें (छात्रायें) रही हैं। जो कि सुखद अनुभूति है।

उन्होंने आगे कहा कि एक दिन

भारत अवश्य विश्व गुरू बनेगा। उन्होंने कुमाऊं विश्वविद्यालय की ओर से हर क्षेत्र में किये जा रहे प्रदर्शन पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि विश्वविद्यालय आने वाले समय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेगा। उन्होंने संतोष व्यक्त किया कि विश्वविद्यालय की ओर से संस्कृत विषय में डीलिट् की उपाधि प्रदान की गयी है।

उन्होंने उपाधिधारकों को कहा कि जीनियस बनने का रास्ता संस्कृत विषय से होकर गुजरता है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि ज्ञान को कौशल से जोड़ा जाये, नये को प्राचीन, विज्ञान को कला से, भाषा को विषयों से और वोकल को लोकल से जोड़ा जाये।

उच्च शिक्षा मंत्री डा0 धन सिंह रावत ने विशिष्ट अतिथि के तौर पर कहा कि उनकी सरकार नयी शिक्षा नीति को इस शिक्षा सत्र से लागू करेगी। उन्होंने साफ तौर से कहा कि प्रदेश में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में धन की कोई कमी नहीं है।

वह विवि को आने वाले समय में दस हजार पुस्तकें और उपलब्ध करायेंगे। ई-पुस्तकालय, ई-ग्रंथालय के साथ ही स्मार्ट क्लासेस भी प्रदान करेंगे। उन्होंने प्राध्यापकों से स्पष्ट तौर पर कहा कि सुविधा सरकार प्रदान करायेगी, अच्छी शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी आप लोगों की है।

विश्वविद्यालय की ओर से आज सन् 2019-20 व 2020-21 के सत्र के लिये कुल 58640 विद्यार्थियों को उपाधि प्रदान की गयी। जिनमें से 410 विद्यार्थियों को शोध उपाधि, उच्चतम अंक प्रदान करने वाले 115 विद्यार्थियों को विभिन्न पदक एवं पांच विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार प्रदान किये गये। इसी प्रकार एक शिक्षार्थी को डीएससी, दो को डीलिट् की उपाधि प्रदान की गयी।

कुमाऊं विवि के कुलपति एनके जोशी ने इस मौके पर कहा कि विवि निरंतर प्रगति कर रहा है।

आय से अधिक संपत्ति मामला : ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल की सजा, 50 लाख रुपये का जुर्माना

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट की स्पेशल सीबीआई अदालत ने शुक्रवार को आय से अधिक संपत्ति मामले में दोषी करार दिए गए हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री और इंडियन नेशनल लोक दल सुप्रीमो ओम प्रकाश चौटाला को 4 साल कैद की सुजा सुनाई है। इसके साथ ही अदालत ने चौटाला पर 50 लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया है। अदालत ने चौटाला की चार संपतियों को जब्त करने के भी निर्देश दिए हैं।

राऊज एवेन्यू कोर्ट स्थित विशेष न्यायाधीश विकास ढल की अदालत ने फैसला सुनाए जाने के समय कोर्ट रूम में मौजूद रहे ओम प्रकाश चौटाला को तुरंत हिरासत में लेने का निर्देश दिया। इससे पहले पिछले सप्ताह अदालत ने चौटाला को दोषी ठहराया था। अदालत ने जुर्माने की रकम में से पांच लाख रुपये सीबीआई को मुकदमा खर्च के तौर पर देने को कहा है। वहीं, चौटाला की तरफ से इस फैसले के खिलाफ अपील दायर करने के लिए दस दिन का समय मांगा गया। अदालत ने उन्हें राहत देने से इनकार करते हुए कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट में इस बाबत अपील दायर करें।

चार अचल संपति भी जब्त करने के आदेश

अदालत ने अपने फैसले में सीबीआई को निर्देश दिया है कि गलत तरीके से अर्जित की गई चौटाला की हेली रोड, पंचकूला, गुरुग्राम व असोला की अचल संपति को जब्त कर लिया जाए। यह सभी अचल संपति सरकारी संपति खाते में जाएंगी। इसके अलावा चौटाला पर लगाया गया जुर्माना भी राजस्व में जमा होगा।

क्या था मामला

सीबीआई की एफआईआर के अनुसार, आरोपी ओम प्रकाश चौटाला ने 24 जुलाई, 1999 से 5 मार्च, 2005 की अवधि के दौरान हरियाणा के

मुख्यमंत्री के रूप में कार्य करते हुए अपने परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों की मिलीभगत से चल और अचल संपत्ति जमा की, जोकि उनकी आय के ज्ञात वैध स्त्रोतों से बहुत अधिक थी। जांच के दौरान चौटाला व उनके परिवार के नाम पर एक हजार 467 करोड़ रुपये की संपति पाई गई।

अभियोजन के मुताबिक, आरोपियों ने भारी संपत्ति जमा की और पूरे देश में हजारों एकड़ जमीन, मल्टी कॉम्प्लेक्स, महलनुमा आवासीय घर, होटल, फार्म हाउस, बिजनेस एजेंसियां, पेट्रोल पंप और अन्य निवेश के अलावा विदेशों में भारी निवेश किया। एफआईआर में यह भी कहा गया है कि नकदी और आभूषण के अलावा कुल 43 अचल संपत्तियां जमा की गईं। एफआईआर में सूचीबद्ध 43 कथित संपत्तियों के अलावा अतिरिक्त संपत्तियां भी आरोपी परिवार की होने का संदेह पाया गया।

अदालत में दायर आरोपपत्र में कहा गया है कि आरोपी ओपी चौटाला ने अचल और चल दोनों संपत्ति अर्जित की थीं, जो उनकी आय के ज्ञात स्त्रोत से अधिक थी। आय से अधिक संपत्ति की गणना 6 करोड़ 9 लाख 79 हजार 026 रुपये की गई थी, जोकि उनकी वास्तविक आय के ज्ञात स्त्रोतों से 189.11 प्रतिशत अधिक थी। बहरहाल अदालत ने चौटाला को जेल की सजा काटने के लिए न्यायिक हिरासत लेने के आदेश दिए हैं।

गौरतलब है कि विशेष न्यायाधीश विकास ढल ने वर्ष 1993 से 2006 के दौरान आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के दोषी करार दिए गए ओम प्रकाश चौटाला और सीबीआई के वकीलों की ओर से गुरुवार को सजा पर बहस सुनने के बाद फैसला शुक्रवार तक के लिए सुरक्षित रख लिया था।

सीबीआई ने की थी अधिकतम सजा की मांग

सजा सुनाए जाने के दौरान चौटाला कोर्ट रूम में ही मौजूद रहे। गुरुवार को सजा पर बहस के दौरान चौटाला की ओर से पेश हुए वकील हर्ष शर्मा ने कम से कम सजा देने के लिए बुढ़ापे और बीमारी का हवाला दिया और बताया कि चौटाला जन्म से ही पोलियो से संक्रमित हैं और आंशिक रूप से अक्षम हैं। हालांकि, सीबीआई के वकील अजय गुप्ता ने स्वास्थ्य और उम्र के आधार पर चौटाला के वकील द्वारा रियायत देने की दलील का विरोध किया था।

सीबीआई ने अदालत से आग्रह किया कि चौटाला को अधिकतम सजा दी जानी चाहिए क्योंकि इससे समाज में एक संदेश जाएगा। इस मामले में आरोपी एक सार्वजनिक व्यक्ति है और न्यूनतम सजा देने से समाज में गलत संदेश जाएगा। उनका साफ-सुथरा इतिहास नहीं है। यह यह दूसरा मामला है जिसमें उन्हें दोषी ठहराया गया है। अदालत ने पिछले सप्ताह चौटाला को दोषी करार देते हुए कहा कि था वह आय के ज्ञात स्त्रोत से अधिक संपत्ति हासिल करने का संतोषजनक हिसाब देने में असफल रहे।

शार्ट न्यूज

दिल्ली पुलिस में 800 से ज्यादा हेड कॉन्स्टेबल पदों के लिए आई वैकेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस में भर्ती होने का सपना देख रहे युवाओं के लिए खुशखबरी है। दिल्ली पुलिस में फिलहाल 800 से ज्यादा पदों के लिए भर्ती निकाली गई है। इनमें से 550 से ज्यादा पद केवल पुरुषों के लिए हैं। आवेदन करने की अंतिम तिथि 16 जून निर्धारित की गई है। जानकारी के अनुसार, कर्मचारी चयन आयोग (एसएससी) दिल्ली पुलिस में ज्यादा हेड कॉन्स्टेबल (मिनिस्ट्रियल) पदों की भर्ती के लिए एक खुली प्रतियोगी परीक्षा आयोजित करेगा। देश के सभी हिस्सों के उम्मीदवार आवेदन करने के पात्र होंगे। आवेदन केवल एसएससी द्वारा ऑनलाइन मोड के माध्यम से स्वीकार किए जाएंगे। कंप्यूटर आधारित परीक्षा देशभर में सितंबर के महीने में आयोजित की जाएगी। प्रवेश परीक्षा के लिए भाषा का माध्यम अंग्रेजी और हिंदी ही होगा। आवेदन की अंतिम तिथि 16 जून,2022 है। सफल होने वालों को वेतन लेवल-4 (25500-81000 रुपये) के अनुसार वेतन दिया जाएगा। इस बार पुरुषों के लिए 559 पद जबकि महिलाओं के लिए 276 पद हैं। इन पदों के लिए आवेदन करने के लिए उम्मीदवारों को 10+2 पास होना चाहिए। इसके साथ ही 1 जनवरी 2022 को 18 से 25 आयु वर्ग के उम्मीदवार ही हेड कॉन्स्टेबल पदों पर भर्ती के लिए पात्र हैं। हालांकि, विभिन्न आरक्षित श्रेणियों में आयु वर्ग में छूट दी है। उम्मीदवार ऑनलाइन आवेदन करने के लिए https://ssc.nic.in/ पर जा सकते हैं।

गाजियाबाद के वसुंधरा में घूम रहा छिपकली जैसा 3 फुट लंबा जंगली जानवर, लोगों में डर और दहशत का माहौल

गाजियाबाद। गाजियाबाद के वसुंधरा सेक्टर-15 में पिछले दो दिन से छिपकली के समान तीन फुट लंबा एक जंगली जानवर दिखाई देने से लोगों में डर और दहशत का माहौल है। इस जानवर से लोग इस कदर भयभीत हैं कि घरों से बाहर निकलने में भी कतरा रहे हैं। स्थानीय निवासियों ने जल्द से जल्द वन विभाग से इसे पकड़ने की मांग की है। वसुंधरा सेक्टर-15 स्थित प्लॉट संख्या-626 के पास पिछले दो दिन से एक जंगली जानवर पतला गोय दिखाई दे रहा है। जो आसपास के घरों की नालियों में और सड़कों पर इधर-उधर घूम रहा है। इससे आसपास के लोगों में भय का महौल है। लोग घर से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं। स्थानीय निवासी रवि ने बताया कि पिछले दो दिन से प्लॉट संख्या-611 से लेकर 630 के आसपास घूम रहा है। कभी किसी के घर के बाहर बने रैप के नीचे छिप रहा है तो की सड़कों पर घूम रहा है। इससे लोग डरे हुए हैं। बच्चे और स्थानीय लोग घरों से बाहर निकलने में कतरा रहे हैं। उन्होंने बताया कि एक घर के बगीचे में दो सांप भी दिखाई दिए हैं, जिससे लोग और सहमे हुए हैं। जल्द से जल्द उन्होंने पकड़ने की मांग की है।

थाने के मालखाने में लगी आग, आंसू गैस का गोला फटने से मची अफरातफरी

नोएडा। नोएडा के थाना सेक्टर-24 में बने मालखाने में गुरुवार को अचानक आग लग गई और आग के कारण वहां रखा आंसू गैस का गोला फट गया। इसके चलते थाने में काफी देर तक अफरातफरी का माहौल रहा। हालांकि, इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस सूत्रों ने शुक्रवार को इस बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सेक्टर-24 के पुलिस थाना कार्यालय के ऊपर मालखाना बना है। मालखाने में दंगे को नियंत्रित करने में इस्तेमाल होने वाला सामान रखा है। गुरुवार दोपहर को इसमें अचानक आग लग गई थी और मालखाने में रखा आंसू गैस का गोला फट गया। उन्होंने बताया कि इससे आग बुझाने के काम में लगे पुलिस कर्मियों में भगदड़ मच गई तथा उनकी आंखों में जलन होने लगी। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। सहायक पुलिस आयुक्त रजनीश वर्मा ने बताया कि घटना की जांच कराई जा रही है और फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंच गई है। उन्होंने बताया कि अगर इस मामले में कोई दोषी पाया जाता है तो उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली में फिर गरजने वाला है बुलडोजर, 18 हजार मकानों-दुकानों को गिराने की तैयारी; थमाए जा रहे नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम पूर्वी दिल्ली की करीब 18 हजार से अधिक संपत्तियों पर हथौड़ा और बुलडोजर चलाने की तैयारी में है। इस सिलसिले में निगम के भवन विभाग ने 20 साल से भी अधिक पुराने मकानों को अवैध निर्माण की श्रेणी में बुक कर रखा है। एकीकृत निगम होने से पहले और बाद में संपत्ति मालिकों को लगातार नोटिस भेजे जा रहे हैं। नोटिस मिलने के बाद से संपत्ति मालिकों के धड़कनें बढ़ गई हैं। जिन मकानों को कार्रवाई के लिए बुक किया गया है, उन सभी में लोग रह रहे हैं। जानकारी के मुताबिक एकीकृत दिल्ली नगर निगम से पहले पूर्वी दिल्ली निगम भवन विभाग के अधिकारियों ने अशोक नगर, लक्ष्मी नगर, खिचड़ीपुर, दिलशाद गार्डन, गीता कॉलोनी, शकरपुर, मंडावली, उस्मानपुर, गांधी नगर, रघुबरपुरा, सीलमपुर, मौजपुर, सहित शाहदरा दक्षिण और शाहदरा उत्तरी जोन के तहत उक्त कॉलोनियों सहित अन्य में लोगों को भवन विभाग की तरफ से बड़ी संख्या में नोटिस भेजे जा चुके हैं। जिन संपत्ति मालिकों को नोटिस मिले हैं, उन्होंने नाम ना छापने की शर्त पर बताया कि इसमें कहा गया है मकान खाली करो अन्यथा मकान तोड़ दिया जाएगा, जबकि उनके मकान 10 से 20 साल पुराने बने हैं। दिल्ली नगर निगम के वरिष्ठ अधिकारियों का कहना है कि जिन लोगों को नोटिस भेजे गए हैं, उनके मकान या दुकान को तोड़ने की कोई योजना नहीं है। यह कार्रवाई अनधिकृत कॉलोनियों में भी नहीं की जाएगी। सिर्फ सड़कों और पार्कों से अतिक्रमण हटाया जाएगा। इस संबंध में नगर निगम की तरफ से एक पब्लिक नोटिस भी जारी किया जा रहा है।

रबूपुरा पुलिस ने एक अभियुक्त को अवैध असलहे के साथ किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना रबूपुरा पुलिस ने गुरुवार को आपरेशन पाताल के अंतर्गत कार्यवाही करते हुए तमंचे के साथ फोटो वायरल करने वाले अभियुक्त रवि पुत्र शीशपाल निवासी ग्राम मिर्जापुर थाना रबूपुरा गौतमबुद्धनगर को ग्राम मिर्जापुर के पास करौली कट से गिरफ्तार कर लिया।पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय दो कारतूस जिन्दा बरामद किए हैं।अभियुक्त द्वारा तमंचे के साथ फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल किए जा रहे थे। जिसके विरूद्ध पुलिस ने आवश्यक वैधानिक कार्यवाही कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

जेवर पुलिस ने तमंचे के साथ फोटो/वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल करने वाले अभियुक्त को असलहे के साथ किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर क्षेत्रान्तर्गत जहाँगीरपुर पुलिस चौकी प्रभारी एसआई नीलकान्त ने अपने पुलिस बल कास्टेंबल 2206 गौरव कुमार,कास्टेंबल 3754 अशोक कुमार के साथ मिलकर तमंचा लेकर गली मौहल्ले में घूमने तथा तमंचे के साथ फोटो खींचकर वीडियों बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर लोगो में भय व्याप्त करने वाले अभियुक्त राहुल पुत्र हरीप्रसाद शर्मा निवासी मौहल्ला स्वामीपाडा कस्बा जहाँगीरपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर को नंगर पंचायत जहाँगीरपुर से 100 मीटर पहले झाझर रोड से शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए अभियुक्त के कब्जे से पुलिस ने एक तमंचा तीन सौ पन्द्रह बोर मय एक कारतूस जिन्दा बरामद किया है।अभियुक्त द्वारा अवैध तमंचे के साथ वीडियो एवं फोटो खींचकर कर सोशल मीडिया पर वायरल कर लोगों में भय व्याप्त किया जा रहा था। जिसके विरुद्ध पुलिस ने थाना जेवर पर मुकदमा अपराध संख्या 186/2022 धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत पंजीकृत कर न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया है।

कंटेंट सेक्टर की अकेली उम्मीद है 'हिंदी' भाषा

प्रफुल्ल राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। हिंदी पत्रकारिता दिवस के उपलक्ष्य में भारतीय जन संचार संस्थान में आयोजित विशेष व्याख्यान को संबोधित करते हुए हिन्दुस्तान समाचार पत्र के प्रधान संपादक श्री शशि शेखर ने कहा कि डिजिटलाइजेशन ने पत्रकारों और पत्रकारिता को एक नई ताकत दी है। वर्तमान में कंटेंट सेक्टर की अकेली उम्मीद हिंदी भाषा है, जिसमें रोजगार के नए अवसर उपलब्ध हो रहे हैं। इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी, अपर महानिदेशक श्री आशीष गोयल, डीन (अकादमिक) प्रो. गोविंद सिंह एवं हिंदी पत्रकारिता विभाग के अध्यक्ष प्रो. आनंद प्रधान भी उपस्थित थे।

शेखर ने कहा कि पत्रकारिता सत्य, तथ्य और कथ्य के साथ चलती है। जितने भी लोग खबरों के व्यवसाय में हैं, उन्हें एक बात नहीं भूलनी चाहिए, कि वे प्रोफेशनल ट्रूथ टेलर हैं। हम कहानीकार नहीं, बल्कि कलमकार हैं। उन्होंने कहा कि हिंदी कंटेंट की बढ़ती गुणवत्ता ने उसे डिजिटल माध्यमों पर अलग पहचान दिलाई है।

शेखर ने कहा कि दुनिया जब बदलती है, तो उसके फायदे और नुकसान दोनों होते हैं, लेकिन हमें सकारात्मक रवैया अपनाते हुए अच्छी चीजों को ग्रहण करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकार अब डिजिटल युग में ग्लोबल रिसोर्स बनते जा रहे हैं। इसलिए मीडिया शिक्षण संस्थान विद्यार्थियों को भी उसी हिसाब से तैयार करें। पत्रकारों को अब विशेषज्ञता की आवश्यकता है।

इस अवसर पर आईआईएमसी के महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी ने कहा कि भारत में हिंदी पत्रकारिता की शुरुआत पं. युगल किशोर शुक्ल द्वारा 30 मई, 1826 को कोलकाता से प्रकाशित समाचार पत्र 'उदन्त मार्तण्ड' से हुई थी।

इसलिए 30 मई को पूरे देश में हिंदी पत्रकारिता दिवस मनाया जाता है। उन्होंने कहा कि 'उदन्त मार्तण्ड' का ध्येय वाक्य था, 'हिंदुस्तानियों के हित के हेत' और इस एक वाक्य में भारत की पत्रकारिता का मूल्यबोध स्पष्ट रूप में दिखाई देता है।

प्रो. द्विवेदी ने कहा कि पिछले वर्ष आईआईएमसी ने अपने पुस्तकालय का नाम पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर रखा।

यह हमारे लिए बड़े गर्व का विषय है कि हिंदी पत्रकारिता के प्रवर्तक पं. युगल किशोर शुक्ल के नाम पर यह देश का पहला स्मारक है। उन्होंने कहा कि हिंदी और भारतीय भाषाओं का यह स्वर्णिम युग है। हिंदी सभी को साथ लेकर चलने वाली भाषा है। माताएं और भाषाएं अपने बच्चों से ही सम्मान पाती हैं।

भारतीय जन संचार संस्थान के समस्त विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान श्री शशि शेखर ने विद्यार्थियों के प्रश्नों का उत्तर भी दिया एवं उनके साथ सार्थक संवाद किया।

आगामी 3 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर 12 विभिन्न श्रेणियों में पात्रता रखने वाले अभ्यर्थी/संस्थाओं को मिलेगा राज्य स्तरीय पुरस्कार

ग्रेटर नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया ने जनपद के अभ्यर्थी/संस्थाओं का आह्वान करते हुये जानकारी दी है कि प्रत्येक वर्ष 3 दिसम्बर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय पुरस्कार नियमावली 2017 के लिये 12 विभिन्न श्रेणियों में पात्रता रखने वाले उन सभी अभ्यर्थी/संस्थाओं को दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किया जायेगा। वर्तमान वित्तीय वर्ष में भी निम्न श्रेणी के दिव्यांगजन पात्रता रखने वाले इच्छुक अभ्यर्थी/संस्था आवेदन पत्र कार्यालय से प्राप्त करते हुए आवेदन पत्र का पूर्ण विवरण/संलग्नक अभिलेखों के साथ दिनांक 31 मई 2022 तक कार्यालय जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कमरा नंबर 107 विकास भवन सूरजपुर गौतमबुद्धनगर में प्राप्त करा सकते हैं।उन्होंने बताया कि पुरस्कारों के लिए क्रमश: निम्न श्रेणियां दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/स्वनियोजित दिव्यांगजन के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए सर्वश्रेष्ठ नियोक्ता तथा सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी के लिए सेवायोजकों को राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा सर्वश्रेष्ठ संस्था के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, प्रेरणास्रोत के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ नवीन अनुसंधान या उत्पाद विकास के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिए बाधा मुक्त वातावरण के सृजन के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्य के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन को पुर्नवास सेवायें प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ सृजनशील दिव्यांग वयस्क व्यक्तियों एवं सर्वश्रेष्ठ बालक/बालिका के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ ब्रेल प्रेस के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, दिव्यांगजन के लिये सर्वोत्तम अनुकूल वेबसाइट के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार, सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग खिलाडियों के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार एवं दिव्यांगजन के सशक्तीकरण के लिए कार्यरत अधिकारी/कर्मचारी के लिए राज्य स्तरीय पुरस्कार निर्धारित किया गया हैं।

नोएडा : अवैध खनिज परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से जनपद का खनन विभाग एक्टिव

ग्रेटर नोएडा। उत्तर प्रदेश सरकार के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप एवं जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में जनपद में अवैध खनिज परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण लगाए जाने के उद्देश्य से उपायुक्त यातायात गौतमबुद्धनगर के अध्यक्षता में जांच समिति का गठन किया गया है। जिसके द्वारा अभियान चलाकर निरंतर स्तर पर चेकिंग की जा रही है। इसी क्रम में खान अधिकारी गौतमबुद्धनगर निर्मल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में उपायुक्त यातायात गौतमबुद्धनगर द्वारा गठित जांच समिति के सदस्य उप जिलाधिकारीगण, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी एवं खान अधिकारी के द्वारा अवैध खनिज परिवहन पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से 19 मई से 27 मई 2022 तक अभियान चलाकर 142 वाहनों की सघन जांच की गई, जिसमें 23 वाहन ओवरलोडिंग, बिना इंटर स्टेट ट्रांसिट पास एवं बिना ई एम एम-11 के पकड़े गए, जिनको जनपद के विभिन्न थानों में निरुद्ध किया गया है। खान अधिकारी निर्मल कुमार ने बताया कि आगे भी जिलाधिकारी के नेतृत्व में अवैध खनिज परिवहन पर अंकुश लगाने के लिए जांच समिति के द्वारा अभियान चलाकर चेकिंग की जाएगी ताकि मुख्यमंत्री की मंशा को पूर्ण किया जा सके।

आईआईएफसीएल ने वित्त वर्ष 2021-22 के वित्तीय परिणामों की घोषणा की

आनंद राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। इंडिया इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस कंपनी लिमिटेड (आईआईएफसी) ने वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान पिछले वर्ष में दर्ज किए गए प्रदर्शन को जारी रखते हुए क्रमश: 25,120 करोड़ रुपये और 10,445 करोड़ रुपये के उच्चतम स्टैंडअलोन मंजूरी और भुगतान के साथ रिकॉर्ड प्रदर्शन किया है। 31 मार्च, 2022 तक संचयी मंजूरी और भुगतान 1,84,207 करोड़ रुपये और 91,822 करोड़ रुपये थे।

मजबूत ऋण पोर्टफोलियो

आईआईएफसीएल ने कोविड -19 महामारी के कारण आने वाली चुनौतियों के बावजूद वित्त वर्ष 2021-22 में अपने स्टैंड-अलोन पोर्टफोलियो में 9 7 त्न की सालाना वृद्धि के साथ रुपये से 39,352 करोड़ रुपये दर्ज की जो वित्त वर्ष 2020-21 में 36,689 करोड़ रुपये थी।

आईआईएफसीएल का कर पश्चात लाभ (पीएटी) वित्तीय वर्ष 2021-22 में पिछले वर्ष की तुलना में 80 त्न बढ़कर 514 करोड़ रुपये हो गया है वित्त वर्ष 2020-21 में 285 करोड़ रुपये से अधिक पिछले वर्ष कि तुलना में इस बार भी बेहतर प्रदर्शन जारी है। कंपनी ने अपने नेटवर्थ में मूल्य जोड़ना जारी रखा जिसके कारण वित्त वर्ष 2021-22 में इसकी नेटवर्थ बढ़कर 11,737 करोड़ रुपये हो गई जो वित्त वर्ष 2020-21 में 10,654 करोड़ रुपये थी।

एसेट क्वालिटी और रिकवरी में सुधार

आईआईएफसीएल 31 मार्च 2022 तक गिरती परिसंपत्ति गुणवत्ता प्रवृत्तियों को रोकने और शुद्ध एनपीए को (3.65त्न पिछले वर्ष की तुलना में 5.39त्नसे नीचे) और सकल एनपीए ((9.22त्न पिछले वर्ष की तुलना में 13.90 त्न से नीचे) की कमी हुई। प्रावधान कवरेज अनुपात वित्त वर्ष 2021-22 में बढ़कर 62.75त्न हो गया, जो पिछले वर्ष में 61.24त्न था, जिससे कंपनी की बैलेंस शीट की मजबूती में सुधार हुआ।

31 मार्च 2022 तक आईआईएफसीएल की और उससे बुनियादी ढांचा वित्त संपत्तियों का अनुपात 31 मार्च, 2021 967त्न जो 9 54त्न से ऊपर) था, जिससे कंपनी की उच्च गुणवत्ता वाली संपत्ति प्रोफ़ाइल को दर्शाती है। कंपनी की वसूली के लिए आक्रामक तरीके से आगे बढ़ने के रुख से वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान लगभग 780 करोड़ रुपये की अब तक की सबसे अधिक वसूली हुई है जबकि पिछले वर्ष के दौरान यह 618 करोड़ रुपये थी।

आईआईएफसीएल का बांड और इनविट्स में प्रवेश

अपनी विकासात्मक भूमिका को आगे बढ़ाते हुए आईआईएफसीएल ने पहली बार वित्त वर्ष 2021-22 में परियोजना कंपनियों द्वारा जारी किए जा रहे बुनियादी ढांचे के बांडों में निवेश करने का काम शुरु किया। आईआईएफसीएल ने प्रोजेक्ट बॉन्ड में 975 करोड़ रुपये का निवेश किया है, जिसमें अक्षय ऊर्जा ढ्ढ्ठ1ढ्ढ्ञ द्वारा जारी किए गए बॉन्ड में 325 करोड़ रुपये शामिल हैं। बांड में आईआईएफसीएल के निवेश से न केवल आईआईएफसीएल की परिसंपत्ति की गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए लंबी अवधि के ऋण वित्त की उपलब्धता को भी बढ़ावा मिलेगा। आईआईएफसीएल इस साल इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स इनविट्स को ऋण देने के अवसरों पर भी नजर लगाए हुए है और इसका लक्ष्य अपनी बैलेंस शीट को और मजबूत करना और इसकी संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार करना है।

लगातार दो वर्षों तक कंपनी का निरंतर रिकॉर्ड प्रदर्शन आईआईएफसीएल की गति शक्ति, राष्ट्रीय अवसंरचना पाइपलाइन, राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन, भारतमाला योजना, सागरमाला योजना, जैसे प्रमुख कार्यक्रमों के माध्यम से भारत के बुनियादी ढांचे के विकास में योगदान करने की क्षमता को प्रदर्शित करता है।

दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कोर्स है बेहतर विकल्प

विवेक राय गौरवशाली भारत

नई दिल्ली। दिल्ली यूनिवर्सिटी के कॅम्पस ऑफ ओपन लर्निंग के तहत कराए जाने वाले कौशल विकास से जुड़े सर्टिफिकेट पथकर्मों वर्ष 2022 के दाखिले की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है।

दाखिले में आवेदन कोई भी बाहरवी उनतीर्ण छात्र-छात्राएं कर सकते है। पाठ्यक्रम अनुसार पड़ाई ऑफलाइन और ऑनलाइन माध्यम में भी कराई जाती है। वर्ष 2021 में, कोरोना के चलते, जो अभियार्थी दिल्ली नहीं आ सकते थे वे ऑनलाइन क्लाससेस के जरिए दिल्ली विश्वविद्यालय के सर्टिफिकेट कौरसेस कर सके- प्रोफ. उमा शंकर पांडेय (ओएसडी , कॅम्पसऑफ़ ओपन लर्निंगएवं प्रधानाचार्य, स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग)

कैसे करें आवेदन?

आवेदन फॉर्म और कोर्स की जानकारी कैंपस ऑफ़ ओपन लर्निंग की वेबसाइट, col.du.ac.inपरउपलब्ध है। दाखिले के लिए आवेदन करने के लिए फॉर्म ऑफलाइन जमा करना होगा जिसके लिए कैंपस ऑफ़ ओपन लर्निंग (केशवपुरम मेट्रो के नज़दीक) जाया जा सकता है या फिर डाक द्वारा भी भेजा जा सकता है। किसी भी जानकारी के लिए दूरभाष नंबर 011-27181469 या +91-9312237583 परव्हाट्सप्प संपर्क किया जा सकता है।

कौन-कौन से है पाठ्यक्रम?

दिल्ली विश्वविद्यालय के कैंपस ऑफ़ ओपन लर्निंग के तहत लगभग 36 सर्टिफिकेट कोर्सेस कराएं जा रहे हैं जैसे किजिनमे कुछ निम्नलिखित हैं।

1. मास कम्युनिकेशन (जनसंचार)
2. रेडियो जॉकीइंग, एंकरिंग, टीवी जर्नलिज्म
3. एनीमेशन 3d
4. मोशन ग्राफिक्स, 2d एनिमेशन
5. एक्टिंग
6. फैशन मॉडलिंग
7. फिल्ममेकिंगएवं स्क्रीन्प्लै
8. फोटोग्राफी
9. इंटीरियर डिज़ाइन
10. फाइन आर्ट्सएवं डिजिटल आर्ट्स
11. फैशन डिज़ाइन
12. वेबसाइट डिजाइनिंग
13. इवेंट मैनेजमेंट, पब्लिक रिलेशन्स
14. डिजिटल मार्केटिंग
15. डाटा साइंस एंड मशीन लर्निंग
16. साइबर सिक्योरिटी एंड एथिकल हैकिंग
17. एयरपोर्ट मैनेजमेंट
18. मेडिकल ट्रांसक्रिप्शन
19. ट्रेवल एंड टूरिज्म
20. स्टेनोग्राफीएवं आईटी स्किल्स
21. इ-एकाउंटिंग, ऑफिस ऑटमैशन
22. फाइनेंसियल मार्केट्स
23. पर्सनालिटी डेवलपमेंटएवं सॉफ्ट स्किल्स
24. ग्रॉफिक डिजाइनिंग, विडिओ एडिटिंग

शादी अनुदान योजना के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग के गरीब अभिभावकों की पुत्रियों की शादी के लिए दिया जा रहा अनुदान

ग्रेटर नोएडा। जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी गौतमबुद्धनगर लवेश कुमार सिसोदिया ने जनपद के अन्य पिछड़ा वर्ग के व्यक्तियों का आहवान करते हुये उन्हें जानकारी दी है कि शादी अनुदान योजना के तहत अन्य पिछड़ा वर्ग (अल्पसंख्यक पिछडे वर्ग को छोडकर) के गरीब अभिभावकों की पुत्री की शादी के लिए 20 हजार रूपये की अनुदान राशि दी जायेगी। शादी अनुदान प्राप्त करने के लिए शादी से 90 दिन पूर्व तथा 90 दिन बाद तक http://shadianudan.upsdc.gov.in लिंक पर जाकर अपना आनलाइन आवेदन कर सकतें है। उन्होंने शादी अनुदान योजना के पात्रता के सम्बन्ध में विस्तार से जानकारी देते हुये बताया कि आवेदक अन्य पिछड़ा वर्ग का होना चाहिए तथा पुत्री की आयु शादी की तिथि को 18 वर्ष व वर की आयु 21 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिये एवं आवेदक की आय गरीबी की सीमा के तहत शहरी क्षेत्र में 56460 रूपये वार्षिक तथा ग्रामीण क्षेत्र में 46080 रूपये वार्षिक होनी अनिवार्य है। उन्होंने यह भी बताया कि उक्त योजना का लाभ उठाने के लिए वृद्धावस्था, विकलांग एवं विधवा पेंशन के लाभार्थियों को आय प्रमाण पत्र लगाने की आवश्यकता नही हैं। ऐसे लाभार्थियों को अपना रजिस्ट्रेशन नम्बर आवेदन करते समय भरना होगा एवं आवेदक का बैंक खाता राष्ट्रीयकृत बैंक में होना चाहिये। जिला सहकारी बैंक का खाता पीएफएमएस पोर्टल पर स्वीकृत नही किया जायेगा। अत: उक्त योजना में इच्छुक व्यक्ति पहचान पत्र, बैंक पास बुक, शादी का कार्ड, पुत्री का आयु प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आवेदक के पासपोर्ट साइज फोटो के साथ अपना ऑनलाइन आवेदन कर सकतें है। उक्त योजना के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी के कार्यालय संख्या 111, विकास भवन सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में किसी भी कार्य दिवस में सम्पर्क करके प्राप्त कर सकतें है।

जेवर पुलिस ने नाबालिग बच्चे के साथ दुष्कर्म के वांछित आरोपी को किया गिरफ्तार

ग्रेटर नोएडा। थाना जेवर पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म के वांछित आरोपी दयाचन्द उर्फ कालू पुत्र हरी सिंह निवासी ग्राम दस्तमपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगरको शुक्रवार को खुर्जा अण्डरपास के पास से गिरफ्तार कर लिया। उपरोक्त अभियुक्त थाना जेवर पर पंजीकृत मुकदमा अपराध 178/2022 धारा 342,323, 377 भादवि व 5/6 पोक्सो एक्ट के अंतर्गत वांछित चल रहा था।गौरतलब है कि 24 मई 2022 को वादी निवासी ग्राम दस्तमपुर थाना जेवर गौतमबुद्धनगर द्वारा सूचना दी कि दिनांक 23 मई 2022 को वादी के पडौसी अभियुक्त दयाचन्द उर्फ कालू द्वारा वादी के नाबालिग पुत्र उम्र करीब 13 वर्ष को बहला फुसला कर अपने घर में ले गया तथा मारपीट कर गलत काम किया गया। जिसके सम्बन्ध में वादी की तहरीर पर थाना जेवर पर मुकदमा अपराध संख्या 178/2022 धारा 342,323, 377 भादवि व 5/6 पोक्सो एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया।

गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस कर्मी को रिश्वत के वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल करना पड़ा महंगा, दिल्ली के 3 लोग गिरफ्तार

गुरुग्राम। गुरुग्राम ट्रैफिक पुलिस के एक हवलदार को रिश्वत लेने के नाम पर ब्लैकमेल कर कथित तौर पर एक लाख रुपये मांगने के आरोप में दिल्ली के तीन लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए आरोपियों की पहचान दिल्ली के गांव बेगमपुर निवासी दीपक, सत्येंद्र व रोहिणी के सेक्टर-छह निवासी अशोक के रूप में हुई है।

ट्रैफिक पुलिस में तैनात एक हवलदार को कथित रूप से रिश्वत लेते हुए की वीडियो के नाम पर ब्लैकमेल करने वाले तीन आरोपियों को अपराध शाखा डीएलएफ फेज-चार ने बुधवार शाम को सेक्टर-42 चौक के पास से गिरफ्तार किया। तीनों आरोपी, हवलदार से एक लाख रुपये लेने के लिए आए थे।

पुलिस ने आरोपियों के पास से एक लाख रुपये नकद और एक स्विफ्ट डिजायर कार बरामद की है। आरोपियों के खिलाफ सुशांतलोक थाने में मामला दर्ज करवाया गया है।

ट्रैफिक पुलिस में तैनात हवलदार प्रेम सिंह ने बताया कि 21 मई को आरोपी उनके पास आए और उनके द्वारा रुपये लेते हुए का वीडियो होने की बात कही।

इसे लेकर आरोपियों ने उन्हें ब्लैकमेल करना शुरू कर दिया और नौकरी से निकलवाने की धमकी देने लगे। उसके बाद आरोपियों ने तीन लाख रुपये की डिमांड की। एक लाख रुपये में बात तय हो गई।

इसके बाद पीड़ित हवलदार ने अपने वरिष्ठ अधिकारियों को इस घटना से अवगत कराया।

इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाते हुए तीनों को पैसे लेने के लिए बुलाया और फिर इन्हें रंगे हाथ दबोच लिया गया। एसीपी अपराध प्रीतपाल सांगवान ने बताया कि आरोपी युवक टैक्सी चलाने का काम करते हैं। इस कारण अक्सर ट्रैफिक पुलिस से इनका पाला पड़ता हैं। उन्होंने ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को जबरन वसूली के लिए टार्गेट करने की योजना बनाई थी।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने हवलदार प्रेम सिंह यह कहते हुए धमका रहे थे वे उनके कथित रिश्वत लेने वाले वीडियो को वायरल कर देंगे और 3 लाख रुपये की मांग कर रहे थे, लेकिन बाद में काफी बातचीत के बाद 1 लाख रुपये में सौदा तय हो गया था। इसके बाद पुलिस ने जाल बिछाकर इन तीनों को रंगे हाथ दबोच लिया।

संपादकीय

स्वास्थ्य सेवाओं में तेजी से सुधार करना है तो नर्सों की संख्या बढ़ानी पड़ेगी

अभी 12 मई को ही दुनिया के देशों ने लेडी विद द लैंप यानी कि फ्लोरेंस नाइटेंगल का जन्म दिन अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के रूप में मनाया है। इस अवसर पर कहने को तो बड़े बड़े आयोजन हुए और नर्सिंग कर्मियों को सम्मानित किया गया पर आज देश दुनिया में जिस तेजी से नर्सिंग कर्मियों की कमी और समस्याएं हैं उसकी ओर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया है। जबकि अभी कोरोना संकट पूरी तरह से समाप्त नहीं हुआ है और कोरोना के नित नए वेरियंट का डर सताता रहता है। और कोरोना ही क्यों जिस तरह से आधुनिक जीवन शैली और प्रदूषण के चलते नित नई बीमारियां आती जा रही हैं उसी तरह से नर्सिंग कर्मियों की मांग बढ़ती जा रही है। देश दुनिया के देशों में स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार हो रहा है। जो बड़े देश अपने आप को स्वास्थ्य सेवा संपन्न मान रहे थे उनकी भी कोरोना ने पोल खोल कर रख दी है।

कोरोना ने यह भी सबक दिया है कि दुनिया भर में कोरोना के कारण लाखों मौतें हुई है तो करोड़ों लोगों की जान भी बचाई गई है। दरअसल कोरोना ने एक अलग तरह के ही हालात पैदा किए और आम आदमी ही क्या सरकारों तक को लाचार हालात में खड़ा कर दिया। जिस तरह से कोरोना की जंग डॉक्टरों के भरोसे लड़ी गई तो इस जंग में नर्सिंग कर्मियों और पेरामेडिकल स्टॉफ की भूमिका को भी एक कदम अधिक ही महत्व देना होगा। हालात यह है कि देश दुनिया में कोरोना के अनुभवों को देखते हुए अस्पतालों में बेड और अन्य सुविधाएं तो बढ़ाने का सिलसिला जारी है पर इन सुविधाओं को संचालित करने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग कर्मियों और पेरामेडिकल स्टाफ की कमी को दूर करने के प्रति अभी अधिक गंभीरता नहीं दिखाई दे रही है। देखा जाए तो चिकित्सक से भी एक कदम अधिक रिस्क नर्सिंग कर्मियों का होता है। मरीज की देखभाल और समय पर दवा, इंजेक्शन, ड्रेसिंग आदि की जिम्मेदारी नर्सिंग कर्मियों पर ही होती है। चिकित्सक के साथ ही अस्पताल के नर्सिंग कर्मियों का मरीज और उनके परिजनों के साथ व्यवहार और सेवाभाविता बहुत मायने रखती है। भारतीय नर्सिंग परिषद की मानें तो देश में 31 लाख नर्स पंजीकृत हैं। एक समय था जब नर्सिंग कार्य पर महिलाओं का ही एकाधिकार था और नर्सिंग कर्मी मतलब केरल की महिलाओं की अलग ही पहचान होती थी। सेवा भाव व ड्रेस कोड भी प्रभावी रहा है। आज देश में एक हजार की आबादी पर दो से भी कम 1.7 नर्स हैं जबकि आज की तारीख में यह आंकड़ा कम से कम दो गुणा होना चाहिए। विदेशों की कार्य संस्कृति, वेतन भत्तों और सुविधाओं को देखते हुए देश की करीब 56 हजार नर्स तो अमेरिका, इंग्लैण्ड, कनाडा, आस्ट्रेलिया सहित अन्य देशों में सेवाएं दे रही हैं। यानी कि नर्सिंग कर्मियों की कमी और अधिक हो जाती है। हालांकि कोविड ने सभी देशों की स्वास्थ्य सुविधाओं की पोल खोल कर दी है पर फिर भी गरीब और अमीर देशों के बीच नर्सिंग सेवाओं का जो अनुपात है वह अत्यंत चिंतनीय है। अमीर देशों में जहां एक लाख की आबादी पर 38.7 नर्स हैं वहीं कम आय वाले देशों की स्थिति गंभीर है। कम आय वाले देशों में यह आंकड़ा एक लाख की आबादी पर 10.4 पर आकर टिकता है जोकि करीब करीब तीन गुणा कम है। इस तरह से देखा जाए तो हमारे देश में भी यह आंकड़ा लगभग इसके पास ही करीब 10.7 है। दुनिया भर में दो करोड़ 80 लाख नर्सें रोगियों की सेवा में जुटी हैं। कोविड में जिस सेवा भाव से दुनिया के देशों में चिकित्सकों के साथ ही नर्सिंग और पेरामेडिकल स्टाफ ने मानवता के लिए काम किया है, अपनी जिंदगी की परवाह किए बिना लोगों को जीवनदान दिया है और यहां तक तो कईयों ने तो अपने जीवन की आहुति देकर अपना धर्म निभाया है, ऐसे में मेडिकल और पेरामेडिकल सेवाओं के विस्तार और सेवा शर्तों में सुधार की आज सर्वाधिक आवश्यकता हो गई है।

चीन और रूस ने हिमाकत का इतना तगड़ा जवाब मिलने की बात सोची भी नहीं होगी

नीरज कुमार दुबे

हाल ही में संपन्न क्वॉड देशों की बैठक के बाद से चीन के होश उड़े हुए हैं। क्वॉड देशों से एक साथ तो चीन लड़ नहीं सकता इसीलिए अलग-अलग तरीकों से भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया को घेरने का विफल प्रयास करता है। इस बार क्वॉड बैठक चूँकि जापान में हुई तो चीन ने जापान पर अपनी नजरें टेढ़ी कर दी हैं। आपको ध्यान होगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के जापान में मौजूद होने के दौरान ही चीन ने अपने मित्र देश रूस के साथ मिलकर जापान सागर, पूर्वी चीन सागर और पश्चिमी प्रशांत महासागर के ऊपर संयुक्त हवाई गश्त की। इस हवाई गश्त के दौरान बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया गया। चीन और रूस ने एकजुटता का संदेश देने के लिए यह कदम ऐसे समय उठाया जब क्वॉड देशों के सभी नेता जापान में मौजूद थे। उल्लेखनीय है कि यूक्रेन पर रूस के आक्रमण की बढ़ती अंतरराष्ट्रीय आलोचना और चीन का दृढ़ता से उसका समर्थन करने की पृष्ठभूमि में अमेरिका इन दोनों देशों के खिलाफ मुखर है। इसके अलावा जापान और ऑस्ट्रेलिया के संबंध चीन के साथ पहले से ही खराब चल रहे हैं।

वैसे चीन और रूस ने अतीत में प्रशांत महासागर में सालाना युद्ध अभ्यास किये हैं। लेकिन इस बार की हवाई गश्त सीधा क्वॉड देशों को सख्त संदेश देने के लिए की गयी थी। खैर...चीन और रूस ने जो संदेश देना था वो दे दिया। अब बारी अमेरिका और जापान की थी इसलिए जवाब में जापान और अमेरिका ने जापान सागर के ऊपर अपने लड़ाकू विमानों की संयुक्त उड़ान को अंजाम दिया। जापान के रक्षा बलों ने कहा कि अमेरिका और जापान के आठ युद्धक विमानों ने उड़ान भरी। इस उड़ान में अमेरिका के एफ-16 और जापान के एफ-15 लड़ाकू विमान शामिल थे। जापानी सेना ने एक बयान में कहा कि संयुक्त उड़ान दोनों सेनाओं की संयुक्त क्षमताओं की पुष्टि करने तथा जापान-अमेरिका गठबंधन को और मजबूत करने के लिए थी।

बहरहाल, यह तो हुआ चीनी एक्शन पर अमेरिका का रिएक्शन। अब बात करते हैं चीन के मन में बैठते जा रहे एक नये डर की। हम आपको बता दें कि क्वॉड बैठक में अमेरिका द्वारा शुरू किए गए इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क से चीन घबरा गया है इसीलिए उसने इसकी आलोचना की है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने 23 मई को क्वॉड शिखर सम्मेलन से पहले इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क की शुरुआत की। बाइडन की इस पहल को बड़े पैमाने पर हिंद-प्रशांत क्षेत्र में बढ़ते चीनी प्रभाव का मुकाबला करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिका के नेतृत्व वाली पहल में शामिल होने वाले 12 देशों में भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रुनेई दारुस्सलाम, इंडोनेशिया, जापान, दक्षिण कोरिया, मलेशिया, न्यूजीलैंड, फिलीपींस, सिंगापुर, थाईलैंड और वियतनाम हैं। इस मंच से चीन और उसके करीबी देशों- लाओस, कंबोडिया और म्यांमा को बाहर रखा गया है। इस संगठन के कार्य ढांचे में चार स्तंभ- व्यापार, आपूर्ति श्रृंखला, स्वच्छ ऊर्जा और बुनियादी ढांचा तथा कर और भ्रष्टाचार विरोध- शामिल हैं।

दरअसल इंडो-पैसिफिक इकोनॉमिक फ्रेमवर्क इस क्षेत्र में अमेरिका का अब तक का सबसे महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय आर्थिक संबंध है और हिंद-प्रशांत देशों को चीन के अलावा व्यापार के लिए एक नया विकल्प देता है। इसीलिए चीन घबरा गया है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता वांग वेनबिन ने तभी आरोप लगाया है कि यह मंच अमेरिका के नेतृत्व वाले व्यापार नियम स्थापित करता है, औद्योगिक श्रृंखलाओं की प्रणाली का पुनर्गठन करता है और चीनी अर्थव्यवस्था से क्षेत्रीय देशों को अलग करता है।

बहरहाल, चीन कितनी भी अफवाहें फैलाता रहे या कितनी भी गीदड़ भभकियां देता रहे, क्वॉड देशों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता तभी तो ड्रैगन पर नया शिकंजा कसने की शुरुआत भी हो चुकी है। हम आपको बता दें कि क्वॉड देशों ने आर्थिक संबंध मजबूत करने के अलावा हिंद-प्रशांत क्षेत्र के लिये जो बड़ी और नयी पहल शुरू की है उससे भी चीन की भौंहें चढ़ गयी हैं। क्वॉड देशों ने तय किया है कि हिंद-प्रशांत समुद्री क्षेत्र जागरूकता पहल शुरू की जायेगी। यह पहल साझेदार देशों को क्षेत्रीय जलक्षेत्रों की पूरी तरह से निगरानी करने और क्षेत्र में शांति और स्थिरता सुनिश्चित करने में मदद करेगी।

वीर सावरकर जयन्ती -28 मई 2022

कुशल व्यक्ति एवं राष्ट्र-शिल्पी थे वीर सावरकर

- ललित गर्ग -

अखण्ड भारत का स्वप्न देखने एवं उसे आकार देने वालों में प्रखर राष्ट्रवादी नेता विनायक दामोदर सावरकर का योगदान अनूठा एवं अविस्मरणीय है। आज नया भारत बनाने, भारत को नये सन्दर्भों के साथ संगठित करने, राष्ट्रीय एकता को बल देने की चर्चाओं के बीच भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के प्रखर सेनानी, महान देशभक्त, ओजस्वी वक्ता, दूरदर्शी राजनेता, इतिहासकार, एक बहुत निराले साहित्यकार-कवि और सशक्त हिन्दुत्व के पुरोधा श्री सावरकर की जयंती और उनका जीवन-दर्शन आधार-स्तंभ एवं प्रकाश-किरण है। अग्रिम पंक्ति के स्वतंत्रता सेनानी सावरकरजी प्रेरणाएं एवं शिक्षाएं इसलिये प्रकाश-स्तंभ हैं कि उनमें नये भारत को निर्मित करने की क्षमता है। उन्होंने अनेक विपरीत एवं संघर्षपूर्ण स्थितियों के बीच एक भारत और मजबूत भारत की कल्पना की थी, जिसे साकार करने का संकल्प आज हर भारतीय के मन में है।

वीर सावरकर का जन्म महाराष्ट्र के नासिक जिले के ग्राम भगूर में 28 मई 1883 में हुआ था। वह अपने माता पिता की चार संतानों में से एक थे। उनके पिता का नाम दामोदर पंत सावरकर था, जो गांव के प्रतिष्ठित व्यक्तियों में जाने जाते थे, वे अंग्रेजी के अच्छे जानकार थे। लेकिन उन्होंने अपने बच्चों को अंग्रेजी के साथ-साथ भारतीय संस्कृति के अनुकरणीय प्रसंगों, रामायण, महाभारत, महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी आदि महापुरूषो के प्रसंग भी सुनाया करते थे। सावरकर का बचपन भी इन्हीं बौद्धिकता के साथ-साथ स्व-संस्कृति के वातावरण में बीता। सावरकर अल्प आयु से ही निर्भीक होने के साथ-साथ बौद्धिक रूप से भी संपन्न थे। उनकी माता का नाम राधाबाई था। जब विनायक 9 साल के थे, तब ही उनकी माता का देहांत हो गया था। बचपन से ही वे पढ़ाकू थे। बचपन में उन्होंने कुछ कविताएं भी लिखी थीं। उन्होंने शिवाजी हाईस्कूल, नासिक से 1901 में मैट्रिक की परीक्षा पास की।

वीर सावरकर के मन में बचपन में ही अखण्ड भारत, स्वतंत्र भारत एवं सशक्त भारत को निर्मित करने का जज्बा जग गया था। आजादी के लिए काम करने के लिए उन्होंने एक गुप्त सोसायटी बनाई थी, जो 'मित्र मेला' के नाम से जानी गई। 1905 के बंग-भंग के बाद उन्होंने पुणे में विदेशी वस्त्रों की होली जलाई। फर्ग्युसन कॉलेज, पुणे में पढ़ने के दौरान भी वे राष्ट्रभक्ति से ओत-प्रोत ओजस्वी भाषण देते थे। तिलक की अनुशंसा पर 1906 में उन्हें श्यामजी कृष्ण वर्मा छात्रवृत्ति मिली। 'इंडियन सोसियोलॉजिस्ट' और 'तलवार' में उन्होंने अनेक लेख लिखे, जो बाद में कोलकाता के 'युगांतर' में भी छपे। वे रूसी क्रांतिकारियों से ज्यादा प्रभावित थे। लंदन में रहने के दौरान सावरकर की मुलाकात लाला हरदयाल से हुई। लंदन में वे इंडिया हाउस की देखरेख भी करते थे। मदनलाल धींगरा को फांसी दिए जाने के बाद उन्होंने 'लंदन टाइम्स' में भी एक लेख लिखा था। उन्होंने धींगरा के लिखित बयान के पर्चे भी बांटे थे।

वीर सावरकर जैसे बहुत कम क्रांतिकारी एवं देशभक्त होते हैं जिनके तन में जितनी ज्वाला हो उतना ही उफान मन में भी हो। उनकी कलम में चिंगारी थी, उसके कार्यों में भी क्रांति की अग्नि धधकती थी। वीर सावरकर ऐसे महान सपूत थे जिनकी कविताएं एवं विचार भी क्रांति मचाते थे और वह स्वयं भी महान् क्रांतिकारी थे। उनमें तेज भी था, तप भी था और त्याग भी था। वीर सावरकर हमेशा से जात-पात से मुक्त होकर कार्य करते थे। राष्ट्रीय एकता और समरसता उनमें कूट कूट कर भरी हुई थी। रत्नागिरी आंदोलन के समय उन्होंने जातिगत भेदभाव मिटाने का जो कार्य किया वह अनुकरणीय था। वहां उन्होंने दलितों को मंदिरों में प्रवेश के लिए सराहनीय अभियान चलाया। महात्मा गांधी ने तब खुले मंच से सावरकर की इस मुहिम की प्रशंसा की थी, भले ही आजादी के माध्यमों के बारे में गांधीजी और सावरकर का नजरिया अलग-अलग था।

वीर सावरकर ने 1909 में लिखी अपनी पुस्तक 'द इंडियन वॉर ऑफ इंडिपेंडेंस-1857' में इस लड़ाई को ब्रिटिश सरकार के खिलाफ आजादी की पहली लड़ाई घोषित किया। वीर सावरकर 1911 से 1921 तक अंडमान जेल में रहे। 1921 में वे स्वदेश लौटे और फिर 3 साल जेल भोगी। जेल में 'हिन्दुत्व' पर शोध ग्रंथ लिखा। 1937 में वे हिन्दू महासभा के अध्यक्ष चुने गए। 1943 के बाद वे दादर, मुंबई में रहे। 9 अक्टूबर 1942 को भारत की स्वतंत्रता के लिए चर्चिल को समुद्री तार भेजा और आजीवन अखंड भारत के पक्षधर रहे। दुनिया के वे ऐसे पहले कवि थे जिन्होंने अंडमान के एकांत कारावास में जेल की दीवारों पर कील और कोयले से कविताएं लिखीं और फिर उन्हें याद किया। इस प्रकार याद की हुई 10 हजार पंक्तियों को उन्होंने जेल से छूटने के बाद पुनः लिखा। 26 फरवरी 1966 को भारत के इस महान क्रांतिकारी का निधन हुआ। उनका संपूर्ण जीवन स्वराज्य की प्राप्ति के लिए संघर्ष की प्रेरणास्पद दास्तान है।

हम आजाद हो गये, लेकिन हमारी मानसिकता एवं विकास प्रक्रिया अभी भी गुलामी की मानसिकता को ओढ़े हैं। शिक्षा से लेकर शासन व्यवस्था की समस्त प्रक्रिया अंग्रेजों की थोपी हुई है, उसे ही हम अपनाये जा रहे हैं। जीवन का उद्देश्य इतना ही नहीं है कि सुख-सुविधापूर्वक जीवन व्यतीत किया जाये, शोषण एवं अन्याय से धन पैदा किया जाये, बड़ी-बड़ी भव्य अट्टालिकाएं बनायी जाये और भौतिक साधनों का भरपूर उपयोग किया जाये। उसका उद्देश्य है- निज संस्कृति को बल देना, उज्ज्वल आचरण, सात्विक वृत्ति एवं स्व-पहचान। भारतीय जनता के बड़े भाग में राष्ट्रीयता एवं स्व-संस्कृति की कमी को दूर करना ही सावरकरजी के जन्म एवं जीवन का ध्येय था, वे अखण्ड भारत के पक्षधर थे। वे विश्वभर के क्रांतिकारियों में अद्वितीय थे। उनका नाम ही भारतीय क्रांतिकारियों के लिए उनका संदेश था। उनकी पुस्तकें क्रांतिकारियों के लिए गीता के समान थीं।

नया भारत निर्मित करते हुए उसके इतिहास में सच्चाई के प्रतिबिम्बों को उभारने पर बल देना ही वीर सावरकर की जन्म-जयन्ती मनाने का वास्तविक उद्देश्य होना चाहिए, क्योंकि भारत के इतिहास को धूमिल किया गया, धुंधलाया गया है, हिन्दू प्रतीकों, मन्दिरों एवं संस्कृति को नष्ट किया गया अन्यथा भारत का इतिहास दुनिया के लिये एक प्रेरणा है, अनुकरणीय है। क्योंकि भारत एक ऐसा शांति-अहिंसामय देश है जिसका न कोई शत्रु है और न कोई प्रतिद्वंद्वी। सम्पूर्ण दुनिया भारत की ओर देख रही है, उसमें विश्व गुरु की पात्रता निरन्तर प्रवहमान रही है, हमने कोरोना महामारी के एक जटिल एवं संघर्षमय दौर में दुनिया के सभी देशों के हित-चिन्तन का भाव रखा, सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास मंत्र के द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने साबित किया कि वसुधैव कुटुम्बकम- दुनिया एक परिवार है, यही वीर सावरकर दर्शन ही मानवता का उजला भविष्य है। इसी विचार पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ आगे बढ़ रहा है, वह एक अनोखा और दुनिया का सबसे बड़ा गैर राजनीतिक संगठन है। यह भारतीय राष्ट्रवाद की सबसे मुखर, सबसे प्रखर आवाज है, इस आवाज को वीर सावरकर ने संगठित किया। देश की सुरक्षा, एकता और अखंडता उसका मूल उद्देश्य है। जैसे-जैसे संघ का वैचारिक, सांस्कृतिक, सामाजिक प्रभाव देश और दुनिया में बढ़ रहा है, वैसे-वैसे हिंदुत्व और राष्ट्र के प्रति समर्पित इस संगठन के बारे में जानने और समझने की ललक लोगों के बीच बढ़ती जा रही है।

अप्रतिम प्रतिभा सम्पन्न सावरकरजी कुशल मानवशिल्पी के साथ राष्ट्र-शिल्पी थे। उनकी वाणी तीक्ष्ण, तेजधार होने के साथ-साथ सीधी, सरल एवं हृदय को छूने एवं प्रभावकारी परिणाम करने वाली थी। अपनी पारखी दृष्टि से व्यक्ति की क्षमताओं को पहचान कर न केवल उसका विकास करते थे अपितु उसे देश, समाज एवं राष्ट्र हित में नियोजित भी करते थे। राष्ट्रोत्थान की भावना जगाने में उनका कौशल अद्भुत था। एक सामाजिक-सांस्कृतिक-राष्ट्रीय व्यक्तित्व होते हुए भी वीर सावरकर ने भारतीय राजनीति की दिशा को राष्ट्रीयता की ओर कैसे परिवर्तित किया है, यह समझने के लिए भी उनके जीवन-दर्शन को पढ़ना आवश्यक है। भारत की हिंदू अस्मिता, हिंदू समाज की उत्पत्ति व संघटन, विवाह, माता-पिता द्वारा संतान का पालन-पोषण, आपसी सौहार्द, सामाजिकता, आध्यात्मिकता, धार्मिकता, आर्थिक स्थितियां, कृषि, जीवनशैली तथा ऐसे ही अन्य अनेक विषयों पर उनके जीवन-दर्शन से मार्ग प्रशस्त होता है। सावरकर एकमात्र ऐसे भारतीय थे जिन्हें एक ही जीवन में दो बार आजीवन कारावास की सजा सुनाई गयी थी। काले पानी की कठोर सजा के दौरान सावरकर को अनेक यातनाएं दी गयी।

अंडमान जेल में उन्हें छः महिने तक अंधेरी कोठरी में रखा गया। एक -एक महिने के लिए तीन बार एकांतवास की सजा सुनाई गयी। सात-सात दिन तक दो बार हथकड़ियां पहनाकर दीवारों के साथ लटकाया गया। इतना ही सावरकर को चार महिनों तक जंजीरों से बांध कर रखा गया। इतनी कठोर यातनाएं सहने के बाद भी सावरकर ने अंग्रेजों के सामने झुकना स्वीकार नहीं किया।

लीड लेस पेसमेकर क्या है? इसके क्या-क्या फायदे हैं ?

कमलेश पांडेय

ऐसे मरीज जिनमें हार्ट की काम करने की क्षमता कम होने का पता चलता है, और मरीज के शरीर का एक हिस्सा पैरालाइज होने या अन्य कारणों के चलते रूटीन पेसमेकर लगाना लगभग मुश्किल होता है, ऐसे में लीडलेस पेसमेकर लगाने का निर्णय लिया जाता है। साथ ही पेसमेकर से एलर्जी वाले रोगी में भी लीडलेस पेसमेकर लगाया जाता है जिसे साधारण पेसमेकर से एलर्जी की दुर्लभ बीमारी होती है। ऐसे रोगी के हृदय में साधारण पेसमेकर लगाने पर उनमें खराबी आ जाती है और उसको बदलना पड़ता है।

चिकित्सक बताते हैं कि लीड लेस पेसमेकर हृदय में इम्प्लांट किया जाने वाला एक ऐसा पेसमेकर है जो बिना वायर का होता है और बिना चीरफाड़ किये पैर की नस के माध्यम से भी हार्ट तक पहुंचाया जा सकता है। वैसे तो बाजार में इस तकनीक की लॉन्चिंग वर्ष 2018 में ही हो चुकी है, लेकिन अभी तक मरीजों का रुझान इस ओर ज्यादा नहीं बढ़ा है। यही वजह है कि दिल्ली एनसीआर के एक अहम शहर गाजियाबाद में इस तकनीक को पहुंचने में लगभग 4 वर्ष लग गए।

विशेषज्ञों के मुताबिक, लीड लेस पेसमेकर इसलिए भी खास है क्योंकि इसको इम्प्लांट किये जाने के दौरान हार्ट को चीरना नहीं पड़ता है, जिसके चलते मरीज को महज दो दिन में ही छुट्टी दे दी जाती है। वहीं, पैर की नस के माध्यम से लीड लेस पेसमेकर लगाये जाने से किसी भी तरह के इन्फेक्शन का खतरा बिल्कुल कम या फिर ना के बराबर होता है।

हाल ही में यशोदा सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल, कौशाम्बी, गाजियाबाद में एक स्थानीय मरीज के हृदय में बिना वायर वाला पेसमेकर लगाया गया है, जो चिकित्सा जगत में चर्चा का विषय बना हुआ है। इस अस्पताल में चिरंजीव विहार, गाजियाबाद निवासी 65 वर्षीय एक मरीज के हृदय में बिना वायर वाला यानी लीडलेस पेसमेकर सफलतापूर्वक लगाया गया है, जिसे चिकित्सा जगत की भाषा में लीड लेस पेसमेकर इम्प्लांटेशन भी कहा जाता है। बताया गया है कि इसे हृदय में प्रत्यारोपित करने में महज 20 मिनट का समय लग और मरीज को महज 3 दिन बाद ही हॉस्पिटल से छुट्टी दे दी गयी। लीड लेस पेसमेकर इम्प्लांटेशन जैसी इस अत्याधुनिक तकनीक में, इम्प्लांटेशन के दौरान 65 वर्षीय मरीज के हार्ट में किसी भी प्रकार का चीरा नहीं लगाया गया और पैर की नस के जरिये ही पेसमेकर लगाया गया, जो चिकित्सा जगत के लिए किसी क्रांति से कम नहीं है।

इस बारे में पूछे जाने पर हॉस्पिटल के वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. असित खन्ना ने बताया कि सम्बन्धित मरीज लीड लेस पेसमेकर लगाए जाने के बाद भी पूरी तरह से स्वस्थ है। उन्होंने इसके बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि यह प्रक्रिया एंजियोग्राफी की तरह की जाती है। जिसके तहत मरीज की जांघ के पास एक छोटा छेद किया जाता है, जिसके माध्यम से एक लीडलेस पेसमेकर शरीर में प्रवेश कराया जाता है। फिर उसे हृदय में कैथलैब में मशीन में देखते हुए हार्ट में ही प्रत्यारोपित कर दिया जाता है। इस पूरी प्रक्रिया में जरा भी रक्तस्राव नहीं होता है, जिसके चलते इस तकनीक को अपनाने वालों की संख्या में इजाफा होना तय है।

इस बारे में गहन जानकारी साझा करते हुए उन्होंने बताया कि पारंपरिक कृत्रिम पेसमेकर (सीपीएम) से जुड़ी समस्याओं से बचने के लिए ही अब लीडलेस पेसमेकर लगाए जाते हैं। क्योंकि लीडलेस पेसमेकर पारंपरिक पेसमेकर से 90 प्रतिशत छोटा होता है। वस्तुतः यह एक छोटा उपकरण है जिसे सीधे हृदय में भेजा जाता है। इसके लिए सम्बन्धित मरीज की छाती में चीरा लगाने की भी जरूरत नहीं होती है।

चिकित्सकों का कहना है कि लीड लेस पेसमेकर इम्प्लांटेशन तकनीक चिकित्सा बाजार में अपेक्षाकृत नई तकनीक है, जिसे चार साल पहले साल 2018 में ही उतारा गया था। बावजूद इसके हमारे देश में इसे लगाने के केवल कुछ मामले ही अभी तक सामने आए हैं। वहीं, डॉक्टरों का दावा है कि गाजियाबाद में यह पहला सफल प्रयास है।

मुझको भैयाजी माफ़ करना - गल्ती मारे से हो गई

गल्ती हो जाने पर क्षमा मांगना हर समस्या का तर्कसंगत समाधान है

हमसे वाकई कोई गल्ती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगना हमारा बड़प्पन होगा और अपनी खामियों के बावजूद सम्मान, भरोसा हासिल होगा - एड किशन भावनानी

गोंदिया - वैश्विक स्तरपर भारतीय सभ्यता, संस्कृति, मूल्यों मर्यादा और आध्यात्मिकता की सजगता दुनिया में कहीं नहीं है हमारी सभ्यता के अनेक मोतियों में से एक क्षमां मांगना है बड़े बुजुर्गों का कहना है जो क्षमा करता है पुरानी बातों को भूल जाता है वही सबसे बड़ा दानी है क्योंकि क्षमादान जैसा कोई दान नहीं यहवैचारिक शक्ति है भारतीय सभ्यता की!!

साथियों बात अगर हम हमारे आज के विषय वस्तु क्षमा मांगने की करें तो, क्षमा करने के सुनहरे नियम के साथ- साथ एक पहलू यह भी है कि हमसे अगर गलती हो जाए तो हमें शांत स्वभाव से अपनी गलती को स्वीकार कर लेना चाहिए और माफी मांगनी चहिए, क्योंकि हमेशा याद रखें कि माफी मांगने से हमेशा रिश्ते मजबूत ही होंगे, दो लोगों के बीच कभी बैर नहीं होगा। माफ करने या माफी मांगने की आदत से यह मालूम पड़ता है कि व्यक्ति तुच्छ भावों के मुकाबले में रिश्ते को ज्यादा अहमियत देता है।

साथियों बात अगर हम मानव जीव में क्षमा भाव की करें तो, क्षमा भाव जिसके भीतर विकसित हो जाता है, वह व्यक्ति समाज में आदरणीय माना जाता है। किसी को किसी की भूल के लिए क्षमा करना और आत्मग्लानि से मुक्ति दिलाना एक बहुत बड़ा परोपकार है। कितना आसान है किसी से अपनी गलती की माफी मांगना और उससे भी ज्यादा आनंद तब मिलता है, जब वह व्यक्ति हमें माफ कर देता है। क्षमा का शस्त्र जिसके पास है, उसका दुष्ट मानव कुछ नहीं बिगाड़ सकते। जिस तरह बिना तिनकों की पृथ्वी पर गिर कर अग्नि खुद ही शांत हो जाती है।

साथियों बात अगर हम क्षमा मांगने की परिस्थिति की करें तो, यदि हमसे वाकई गलती हो गई है तो गंभीरता से क्षमा मांगें। कोई स्पष्टीकरण दें, हमारी गलती से वह विचलित है और हमारे कारणों को समझने की स्थिति में नहीं है। उसे पहले शांत कर सामान्य स्थिति में लाएं। दिल से मांगी गई माफी से स्थिति सामान्य हो जाएगी। यह हमारा बड़प्पन भी होगा कि जो व्यक्ति हमारे कारण दुखी हुआ है और हम अपनी गलती स्वीकार कर उसे सामान्य होने में मदद कर रहे हैं। फिर हुए नुकसान या असुविधा की पूर्ति के लिए तत्काल प्रयास करें। व्यर्थ की दलीलों में समय बर्बाद करने की बजाय तत्काल कदम उठाएं। इस तरह हम अपनी खामियों के बावजूद सम्मान भरोसा हासिल करेंगे। अन्यथा भावनाओं की गलत अभिव्यक्ति से आप हमेशा तनाव में रहेंगे, जो आपको समाधान से दूर और दूर ले जाएगा।

साथियों बात अगर हम क्षमा देने की करें तो, कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना तो शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है। जो पहले क्षमा मांगता है वह सबसे बहादुर है और जो सबसे पहले क्षमा करता है वह सबसे शक्तिशाली है। शास्त्रों में कहा गया है कि क्षमा वीरों का आभूषण है। बाणभट्ट के हर्षचरित में उल्लेख किया गया है कि क्षमा सभी तपस्याओं का मूल है। महाभारत में कहा गया है कि क्षमा असमर्थ मनुष्यों का गुण और समर्थ मनुष्यों का आभूषण है।' श्री गुरु ग्रंथ साहिब का वचन है- क्षमाशील को रोग नहीं सताता और न ही यमराज डराता है। साथियों बात अगर हम क्षमा में भावनात्मक मिश्रण से हानि की करें तो खासकर पारिवारिक झगड़ों में हम देखते हैं कि, पति का पत्नी से झगड़ा हो गया है। उनके बीच कोई समस्या हो सकती है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। चूंकि पत्नी का मूड खराब है तो वह बेटे पर गुस्सा उतारेगी। बेटे पर मां मामूली-सी बात पर चिल्लाई तो वह अपने साथियों से लड़ पड़ा और हम जितनी कल्पना कर सकें उतना इस कहानी को विस्तार दे सकते हैं। भावनाएं यदि समस्या के स्रोत की दिशा में हो तो भी यह उसे सुलझाने की बजाय बड़ा बना देती हैं। यहीं पर बड़ी समस्या है, क्योंकि कोई माफी मांगे इसकी बजाय भावनात्मक विस्फोट के कारण आखिर में हमें ही माफी मांगनी पड़ सकती है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने में अफसोस और ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी के तड़के की करें तो,मुझे अफ़सोस है, इन तीन छोटे शब्दों के बिना माफी वास्तव में माफी नहीं है। उनका उपयोग करने से हम यह प्रदर्शित कर सकते हैं कि हम वास्तव में उस समस्या को उत्पन्न करने के लिए पछताते हैं जिसने शिकायत को प्रेरित किया। इन शब्दों के साथ माफी माँगने से हमको यह दिखाने में मदद मिलती है कि हम अतीत में जो कुछ हुआ है उसकी ज़िम्मेदारी लेने के लिए तैयार हैं। हम सुनिश्चित करेंगे कि ऐसा दोबारा न हो, यह समझाते हुए कि जो हुआ अब आगे हमेशा एक अच्छा विचार होगा, भविष्य में गड़बड़ी से मुक्त रखने के लिए हम जो कुछ भी बदलने की योजना बना रहे हैं उसे रेखांकित करके उस सफलता पर निर्माण करना सबसे अच्छा है।

साथियों बात अगर हम माफी मांगने की व्यवहारिकता की करें तो, यदि हम गलत हैं, आंशिक रूप से भी, किसी की मांग करने से पहले क्षमा मांगना बेहतर है। क्षमायाचना उन समस्याओं को हल करने में मदद कर सकती है जिन्हें हल करना सामान्य शब्दों के लिए बहुत कठिन है। क्षमा की वांछनीयता इसमें शामिल लोगों की संस्कृति पर निर्भर करती है। शर्म की संस्कृति में , एक उच्च स्थिति वाले व्यक्ति से जबरन माफी मांगना एक बहुत ही मूल्यवान चीज के रूप में देखा जाता है, क्योंकि माफी मांगने वाले व्यक्ति के सामाजिक अपमान को एक महत्वपूर्ण कार्रवाई के रूप में देखा जाता है।

शिष्टाचार दूसरों से अपेक्षा करने का मानक नहीं है, यह एक ऐसा मानक है जिसका आप स्वयं पालन करते हैं। यह कहना कभी आसान नहीं होता, मुझे क्षमा करें। लेकिन कभी-कभी, गलती के लिए माफी मांगना ही आपकी प्रतिष्ठा की रक्षा करने का एकमात्र तरीका है।

मां का असीम प्रेम!

सबसे भोली , प्यारी हे मां,
है यह तो प्रेम की प्रतिमा,
इसकी गोदी में बसा है सारा जहां,
इससे प्यारा एहसास है कहां!

मिश्री है इसकी वाणी में,
दर्द है इसकी कहानी में,
अनगिनत इसकी कुर्बानी है,
इसके होने से ही, हम बच्चों की जिंदगी सुहानी है!

प्रार्थना में ले सबसे पहले बच्चों का नाम,
दिन रात करती है हमारे लिए काम,
इसके प्यार से उतरे हम बच्चों की थकान,
बच्चे ही है इसकी जान और शान!

मां जब तक हे हमारे पास,
हमारा हर दिन है खास,
चलो पूरी करें इनकी भी आस,
अब नहीं और वनवास!

सबसे भोली सी, प्यारी सी मां,
है यह तो प्रेम की प्रतिमा,
इसकी गोदी में बसा है सारा जहां,
इससे प्यारा एहसास है कहां!!

डॉ. माध्वी बोरसे!
(स्वरचित व मौलिक रचना)

शार्ट न्यूज

विधानसभा में विधायकों की सेल्फी से अध्यक्ष परेशान, अब घंटी बजी तो जब्त होगा मोबाइल फोन

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानमंडल सत्र की कार्यवाही के दौरान विधायकों के सेल्फी लेने और मोबाइल पर बातें करने से विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना बेहद गंभीर हो गए हैं। शुक्रवार को उन्होंने विधान भवन में तैनात चीफ मार्शल को विधायकों के मोबाइल फोन को जब्त करने का निर्देश दे दिया। शुक्रवार को बजट पर चर्चा के दौरान कई विधायक मोबाइल लेकर विधानसभा अध्यक्ष के आसन के करीब आकर सेल्फी ले रहे थे। गंभीर विषय पर चर्चा के दौरान विधायकों की इन हरकतों पर विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने नाराजगी जताई। विधायक सेल्फी लेने के साथ ही हंगामा की फोटो खींच रहे थे। इससे विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना के तेवर तीखे हो गए। तत्काल विधानसभा अध्यक्ष ने विधायकों के विधानभवन के मंडप में सेल्फी लेने पर रोक लगाने के साथ ही चीफ मार्शल को आदेश दिया कि नियम तोडने् पर किसी का भी मोबाइल फोन जब्त करने में संकोच ना करें। सतीश महाना ने यह भी चेतावनी दी कि अगर सदन की कार्यवाही के दौरान किसी के मोबाइल फोन की घंटी बजी तो फोन जब्त कर लिया जाएगा। शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान दो बार किसी सदस्य के मोबाइल फोन की घंटी बजी। विधानसभा अध्यक्ष ने घंटी बजने के बाद चेतावनी दी कि यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा कि अब अगर किसी की घंटी बजी तो मोबाइल फोन जब्त कर लिया जाएगा। उन्होंने कहा कि सदन की कार्यवाही के दौरान सदस्य अपने मोबाइल स्विच ऑफ रखें।

टीले वाली मस्जिद जा रहे हिंदू संगठन के लोग हिरासत में, जुमे पर क्या थी तैयारी

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में टीले वाली मस्जिद में विशेष दुआ के लिए ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुमा की नमाज में आने की अपील की गई। पिछले कुछ समय से विभिन्न हिंदू संगठनों द्वारा टीले वाली मस्जिद के घेराव और प्रदर्शन की कोशिश के बाद मुस्लिम समुदाय से इस जुमा को सामाजिक एकता के लिए विशेष दुआ में शामिल होने की अपील की। शुक्रवार को सुबह से मस्जिद के पास पुलिस बल तैनात हो गया है। टीले वाली मस्जिद में नमाज पढ़ने के लिए लोग मस्जिद जा रहे हैं। अभी तक नमाजी बाहर एकत्रित नहीं है। करीब 12 बजे विश्व हिंदू परिषद के कुछ लोग टीले वाली मस्जिद की ओर जा रहे थे, जिन्हें पुलिस ने रास्ते से ही हिरासत में लेकर चली गई है। स्थिति सामान्य है।

सीतापुर में ग्राम प्रधान ने भाजपा के बूथ अध्यक्ष को पीटा

सीतापुर। सीतापुर के महोली क्षेत्र में भाजपा के बूथ अध्यक्ष को दबंगों ने पीट दिया। बूथ अध्यक्ष ने गांव में बने गौवंश के बाड़े में भूखों मर रहे गौवंश से संबंधित डीएम से शिकायत की थी। मामले की जांच होने पर बौखलाए ग्राम प्रधान ने अपने साथियों संग मिलकर बूथ अध्यक्ष की जमकर पिटाई कर दी। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। दोनों पक्ष ने मामले की तहरीर थाने पर दी है। पुलिस जांच पड़ताल कर रही है। घटना बीते गुरुवार की है। महोली थाना क्षेत्र के गांव महौरनिया में गौवंश के लिए बाड़ा बना हुआ है। इसमें करीब तीन दर्जन गौ वंश बाड़े में बंद थे। चारा, पानी की व्यवस्था न होने से करीब एक दर्जन गौवंशों ने भूख से तड़प कर दम तोड दिया हैं। आरोप है कि जिन्हें ग्राम प्रधान के द्वारा जमीन के नीचे चोरी से दबा दिया जाता है। महोरनिया ग्राम पंचायत के निवासी रामनरेश मिश्र ने इस बाबत में प्रार्थना पत्र देकर डीएम से शिकायत की थी। जिसकी जांच बीते गुरुवार को हो रही थी। आरोप है कि इस बात से बौखलाए ग्राम प्रधान ने साथियों संग मिलकर रामनरेश को पीट दिया। वहीं गांव के प्रधान का कहना है विपक्षी गणों ने भी मारपीट की है सभी आरोप निराधार है।

लखनऊ : राजेन्द्र नगर टीबी अस्पताल में लगी आग, फाइलें, फर्नीचर और एसी जलकर खाक, बिना इलाज लौटे मरीज

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में राजेन्द्र नगर स्थित टीबी अस्पताल में शुक्रवार सुबह आग लग गई। अस्पताल के एक कमरे में आग लगने से वहां जरूरी फाइलें, फर्नीचर और एसी जलकर खाक हो गया। बताया जाता है कि शार्ट सर्किट से एसी चलने के दौरान आग लगी। दमकल ने आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया था। राजेन्द्र नगर टीबी अस्पताल रोजाना की तरह शुक्रवार सुबह आठ बजे खुला। कर्मचारी ने लाइट, पंखे एसी सब खोल दिया। सफाई शुरू कर दी। कुछ देर बाद ही जिला क्षय रोग अधिकारी के कमरे के बगल वाले डीपीसी (डिस्ट्रिक प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर) के रूम के एसी में शार्ट सर्किट से आग लग गई। कुछ ही देर में पूरे कमरे में धुआं फैल गया। कर्मचारी ने दमकल के साथ अधिकारियों को सूचना दी। हजरतगंज फायर स्टेशन से दमकल ने पहुंचकर आग बुझाया। तब तक कमरे का एसी, फर्नीचर और जरूरी फाइलें जलकर खाक हो गईं। अस्पताल में ओपीडी पूरी तरह से प्रभावित हो गई। एक्सरे, जांच कराने और दवा लेने गए मरीजों को बिना इलाज के ही लौटना पड़ा।

बुन्देलखण्ड में तुलसी की खेती से किसानों की आय बढ़ी : मण्डलायुक्त

झांसी। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड क्षेत्र में तुलसी की खेती के प्रयोग को सफल बताते हुए झांसी के मण्डलायुक्त डॉ अजय शंकर पाण्डेय ने गुरुवार को दावा किया कि इससे इलाके के किसानों की आय बढ़ी है। झांसी जिले के विकास खण्ड बंगरा के ग्राम पठाकरका में तुलसी की खेती के सफलतम प्रयास के अन्तर्गत तुलसी उत्पादन के भण्डारण का निरीक्षण करने के बाद डा पाण्डेय ने कहा कि इससे साबित हो रहा है कि बुन्देलखंड में तुलसी की खेती से किसानों की आय निश्चित रुप से बढ़ी है। मौके पर बंगरा क्षेत्र के प्रगतिशील किसानों ने आयुक्त के समक्ष प्रस्तुत आंकड़ों में बताया कि वर्ष 2014 में 300 एकड़ क्षेत्र में तुलसी की पैदावार की जाती थी, जोकि आज बढ़कर 1200 एकड़ हो गयी है। इससे किसानों द्वारा चना, मटर, मूंग, उर्द की खेती पर निर्भर न होकर तुलसी की फसल का लाभ लिया गया। किसानों ने बताया कि इस फसल के उत्पादन में कम पानी की आवश्यकता होती है और इसको पशुओं द्वारा नुकसान नही पहुंचाया जाता है। मात्र बारिश के पानी से ही तुलसी की फसल तैयार हो जाती है। तुलसी की खेती को बढ़ावा देने की दिशा में मंडलायुक्त द्वारा गठित बुन्देलखण्ड विशिष्ट कृषि उत्पाद संरक्षण समिति की महत्वपूर्ण भूमिका रही। मण्डलायुक्त ने भण्डारण को देखकर उपस्थित किसानों से सीधे संवाद करते हुये इस फसल के बारे में फीडबैक लिया। उन्होने बताया कि उत्तम किस्म की तुलसी का बीज यहां के किसानों के लिये प्राथमिकता पर मिलना चाहिए। जिससे इसकी पैदावार में निरंतर गति प्रदान की जा सके।

आगरा-मुंबई विमान सेवा अब सप्ताह में तीन दिन

आगरा। विमानन कंपनी इंडिगो ने आगरा और मुंबई के बीच उड़ान की संख्या को बढ़ाते हुए सप्ताह में तीन दिन कर दिया है। इंडिगो आगरा से अहमदाबाद के लिये भी उड़ान भी अगले माह से शुरू करने जा रही है। इंडिगो एयरलाइंस के वरिष्ठ अधिकारी विकास डेल्टा ने बताया कि मुंबई-आगरा फ्लाइट अब तक मंगलवार और गुरुवार को संचालित हो रही थी। अब ये रविवार को भी उपलब्ध रहेगी। ये फ्लाइट प्रत्येक मंगलवार, गुरुवार और रविवार को उपलब्ध रहेगी। मुंबई से यह फ्लाइट दोपहर ढाई बजे यहां खेरिया हवाई अड्डे पर आएगी। आधा घंटे बाद यानि दोपहर तीन बजे यहां से मुंबई के लिए उड़ान भरेगी। अपनी पूरी क्षमता के साथ चलने वाली यह फ्लाइट नौ महीने में तीन बार बंद हो चुकी थी। आगरा आने और यहां से जाने वाले यात्रियों की संख्या 150 से अधिक ही रहती थी। इसके बावजूद इसे बंद किया गया। अब इंडिगो एयरलाइंस ने विगत पांच मई से दुबारा से शुरू किया है। इसके अलावा लंबे समय से स्थगित चल रही अहमदाबाद-आगरा फ्लाइट भी दो जून से शुरू होने जा रही है। इसके लिए इंडिगो एयरलाइंस ने टिकट बुकिंग भी शुरू कर दी है। बता दें कि वर्तमान में आगरा से बेंगलुरु, भोपाल और लखनऊ के लिए भी सीधी हवाई सेवा उपलब्ध है।

ज्ञानवापी मामला थाने पहुंचा, मसाजिद कमेटी के खिलाफ शिकायत

वाराणसी। ज्ञानवापी मामला एक तरफ अदालत में चल रहा है तो दूसरी तरफ थाने भी पहुंच गया है। कोर्ट में वादी पक्ष की तरफ से पैरवी करने वाले जितेंद्र सिंह बिसेन ने मस्जिद की देखरेख करने वाली अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी के खिलाफ चौक थाने में उपासनास्थल अधिनियम-1991 की धारा-3 के उल्लंघन की शिकायत की है। उन्होंने अधिनियम की धारा-6 के तहत कार्रवाई की मांग की है। धारा-3 में किसी भी ढांचे के मूल स्वरूप को दूसरे धार्मिक स्थल में परिवर्तन करना दंडनीय अपराध माना गया है।

विश्व वैदिक सनातन संघ के अध्यक्ष व शृंगार गौरी प्रकरण में वादी राखी सिंह के चाचा जीतेंद्र सिंह बिसेन ने सात बिंदुओं पर शिकायती पत्र चौक थानाध्यक्ष के नाम से रजिस्ट्री की है। उन्होंने इसकी एक प्रति डीसीपी काशी को भी भेजी है। उन्होंने उपासनास्थल अधिनियम-1991 की धारा-3 का हवाला देते हुए कहा कि मंदिर हटाने के लिए मुगल बादशाहों ने उसे तोड़ने की कोशिश की। बाद में बचे हिस्से पर पेंटिंग व चूना कर मंदिर की पहचान को मिटाने का प्रयास किया जा रहा है।

यह मस्जिद अंजुमन इंतजामिया मसाजिद के प्रबंधन में है। लिहाजा, इनके खिलाफ धारा-6 के तहत कार्रवाई की जाय। थानाध्यक्ष आशीष मिश्रा ने बताया कि उन्हें अभी शिकायती पत्र नहीं मिला है। मिलने के बाद जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ज्ञानवापी-शृंगार गौरी प्रकरण में हिंदू पक्ष के वकील विष्णुशंकर जैन ने मस्जिद परिसर में मौजूद साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। उनका कहना है कि मस्जिद परिसर में मौजूद चकरी को कुछ लोग लेकर जा रहे थे। उसे वे फव्वारे का हिस्सा बता रहे थे। सीआरपीएफ ने उन्हें पकड़ा और उस सामान को वापस स्टोर में रखवा दिया।

उन्होंने कहा कि पूरे परिसर की सख्त निगरानी होनी चाहिए। मामला अदालत में है। इसलिए साक्ष्यों को संभालना बेहद जरूरी है। उन्होंने शिवलिंग के साथ भी छेड़छाड़ की आशंका जताई। इस बारे में सुरक्षा में तैनात सीआरपीएफ ने टिप्पणी से इनकार कर दिया।

विष्णु जैन ने कहा कि हम लोग परिसर की सुरक्षा बढ़ाने की लगातार मांग कर रहे हैं। कोर्ट कमिश्नर की कार्यवाही के दौरान परिसर से कई महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त हुए हैं। अब भी बहुत कुछ ऐसा है जिसकी जांच बाकी है। इसलिए जरूरी है कि परिसर में मौजूद सभी साक्ष्यों की सुरक्षा होनी चाहिए। इसके लिए प्रशासन से भी कहा गया है।

इस बारे में वादी पक्ष के वकील सुधीर त्रिपाठी का कहना है कि परिसर का कुछ हिस्सा सील है लेकिन अन्य हिस्सों में लोगों का आना-जाना बेरोकटोक जारी है। वहीं तहखाने व अन्य बंद स्थानों की चाभी मस्जिद की देखरेख कर रही कमेटी के ही पास है। ऐसे में साक्ष्यों के साथ छेड़छाड़ की संभावना बढ़ जाती है।

आजम को सुप्रीम कोर्ट से राहत, जमानत को लेकर हाईकोर्ट से लगी शर्त पर रोक

एजेंसी

लखनऊ। जौहर विश्वविद्यालय को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचे सपा नेता आजम खां को राहत मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने आजम खान की जमानत को लेकर इलाहाबाद उच्च न्यायालय की शर्त पर रोक लगा दी है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की अवकाशकालीन पीठ ने रामपुर के डीएम को जौहर विश्वविद्यालय से जुड़ी जमीन कब्जे में लेने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि प्रथमदृष्टया इलाहाबाद हाईकोर्ट की शर्त असंगत और सिविल कोर्ट के किसी फरमान की तरह लगती है।

हाईकोर्ट ने 10 मई को आजम खान को अंतरिम जमानत देते हुए रामपुर के जिलाधिकारी को 30 जून, 2022 तक जौहर विश्वविद्यालय के परिसर से जुड़ी शत्रु संपत्ति को कब्जे में लेने और उसके चारों ओर कंटीले तारों से चारदीवारी बनाने का निर्देश दिया था। अदालत ने कहा था कि उक्त कवायद पूरी होने पर आजम खान की अंतरिम जमानत को नियमित जमानत में बदल दिया जाएगा।

जौहर विश्वविद्यालय से संबंधित इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा लगाई गई जमानत की शर्त को चुनौती देने वाली आजम खान की याचिका पर उत्तर प्रदेश सरकार से जवाब भी मांगा है। खान की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि जिला मजिस्ट्रेट रामपुर ने विश्वविद्यालय के भवनों को खाली करने का आदेश देते हुए एक नोटिस जारी किया है और उन्हें गिराने की तैयारी कर रहे हैं। पीठ ने कहा कि वह उच्च न्यायालय द्वारा लगाई गई शर्तों पर रोक लगा रही है और छुट्टी के बाद मामले की सुनवाई करेगी।

इससे पहले आजम खाने ने याचिका दायर कर दावा किया था कि इस शर्त के कारण जौहर विश्वविद्यालय के एक हिस्से को ढहा दिया जाएगा। पिछली सुनवाई में खान की ओर से अधिवक्ता ने मामले को तत्काल सूचीबद्ध करने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि उच्च न्यायालय ने अंतरिम जमानत के लिए एक शर्त के रूप में विश्वविद्यालय को ढहाने का आदेश दिया है, और अब जिला प्रशासन इस आदेश पर अमल करने की तैयारी कर रहा है।

आजम के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी में आरोप लगाया गया था कि विभाजन के दौरान इमामुद्दीन कुरैशी नामक शख्स पाकिस्तान चला गया था और उसकी जमीन को शत्रु संपत्ति के रूप में दर्ज किया गया था, लेकिन खान ने अन्य लोगों के साथ मिलीभगत से 13.842 हेक्टेयर भूखंड पर कब्जा कर लिया।

झांसी: पुलिस के साथ मुठभेड़ में फरार हत्यारोपी गिरफ्तार

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के ककरबई थाना पुलिस और एक बदमाश के बीच हुई मुठभेड़ के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। गिरफ्तार बदमाशा हत्या के आरोप में फरार चल रहा था।

पुलिस ने शुक्रवार को जानकारी देते हुए बताया कि वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) शिवहरि मीणा के निर्देशन में जनपद में अपराधियों की धरपकड़ के लिए विभिन्न थानों में विशेष चेकिंग अभियान चलाये जा रहे हैं।

इसी क्रम में ककरबई पुलिस गुरूवार देर रात मछली कांच रोड़ पर चेकिंग कर रही थी। मध्य रात्रि में मछली कांच गांव की तरफ से एक बाइक आती दिखी, पुलिस ने बाइक को रोकने का प्रयास किया गया। बाइक सवार पुलिस को देख वहां से भागने लगा। पुलिस ने जब पीछा किया तो बाइक सवार ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने भी अपना बचाव करते हुए जवाबी कार्रवाई की। इस मुठभेड में गोली लगाने से बाइक सवार युवक घायल हो गया।

घायल युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उसके पास से 32 बोर की पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस और दो खोखा कारतूस, 4075 रुपए नकद और बाइक बरामद हुई। घायल बदमाश को पहले अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपचार के बाद की गयी पूछताछ में उसने अपना नाम सुनील सिंह पुत्र वृजभान सिंह निवासी डुमरई थाना बताया।

ककरबई पुलिस के अनुसार घायल बदमाश शातिर किस्म का अपराधी है और हत्या के मामले में वांछित चल रहा था। उस पर एक व्यक्ति की अवैध असलहा से गोली मारकर हत्या करने का आरोप है।

जन भावनाओं और जन आकांक्षाओं के अनुरूप है उप्र का बजट : उपमुख्यमंत्री

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को विधानसभा में पेश किए गए बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य की योगी सरकार का बजट जन भावनाओं और जन आकांक्षाओं के अनुरूप है। मौर्य ने इस बजट को प्रधानमंत्री के विजन के अनुरूप बताते हुए कहा कि इसके माध्यम से प्रदेश का सर्वसमावेशी और समग्र विकास होगा। उन्होंने दवा किया कि बजट में किसान हितों को सर्वोपरि रखा गया है और इससे समाज के सभी वर्गों का विकास एवं उत्थान होगा। मौर्य ने कहा कि उत्तर प्रदेश के बजट मे लोक कल्याण संकल्प पत्र में किए गए संकल्पों में अधिकांश संकल्पों को स्थान दिया गया है। मौर्य ने कहा कि बजट में गांव, गरीब, किसान, नौजवान, महिलाओं और सभी वर्गों के हितों का ध्यान रखा गया है। बजट मे प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने का प्रावधान किया गया है। अन्नदाता किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा गया है। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने भी बजट पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए इसे समाज के सर्वांगीण विकास का मार्ग प्रशस्त करने वाला बजट बताया। उन्होंने कहा कि बजट में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक आस्था के केंद्रों के सुधार व पुनरुद्धार की व्यवस्था की गई है। ग्रामीण विकास की योजनाओं को बेहतर ढंग से क्रियान्वित किए जाने की भी बजट में बहुत अच्छी व्यवस्था की गई है। पाठक ने उत्तर प्रदेश के बजट को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह बजट पूरी तरह से जनता को समर्पित है। उन्होंने कहा कि सड़क ,चिकित्सा, शिक्षा जैसी मूलभूत आवश्यकताओं के ऊपर बजट में ध्यान केन्द्रित किया गया है।

यूपी विधानसभा : बेरोजगारी के मुद्दे पर सपा का वाकआउट

एजेंसी

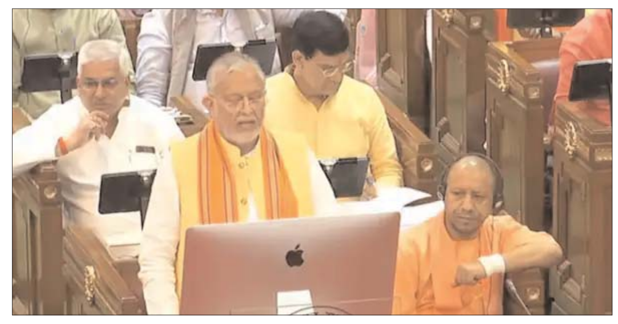

लखनऊ। यूपी विधानसभा में शुक्रवार को प्रश्न प्रहर के दौरान समाजवादी पार्टी ने बेरोजगारी का मुद्दा उठाया। सपा सदस्य मनोज कुमार पाण्डेय ने जानना चाहा कि सरकार ने श्रम विभाग द्वारा पंजीकृत कितने नौजवानों को सरकारी नौकरी दी है। श्रम मंत्री से इसका वाजिब उत्तर न मिलने पर सपा सदस्य सदन से वाकआउट कर गए। बाद में संसदीय कार्यमंत्री ने स्थिति संभालते हुए आंकड़े पेश कर बताया कि बीते पांच साल में 4.50 लाख लोगों को सरकारी नौकरियां दी गईं।

सपा सदस्य मनोज कुमार पाण्डेय और अतुल प्रधान ने श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर से जानना चाहा कि पांच वर्षों में कितने नौजवानों को स्थाई रोजगार के रूप में सरकारी नौकरियां दी गई हैं। इस पर श्रम मंत्री ने कहा कि सरकारी नौकरियों की जानकारी भर्ती आयोगों से की जा सकती है। यह उनके विभाग से संबंधित नहीं है। उन्होंने सेवायोजन पोर्टल पर पंजीकृत युवाओं का ब्योरा दिया. इस पर मनोज कुमार पाण्डेय ने आपत्ति जताते हुए कहा कि मंत्री को नौकरियों के बारे में ही जानकारी नहीं है। यह बहुत की आश्चर्यजनक बात है। सदन में सूचना चाहे जिस विभाग से संबंधित हो मंत्री की सामूहिक जिम्मेदारी होती है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना से इस पर आपत्ति जताते हुए कहा कि मूल प्रश्न का उत्तर ही नहीं मिल रहा। सतीश महाना ने इस पर संसदीय कार्यमंत्री से जानकारी देने को कहा। संसदीय कार्यमंत्री सुरेश खन्ना ने स्थिति संभालते हुए कहा कि बीते पांच साल में 4.50 नौकरियां दी गई हैं। साथ ही पांच साल में 3742 रोजगार मेले लगाकर 5.74 लोगों को निजी नौकरियों से जोड़ा गया है।

एक अन्य सवाल के जवाब में श्रम मंत्री अनिल राजभर ने आंकड़ा पेश करते हुए कहा कि वर्ष 2012 से 2017 तक सिर्फ दो लाख नौकरियां दी गई थीं। मौजूदा सरकार ने 4.5 लाख नौकरियां दी हैं। अनिल राजभर ने बसपा के पूर्व सदस्य इंद्रजीत सरोज की ओर इशारा करते हुए कहा कि जब इनकी सरकार थी तो सिर्फ 98 हजार नौकरियां ही दे सके थे। इस पर सपा सदस्य इंद्रजीत सरोज ने आपत्ति करते हुए कहा कि मंत्री जिस समय की बात कर रहे हैं, उस वक्त तो सिर्फ सफाई कर्मियों की ही 1.5 लाख पक्की नौकरियां दी गई थीं। सरकार के जवाब से असंतुष्ट होकर सपा सदस्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए सदन से वाकआउट कर गए। हालांकि इस दौरान सपा के मनोज कुमार पारस अपने सवाल पर अनुपूरक सवाल करते रहे।

अलीगढ़ : सराफा कारोबारी की पत्नी और मासूम बेटे के कत्ल में 2 गिरफ्तार, व्यापारियों ने बंद रखीं दुकानें

अलीगढ़। यूपी के अलीगढ़ शहर के क्वार्सी थाना क्षेत्र के सुरेंद्र नगर में गुरुवार को दिन-दहाड़े सराफा कारोबारी की पत्नी और मासूम बेटे की नृशंस हत्या में पुलिस ने 12 घंटे के भीतर ही हत्या में नामजद दो आरोपियों को हिरासत में ले लिया। आरोपियों में मृतका की सगी छोटी बहन और उसका होने वाला पति शामिल है। मृतका के पति ने साली अंजलि और उसके होने वाले पति सोमेश चौहान पर आरोप लगाया था कि मृत ससुर की नौकरी और फंड आदि की रंजिश को लेकर उसने ही वारदात को अंजाम दिया है। इधर, आज यानी शुक्रवार को वारदात के विरोध में सराफा एसोसिएशन ने अलीगढ़ में बाजार बंद कर रखा है।

पॉलीमुकीमपुर के बिजौली गांव के मूल निवासी ललित वर्मा सिंघल सदन के सामने वाली सुरेंद्र नगर गली में पत्नी शिखा वर्मा, बेटे गिरवानशू, बेटी खुशी और राधिका के साथ रहते हैं। सराफा बाजार स्थित सेन्ट्रल मार्केट में उनकी ज्वैलरी की दुकान है। गुरुवार दोपहर साढ़े तीन बजे करीब खाना-पीना खाने के बाद वह दुकान पर चले गए थे। उनकी दोनों बेटियां बुधवार को मथुरा निवासी अपनी बुआ के पास चली गई थी। 35 वर्षीय शिखा वर्मा, आठ वर्षीय बेटे गिरवानशू के साथ घर में थीं।

सीसीटीवी में कैद घटनाक्रम के मुताबिक पौने चार बजे करीब उनके घर पर दो युवक आए। उन्होंने घर का दरवाजा खटखटाया। अंदर से कोई गेट पर आया।

उसकी दोनों युवकों से करीब एक मिनट बातचीत हुई। इसके बाद वह घर में घुस गए। घर में घुस उन्होंने किचन के चाकू से शिखा के हाथों की नसों को काटा व उनके बेटे के सिर पर भारी वस्तु से प्रहार कर हत्या कर दी। इसके बाद घर की अलमारी को खोली। उसमें से कुछ कागजात, सामान आदि खंगाला। घर से कुछ सोने के जेवरात गायब हैं।

घर से निकलते वक्त भी बदमाश सीसीटीवी में कैद हुए। जिसने घर में घुसते वक्त आसमानी शर्ट पहन रखी थी। वह उसने बदल ली थी। करीब साढ़े सात बजे ललित के परिचित उनके घर पर पहुंचे और आवाज लगाई।

अंदर से कोई प्रतिक्रिया न आने पर घर के भीतर जाकर देखा तो एक कमरे में उनकी पत्नी और दूसरे में बेटे का शव खून में लथपथ हालत में पड़ा मिला। इसकी सूचना उन्होंने ललित और पुलिस को दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, फॉरेंसिक, डॉग स्क्वायड की टीम ने भी साक्ष्य जुटाए। आज शवों का पोस्टमार्टम होगा।

शातिर वाहन चोर गिरफ्तार, चोरी की छह बाइकें बरामद

झांसी। उत्तर प्रदेश में झांसी के चिरगांव थाना पुलिस ने क्षेत्र में सक्रिय एक शाति वाहन चोर को गिरफ्तार किया है और उसके कब्जे से चोरी की छह बाइकें भी बरामद की गयीं हैं।

यहां पुलिस लाइन में इस बारे में पत्रकारों को शुक्रवार को जानकारी देते हुए पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) नैपाल सिंह ने बताया कि जिले में अपराधियों के खिलाफ चलाये जा रहे विशेष अभियान के ताहत चिरगांव पुलिस ने एक शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार किया है। पुलिस टीम गुरूवार देर रात जब ओपारा पुल पर वाहन चेकिंग के काम में लगी थी उसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि आगे की ओर एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है और यह कोई बदमाश हो सकता है।

सूचना मिलने पर पुलिस टीम ने वहां जाकर एक मोटरसाइकिल सवार युवक को दबोचा और पूछताछ की। पूछताछ में उसने अपना नाम विशाल कुशवाहा निवासी गांव समथरी थाना चिरगांव बताया। विशाल ने वाहन चोरी में संलिप्तता की बात कबूली और बताया कि वह गैंग के रूप में काम करते हैं। कपिल कबूतरा मुख्य रूप से चोरी को अंजाम देता है और फिर गैंग को बाइकें उपलब्ध कराता है। विशाल की निशानदेशी पर कपिल को पकड़ने के लिए पुलिस ध्वानी रोड कब्रिस्तान के पास भेरा डेरा रोड के किनारे पहुंची। पुलिस ने वहां झाडियों से पांच बाइकें बरामद की लेकिन कपिल फरार हो गया। पुलिस अब कपिल कबूतरा की धरपकड़ में लग गयी है।

समग्र विकास के लिए विजन डॉक्यूमेंट का कार्य करेगा बजट : योगी

लखनऊ 27 मई (वार्ता) मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) समेत पिछली गैर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकारों पर उत्तर प्रदेश को बदहाल स्थिति में पहुंचाने का आरोप लगाते हुये शुक्रवार को कहा कि उनकी सरकार पारदर्शिता के साथ राज्य को एक ट्रिलियन डालर की अर्थव्यवस्था के लक्ष्य को हासिल करने के लिये कटिबद्ध है।

योगी ने विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण पर पेश धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा कि गुरूवार को पेश किया गया बजट प्रदेश के अगले पांच वर्ष के लिए सर्वसमावेशी एवं समग्र विकास के लिए एक 'विजन डॉक्यूमेंट' का कार्य करेगा। राज्यपाल के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा के दौरान योगी ने विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुये कहा नेता प्रतिपक्ष की कुछ बातों पर मुझे आश्चर्य हो रहा था। एक होता है व्यक्ति चुनावी सभाओं में बोलता है। मीठी-मीठी बातें करता है। लेकिन सदन में अगर जमीनी धरातल की बात होती तो बेहतर होता।

उन्होने कहा नजर नहीं है, नजारों की बात करते हैं। जमीं पर सितारों की बात करते हैं। वो हाथ जोड़कर बस्ती को लूटने वाले, भरी सभा में सुधारों की बात करते हैं। अभिमान तब होता है जब आपको लगता है कि आपने कुछ किया है। और सम्मान तब होता है जब लोग कहें कि आपने कुछ किया है।

उन्होने कहा हमें अपने कार्यों से जनता जनार्दन का आशीर्वाद प्राप्त होता है। जनादेश भाजपा नेतृत्व के कार्यों के प्रति एक आशीर्वाद है। हम ढिंढोरा पीट कर नहीं कहते कि हमने एक्सप्रेस वे बना दिया, एयर कनेक्टिविटी दे दी। जनता ने तमाम अफवाहों को दरकिनार कर 37 वर्षों के बाद किसी सरकार को फिर से सत्तासीन किया है और सरकार धमाकेदार ढंग से अपना काम कर रही है। इतनी बड़ी आबादी के राज्य में हर सरकार ने कुछ न कुछ प्रयास जरूर किया होगा। लेकिन आखिर हम क्यों जनता की अकांक्षाओं का प्रतीक नहीं बन पा रहे थे। हम जीते तो ठीक, बीजेपी जीते तो ईवीएम की गड़बड़ी..यह कहना जनता का अपमान करना है। योगी ने कहा नेता प्रतिपक्ष ने अच्छा भाषण दिया, पर अपनी सरकार के बारे में कुछ बता दिया होता तो अच्छा होता। लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले की बात कर लेते, सहकारिता भर्ती, जल निगम भर्ती घोटाले की चर्चा कर लेते, गोमती रिवर फ्रंट घोटाले की चर्चा कर लेते। खनन घोटाले की बात कर लेते जिसके मंत्री आज भी जेल में हैं। खाद्यान्न घोटाले की बात कर लेते... अच्छा होता लेकिन मीठा मीठा गप और कड़वा कड़वा थू...यह तो बड़ी विचित्र बात है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2019 के प्रयागराज कुंभ ने देश-दुनिया में एक छाप छोड़ी है और 2025 के लिए सरकार अभी से तैयारी कर रही है। बजट में भी इसकी अलग से व्यवस्था की गई है। लोककला, लोकभाषा की विविधतापूर्ण संस्कृति के संरक्षण के उद्देश्य से अवधी, बुन्देली, ब्रजभाषा, भोजपुरी जैसी भाषाओं के उत्थान के लिए एकेडमी की स्थापना की जा रही है। वाराणसी में फुट स्ट्रीट,रोपवे व मेट्रो के निर्माण का प्रावधान और बजट रखा गया। पूर्व मुख्यमंत्री कल्याण सिंह की स्मृति में एक नई योजना शुरू की गई। महाविद्यालय में स्मार्ट क्लासेज की व्यवस्था के लिए बजट में प्रावधान है। ग्रामीण क्षेत्रो में मिनी स्टेडियम के लिए बजट में स्थान है।

शार्ट न्यूज

गेल का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 2,683 करोड़ रुपये

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी गेल (इंडिया) लिमिटेड ने शुक्रवार को बताया कि उसे 31 मार्च 2022 को समाप्त वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में एकल आधार पर 2683.11 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। यह इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि के 1907.67 करोड़ के शुद्ध लाभ से करीब 41 प्रतिशत ऊंचा है। कंपनी ने बताया कि उसकी परिचालन आय चौथी तिमाही में 73 प्रतिशत के उछाल के साथ 26,968.21 करोड़ रुपये रही। जनवरी-मार्च 2021 की तिमाही में परिचालन 15,549.07 करोड़ रुपये थी। गेल ने पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 10,363.97 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 4,890.18 करोड़ रुपये था। कंपनी की वित्त वर्ष 2021-22 परिचालन आय 91645.72 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 में 56,737.79 करोड़ रुपये थी। गेल ने शेयर बाजार को बताया कि कंपनी के निदेशक मंडल ने प्रति शेयर एक रुपये का आखिरी लाभांश घोषित किया है जिसे वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में शेयरधारकों की मंजूरी के लिए रखा जाएगा। गेल का तिमाही परिणाम को बाजार को नहीं भाया और इसका शेयर आज 5.43 प्रतिशत गिरकर 142.80 रुपये पर बंद हुआ।

स्टार्टअप का विस्तार करने के लिए मेटा और कलारी कैपिटल ने की भागीदारी

नई दिल्ली। देश में सूक्ष्म, लघु और मध्यम व्यवसायों के विकास में तेजी लाने की अपनी प्रतिबद्धता को मजबूत करते हुए, मेटा ने वीसी फंड कलारी कैपिटल के साथ भागीदारी की है। मेटा ने यहां जारी बयान में कहा कि इस सहयोग का उद्देश्य नए व्यवसायों, जिनमें जल्दी ही निवेश किया गया है को जरूरी कौशल प्रदान करते हुए उन्हें आगे बढ़ाना है ताकि उन्हें समय पर व्यवसायिक कौशल सहायता प्रदान की जा सके। यह साझेदारी मेटा के वीसी ब्रांड इन्क्यूबेटर इनिशिएटिव का एक हिस्सा है, जो वेंचर कैपिटल फंड के साथ देश में एसएमबी के विकास के लिए इकोसिस्टम बनाने के लिए एक इंडस्ट्री-फर्स्ट कार्यक्रम है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नए व्यवसायों जिनमें जल्दी ही निवेश किया गया है को समय अनुकूल व्यापार और डिजिटल कौशल प्रदान करना है जिससे वे नए ग्राहक बनाना, पहुँच और ब्रांड इंगेजमेंट जैसे प्रमुख साधनों को बेहतर बनाते हुए कस्टमाइज्ड प्रशिक्षण प्राप्त कर सकें।

सेल ने आरंभ की सेल स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता-2022

नयी दिल्ली। स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने अपनी स्थापना के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर शुक्रवार को सेल स्वर्ण जयंती कहानी लेखन प्रतियोगिता-2022 की शुरुआत की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि सेल स्वर्ण जयंती वर्ष के विभिन्न गतिविधियों के हिस्से के रूप में हिन्दी और अंग्रेजी भाषा में प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इसका विषय पिछले पांच दशकों में सेल का राष्ट्र निर्माण में योगदान है।कंपनी ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सभी भारतीय नागरिक समेत सेल के मौजूदा और पूर्व कार्मिक एवं उनके परिजन भी भाग ले सकते हैं। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य प्रतिभागियों को अपनी रचनात्मकता और लेखन कौशल दिखाने के लिए प्रोत्साहित करना है। इस प्रतियोगिता के बारे में विस्तृत जानकारी और नियम एवं शर्तें, कंपनी के विभिन्न सोशल मीडिया हैंडल्स और वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

पेट्रोल-डीजल के दामों में कोई बदलाव नहीं

नयी दिल्ली। देश में तेल विपणन कंपनियों के शुक्रवार को पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कोई परिवर्तन ना करने से इनके दाम लगातार पांच दिनों से स्थिर हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर बनी हुयी है। इंडियन ऑयल की अधिसूचना के मुताबिक, दिल्ली में शुक्रवार को पेट्रोल का दाम 96.72 रुपये और डीजल का दाम 89.62 रुपये प्रति लीटर है, जबकि मुंबई में पेट्रोल और डीजल की कीमत क्रमश: 111.35 रुपये और 97.28 रुपये प्रति लीटर पर है। केंद्र सरकार ने पिछले शनिवार को आम आदमी को बड़ी राहत देते हुए पेट्रोल और डीजल पर उत्पाद शुल्क में क्रमश: आठ रुपये और छह रुपये प्रति लीटर की कटौती करने की घोषणा की थी। जिससे पेट्रोल-डीजल के दाम कम से कम 9.5 रुपये और सात रुपये तक गिर गए थे। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में लगातार उतार-चढ़ाव जारी है। लंदन ब्रेंट क्रूड आज 0.14 प्रतिशत की बढ़ोतरी के साथ 117.56 डॉलर प्रति बैरल और अमेरिकी क्रूड 0.09 प्रतिशत चढ़कर 114.19 डॉलर प्रति बैरल पर रहा है।

सोने में निवेश के लिए फोनपे ने लॉन्च की एसआईपी की सुविधा

नयी दिल्ली। डिजिटल पेमेंट कंपनी फोनपे ने आज यूपीआई एसआईपी के जरिये सोने में निवेश की सुविधा लॉन्च की और अब यूजर हर महीने कुछ पैसे डालकर 24 कैरेट शुद्ध सोने में निवेश करने के साथ ही इस सोने को इंश्योरेंस किए गए बैंक के लॉकर में रख सकते हैं। कंपनी ने शुक्रवार को जारी बयान में बताया कि फोनपे पर एसआईपी के जरिये सोना खरीदने की सबसे खास बात है यह है कि पेमेंट यूपीआई से की जा सकती है। यूजर को बस गोल्ड प्रोवाइडर को चुनना है, हर महीने निवेश के लिए रकम तय करनी है, यूपीआई पिन का प्रमाणीकरण करना है। यूजर का अपने सोने के निवेश पर पूरा कंट्रोल होगा और वे जब चाहें, अपना सोना बेच सकते हैं। सोना बेचने के बाद पैसे सीधे उनके बैंक अकाउंट में आ जाएंगे। यूजर अगर चाहें तो उनके पास सोने के सिक्के और बार के रूप में अपना सोना लेने का विकल्प है। उनका सोना उनके घर पर डिलीवर किया जाएगा।

रुपये में तीन पैसे की बढ़त

मुंबई। आयातकों और बैंकरों की बिकवाली तथा शेयर बाजार में जारी तेजी से समर्थन पाकर आज अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया तीन पैसे की बढ़त लेकर 77.58 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया। पिछले कारोबारी दिवस रुपया छह पैसे टूटकर 77.61 रुपये प्रति डॉलर पर रहा था। शुरुआती कारोबार में रुपया एक पैसे बढ़कर 77.60 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और कारोबार के दौरान लिवाली के दबाव में 77.67 रुपये प्रति डॉलर के निचले स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि बिकवाली होने से यह 77.57 रुपये प्रति डॉलर के उच्चतम स्तर पर भी रहा। अंत में पिछले सत्र के 77.61 रुपये प्रति डॉलर की तुलना में तीन पैसे मजबूत होकर 77.58 रुपये प्रति डॉलर पर पहुंच गया।

सरसों तेल, अरहर दाल और अनाज के भाव गिरे

नयी दिल्ली। वैश्विक बाजार में आई गिरावट के दबाव में आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में सरसों तेल, अरहर दाल, गेहूं और चावल के भाव गिर गए वहीं अन्य जिंसों में टिकाव रहा। तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का जून वायदा 210 रिंगिट लढ़ककर 6877 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह अमेरिकी सोया तेल का जून वायदा 0.18 सेंट फिसलकर 80.34 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान सरसों तेल 220 रुपये रुपये प्रति क्विंटल सस्ता हो गया वहीं मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले कारोबारी सत्र के स्तर पर टिके रहे। गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव स्थिर रहे। दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। इस दौरान अरहर दाल 100 रुपये प्रति क्विंटल उतर गई वहीं चना, चना दाल, मसूर दाल, मूंग दाल और उड़द दाल के भाव पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में गिरावट का रुख रहा। इस दौरान गेहूं 20 रुपये और चावल 50 रुपये प्रति क्विंटल गिर गया। दाल-दलहन : चना 4450-4550, दाल चना 5450-5550, मसूर काली 8500-8600, मूंग दाल 8700-8800, उड़द दाल 9800-9900, अरहर दाल 8000-8100 रुपये प्रति क्विंटल रहे। अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 2250-2350 रुपये और चावल : 2450-2550 रुपये प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़ : चीनी एस 3560-3670, चीनी एम. 3650-3750, मिल डिलीवरी 3440-3540 और गुड़ 3500-3600 रुपये प्रति क्विंटल बोले गये।

भारत से 1000 टन शहद आयात करेगा इजरायल

नयी दिल्ली। भारतीय शहद की गुणवत्ता से प्रभावित इजरायल भारत से सालाना एक हजार टन शहद का आयात करेगा।

सरकारी स्तर पर शहद के आयात को लेकर इजरायल और भारत के बीच बातचीत चल रही है और इसे जल्दी ही मूर्तरूप दिये जाने की संभावना है। इजरायल के एक प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में भारत की यात्रा की है और उच्च स्तरीय वार्ता की है।

इजरायली दूतावास में कृषि मामलों के प्रभारी येर एशेल और जाने-माने बागवानी विशेषज्ञ राफेल एब्राहम स्टर्न ने शुक्रवार को यहां यूनीवार्ता से बातचीत में कहा कि इजरायल भारत को वैज्ञानिक ढंग से मधुमक्खी पालन के लिए अपनी विशेषज्ञता देगा, जिससे बड़े पैमाने पर शहद का उत्पादन हो सकेगा और गरीब किसानों को भारी आर्थिक लाभ होगा। उन्होंने कहा कि भारतीय शहद प्राकृतिक रूप से इजरायल के शहद से उच्च गुणवत्ता का है। इजरायल में लोग औषधीय गुणों के कारण बड़े पैमाने पर शहद का उपयोग करते हैं। अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए वह शहद का अलग-अलग देशों से आयात करता है।

उन्होंने बताया कि मधुमक्खी पालन बहुत कम लागत में किया जा सकता है और इससे अनेक उत्पाद तैयार किये जाते हैं जिससे किसानों की आय में भारी वृद्धि हो सकती है। मधुमक्खी पालन से फसलों खासकर बागवानी फसलों को परागण के कारण काफी लाभ होता है और इससे उत्पादन बढ़ जाता है। अमेरिका के किसान नकदी फसलों की खेती में इसका लाभ ले रहे हैं। दोनों कृषि विशेषज्ञों ने कहा कि भारत में प्राकृतिक रूप से मधुमक्खी पालन की अपार संभावनायें हैं और इसको बढ़ावा देने के लिए वे अपनी तकनीकी सुविधायें उपलब्ध करा सकते हैं।

इजरायल पिछले 15 वर्षों से भारत में उत्कृष्टता केन्द्रों को तकनीकी सहायता उपलब्ध करा रहा है। फलों और सब्जियों को लेकर देश के 23 राज्यों में उत्कृष्टता केन्द्र स्थापित किये गये हैं।

इन राज्यों में पंजाब, हरियाणा, बिहार, उत्तर प्रदेश,मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, आन्ध्र प्रदेश, तेलंगाना और तमिलनाडु प्रमुख हैं। इसके साथ ही 45 उत्कृष्टता केन्द्र जल्दी ही तैयार हो जायेंगे। किसानों को गांव स्तर पर उच्च तकनीकी ज्ञान उपलब्ध कराने के लिए भारत इजरायल ग्रामीण उत्कृष्टता केन्द्र की भी स्थापना की जा रही है। देश के 12 राज्यों में 150 ऐसे केन्द्र स्थापित किये जायेंगे। इससे किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार होगा और उनका बेहतर रहन सहन हो सकेगा।

उत्कृष्टता केन्द्रों के माध्यम से बड़े पैमाने पर किसानों को फलों और सब्जियों के उच्च गुणवत्ता के रोपण सामग्री उपलब्ध कराया जाता है। इसके साथ ही इन केन्द्रों में प्रत्येक वर्ष लाखों किसानों को नवीनतम कृषि तकनीक का प्रशिक्षण दिया जाता है। भारत में सालाना सवा लाख टन से अधिक शहद का उत्पादन हो रहा है, जिसमें से 60 हजार टन से ज्यादा प्राकृतिक शहद का निर्यात किया जाता है। शहद की गुणवत्ता बढ़ाकर दुनिया के बाजार को कवर कर सकें, इस दिशा में भारत सरकार और राज्य सरकारों की ओर से तो तैयारी की जा रही है, वैसी ही गतिशीलता की अपेक्षा शहद उत्पादक किसानों और अन्य संबंधित लोगों से भी की जा रही है।

जम्मू-कश्मीर में पुलवामा, बांदीपुरा तथा जम्मू,कर्नाटक के तुमकुर, उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, महाराष्ट्र के पुणे और उत्तराखंड में शहद परीक्षण प्रयोगशाला एवं प्रसंस्करण इकाइयों का हाल ही कृषि मंत्री ने उद्घाटन किया है। छोटे किसानों को सशक्त करना सरकार का लक्ष्य है, जिसे हासिल करने में मधुमक्खीपालन जैसे कृषि के सह-कार्यों का काफी योगदान हो इसकेगा। भारत की लगभग 55 प्रतिशत आबादी ग्रामीण है, जिनकी प्रगति से ही हमारा देश एक विकसित राष्ट्र बन सकेगा।

देश में मीठी क्रांति लाने के लिए सरकार बहुत गंभीरता से काम कर रही है। केंद्र सरकार ने देश में विश्व स्तरीय प्रयोगशालाएं स्थापित की हैं, राष्ट्रीय मधुमक्खी पालन एवं शहद मिशन नामक केंद्रीय वित्त पोषित योजना द्वारा पांच बड़ी क्षेत्रीय एवं 100 छोटी शहद तथा अन्य मधुमक्खी उत्पाद परीक्षण प्रयोगशालाएं स्थापित करने का लक्ष्य है, जिनमें से

तीन विश्व स्तरीय अत्याधुनिक प्रयोगशालाएं खोली जा चुकी हैं, वहीं मंजूर 25 छोटी प्रयोगशालाएं स्थापना प्रक्रिया में हैं। कोशिश है कि छोटे किसानों को शहद परीक्षण के लिए दूर नहीं जाना पड़े। प्रोसेसिंग यूनिट स्थापना के लिए भी केंद्र सरकार सहायता दे रही है।

मधुमक्खी पालन के लिए आत्मनिर्भर भारत अभियान के अंतर्गत 500 करोड़ रुपये का विशेष पैकेज दिया गया है। सरकार की कोशिश है कि सभी के सहयोग से गांवों में आम गरीब किसानों एवं खेतिहर मजदूरों को मधुमक्खी पालन से जोड़कर, कम पैसे-कम लागत में ट्रेनिंग देकर उनके जीवन स्तर में बदलाव लाया जाये। सरकार मधुमक्खी पालन को बढ़ावा देने के लिए मिशन मोड पर काम कर रही है, ताकि किसानों की आय बढ़ें।

छोटे उद्यमियों के लिए बी2बी प्लेटफॉर्म 'पोषण'

नयी दिल्ली। चावल, आटा, गेहूँ जैसे प्रसंस्कृत खाद्य उत्पादों के लिए बी2 बी एग्रिटेक प्लेटफॉर्म पोषण शीघ्र ही पूरे देश में उपलब्ध होगा जो मिलों और कारोबारियों के बीच सीधा संपर्क बनाने के साथ ही त्वरित भुगतान की सेवा भी उपलबध करायी जा रही है।

इसके सह संस्थापक शशांक सिंह ने कहा कि अभी उनके प्लेटफॉर्म पर 150 क्रेता और 55 विक्रेता है और अभी इसमें तेजी से बढोतरी होने लगी है। उन्होंने कहा कि अभी दिल्ली , पंजाब, उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत में इसका विस्तार करने की योजना बनायी गई है तथा एक वर्ष में पूरे भारत में यह प्लेटफॉर्म उपलब्ध हो जायेगा। उन्होंने कहा कि अभी दाल दलहन इस प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध नहीं है लेकिन शीघ्र ही दाल दलहन के साथ ही खाद्य तेलों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की तैयारी चल रही है।

उन्होंने कहा कि छोटे छोटे मिलों के पास अपने स्थानीय क्षेत्र को छोड़कर दूसरे क्षेत्र में कारोबार करना बड़ा कठिन काम होता है लेकिन उनका प्लेटफॉर्म नन्न सिर्फ उन मिलों को बड़ा बाजार दे रहा है बल्कि उनके उत्पादों का भुगतान भी तत्काल सुनिश्चित कर रहा है। माल की डिलीवरी के साथ ही भुगतान कर दिया जाता है जिससे छोटे छोटे मिलरों को अपने कारोबार को कई गुना बढ़ाने में मदद मिल रही है।

श्री सिंह ने कहा कि अभी इन मिलरों को माल की आपूर्ति करने के बाद कम से कम तीन सप्ताह भुगतान के लिए इंतजार करना पड़ता है लेकिन उनके प्लेटफॉर्म ने कई बैंकों और एनबीएफसी के साथ समझौता किया गया है जिससे मिल मालिकों को त्वरित भुगतान की सुविधा उपलब्ध हो सकी है। उन्होंने कहा कि पोषण प्रोसेस्ड वस्तुओं के थोक में वितरण और वित्तपोषण के लिए एक प्लेटफॉर्म है। पोषण कई भागों में बंटे कृषि आपूर्ति श्रृंखला बाजार में प्रोसेस्ड वस्तुओं की थोक में खरीद करने के लिए प्लेटफॉर्म प्रदान करता है। मौजूदा समय में थोक में खरीद और बिक्री साईलो में हुआ करती है। इस प्रणाली में खरीददार अपने एजेंटों से वस्तुएं खरीदता है, जो अपने चुनिंदा विक्रेताओं से खरीदकर वस्तुएं खरीददार तक पहुंचाते हैं। इस प्रणाली में खरीददार को सही मूल्य का पता लगाने, समय पर डिलीवरी, उत्पाद की गुणवत्ता और कार्यशील पूंजी के मामले में काफी परेशानी झेलनी पड़ती है। इसी प्रकार आपूर्तिकर्ता के सामने मांग का अनुमान लगाने, समय पर भुगतान, कार्यशील पूंजी के प्रबंधन और सीमित वितरण नेटवर्क की दिक्कतें आती हैं।

श्री सिंह ने कहा कि उनके प्लेटफॉर्म द्वारा थोक में खरीद की प्रक्रिया सुगम हो जाती है और खरीददारों को वन-विंडो शॉप मिल जाती है, जिससे विभिन्न सप्लायर्स द्वारा उन्हें सर्वश्रेष्ठ मूल्य प्राप्त हो जाते हैं और भरोसेमंद व सुगम डिलीवरी का लाभ मिलता है। सैकड़ों-हजारों फूड प्रोसेसिंग यूनिट एवं 20 लाख से ज्यादा थोक खरीददारों की समस्याओं का समाधान होता है। इस पर पारदर्शी मूल्य, क्वालिटी चेक, समय पर डिलीवरी, के साथ जरूरत पड़ने पर कार्यशील पूंजी भी प्राप्त होती है। इसने ईकॉमर्स, आधुनिक व्यापार, सामान्य व्यापार के क्षेत्र में 100 से ज्यादा थोक विक्रेताओं के साथ साझेदारी कर ली है और इसे विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं में तेजी से अपनाया जा रहा है।

जेएसडब्ल्यू स्टील का चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत गिरा

मुंबई। अरबपति सज्जन जिंदल के नेतृत्व वाली जेएसडब्लू स्टील ने शुक्रवार को जारी परिणामों में बताया कि वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में उसका समेकित शुद्ध लाभ 20 प्रतिशत गिरकर 3,343 करोड़ रुपये रहा। इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 4,191 करोड़ रुपये था।

जेएसडब्लू स्टील का जनवरी-मार्च 2022 तिमाही में कुल राजस्व 46,895 करोड़ रुपये रहा जो वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही के कुल राजस्व 26,934 करोड़ रुपये से 74 प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने कहा कि तिमाही के लिए उसकी स्टील की बिक्री 47 प्रतिशत अधिक 59.9 करोड़ टन रही। जेएसडब्ल्यू स्टील ने एक बयान में कहा, आलोच्य तिमाही में 74 प्रतिशत की वृद्धि के साथ परिचालन राजस्व 46,895 करोड़ रुपये रहा, जबकि परिचालन लाभ 9,184 करोड़ रुपये दर्ज किया गया था। सहायक कंपनियों, संयुक्त उद्यमों और सहयोगियों के आंकड़ों को शामिल करने के बाद इस तिमाही में शुद्ध लाभ 3,343 करोड़ रुपये रहा था।

इस तिमाही के दौरान कंपनी का शुद्ध कर्ज 9,662 करोड़ रुपये से कम हुआ। जेएसडब्ल्यू स्टील ने पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में 166 प्रतिशत अधिक 20,398 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त किया। इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी का शुद्ध लाभ 7,873 करोड़ रुपये था। जेएसडब्ल्यू का वित्त वर्ष 2021-22 में परिचालन राजस्व 83 प्रतिशत बढ़कर 1,46,371 करोड़ रुपये रहा।

दिल्ली : भारत ड्रोन महोत्सव में जियो प्लेटफॉर्म्स की दो कंपनियों की प्रदर्शनी

नयी दिल्ली। जियो प्लेटफॉर्म्स की दो अनुषंगी कंपनियों ने राजधानी में चल रहे भारत ड्रोन महोत्सव में अपनी तकनीकी क्षमता का प्रदर्शन किया। दोनों कंपनियां 27-28 मई को दिल्ली के प्रगति मैदान में आयोजित महोत्सव में भाग ले रही हैं।

भारत ड्रोन महोत्सव का आयोजन नागरिक उड्डयन मंत्रालय और ड्रोन फेडरेशन ऑफ इंडिया ने किया है।

कंपनी ने शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा कि बेंगलुरु स्थित 'एस्टेरिया एयरोस्पेस लिमिटेड' एक ड्रोन तकनीकी कंपनी है जो ड्रोन हार्डवेयर के साथ सॉफ्टवेयर पर भी काम करती है। जियो प्लेटफॉर्म्स से जुड़ी दूसरी कंपनी 'सांख्यसूत्र लैब्स' मल्टीफिजिक्स, एरोडायनामिक्स सिमुलेशन सॉफ्टवेयर और गहरी तकनीक की एक्सपर्ट है। यह कंपनी ड्रोन में इस्तेमाल की जाने वाली तकनीक पर कार्य करती है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महोत्सव के उद्घाटन के बाद एस्टेरिया स्टॉल का दौरा किया जिसमें उन्होंने ड्रोन तकनीक के बारे में जानते हुए एक ड्रोन को उड़ाया। प्रधानमंत्री ने ड्रोन उद्योग पर अपना दृष्टिकोण रखते हुए उम्मीद जताई है कि भारत दशक के अंत तक दुनिया का ड्रोन हब बन जाएगा। जिसके लिए भारत सरकार ड्रोन से जुड़े उद्योग जगत को पूरा सहयोग देगी।

एस्टेरिया के सह-संस्थापक निहार वर्तक ने कहा, यह कार्यक्रम हमारे लिए अपने अगली पीढ़ी के ड्रोन और स्काईडेक को प्रदर्शित करने का एक शानदार मौका है। दस साल पहले हमने भारत के ड्रोन स्पेस में कदम रखा था और तब से हमनें इस तकनीक की मांग और उपयोग में तेज वृद्धि देखी है।

विदेशी मुद्रा भंडार 4.23 अरब डॉलर बढ़कर 597.5 अरब डॉलर पर

मुंबई। देश का विदेशी मुद्रा भंडार 20 मई को समाप्त सप्ताह में पिछले लगातार दस सप्ताह की गिरावट से उबरता हुआ 4.23 अरब डॉलर बढ़कर 597.5 अरब डॉलर पर पहुंच गया वहीं इसके पिछले सप्ताह यह 2.7 अरब डॉलर घटकर 593.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 20 मई को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 3.82 अरब डॉलर चढ़कर 533.4 अरब डॉलर पर पहुंच गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 25.3 करोड़ डॉलर की बढ़त लेकर 40.82 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार 10.2 करोड़ डॉलर बढ़कर 18.3 अरब डॉलर पर पहुंच गया।

शेयर बाजार में तेजी लगातार जारी

मुंबई। वैश्विक बाजार की तेजी से समर्थन पाकर स्थानीय स्तर पर सीडीजीएस, इंडस्ट्रियल्स, आईटी और टेक समेत 15 समूहों में हुई लिवाली आज शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन भी बढ़त बरकरार रही और सेंसेक्स एवं निफ्टी एक प्रतिशत से अधिक चढ़ गए।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 632.13 अंक की छलांग लगाकर 54,884.66 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 182.30 अंक उछलकर 16,352.45 अंक पर पहुंच गया। इस दौरान मिडकैप 1.69 प्रतिशत चढ़कर 22,517.74 अंक और स्मॉलकैप 1.20 प्रतिशत बढ़कर 25,621.57 अंक पर पहुंच गया।

इस दौरान बीएसई के 15 समूहों में लिवाली हुई। सीडीजीएस 1.25, वित्त 1.43, हेल्थकेयर 1.35, इंडस्ट्रियल्स 1.58, आईटी 2.38, ऑटो 1.50, बैंकिंग 1.35, कैपिटल गुड्स 1.69 और टेक समूह के शेयर 1.84 प्रतिशत चढ़ गए।

विदेशी बाजारों में तेजी का रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.05, जर्मनी का डैक्स 0.70, जापान का निक्केई 0.66, हांगकांग का हैंगसेंग 2.89 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.23 प्रतिशत मजबूत रहा।

शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 419 अंक की छलांग लगाकर 54,671.50 अंक पर खुला लेकिन बिकवाली के दबाव में दोपहर तक 54,449.34 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। लिवाली शुरू होने से यह कारोबार के अंतिम चरण में 54,936.63 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 54,252.53 अंक के मुकाबले 1.17 प्रतिशत चढ़कर 54,884.66 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3448 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ जिनमें से 2215 में तेजी जबकि 1109 में गिरावट रही वहीं 124 में कोई बदलाव नहीं हुआ।

निफ्टी भी 126 अंक की तेजी लेकर 16,296.60 अंक पर खुला और कारोबार के दौरान 16,221.95 अंक के निचले जबकि 16,370.60 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 16,170.15 अंक की तुलना में 1.13 प्रतिशत बढ़कर 16,352.45 अंक पर रहा। इस दौरान एनएसई में 35 कंपनियां हरे जबकि 15 लाल निशान पर रही।

इस दौरान सेंसेक्स की 22 कंपनियों में तेजी जबकि शेष आठ में गिरावट रही। तेज महिंद्रा ने सर्वाधिक 4.10 प्रतिशत का मुनाफा कमाया वहीं एनटीपीसी सबसे अधिक 3.75 प्रतिशत के नुकसान में रही।

कई देशों पर मंदी का खतरा, भारत में बुनियादी सुधारों की जरूरत

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि इस समय के हालात में कई देशों में मुद्रास्फीतिजनित मंदी का खतरा मंडरा रहा है लेकिन भारत अर्थव्यवस्था की हालात में सुधार को मजबूत करने के मामले में बेहतर स्थिति में है।

बढ़ती भू-राजनीतिक अस्थिरता और मुद्रास्फीति के बीच जारी आरबीआई की एक रिपोर्ट में भारत की आर्थिक वृद्धि की मध्यकालिक संभावनाए बढ़ाने के लिए बुनियादी सुधारों को जारी रखने की जरूरत पर बल दिया गया है।

भारतीय रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 में कहा गया है कि ऐसे समय में जबकि आर्थिक हालात सुधारने के प्रयास को समर्थन के काम को प्राथमिकता देने की जरूरत है, ऊंची मुद्रास्फीति पर अंकुश लगाने को प्राथमिकता देने की मौद्रिक नीति अपना (कर्ज महंगा करना और नकदी के प्रवाह को कम करना) केंद्रीय बैंकों की मजबूरी बन गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि 2022 में 24 मई तक उन्नत अर्थव्यवस्थाओं और उभरती बाजार अर्थव्यवस्थाओं के 40 से अधिक केंद्रीय बैंकों ने नीतिगत ब्याज दरों में वृद्धि की है या तो तरलता को कम करने के कदम उठाए हैं।

आरबीआई ने रिपोर्ट में कहा है, वृद्धि को प्रोत्साहन और मुद्रास्फीति के अंकुश के लिए नीतिगत उपायों में संतुलन बनाना आगे जटिल होता जा रहा है और इससे कई देशों के ऊपर स्टैगफ्लेशन (मुद्रास्फीतिजनित मंदी) के जोखिम मंडरा रहे हैं। किसी देश में मुद्रास्फीतिजनित मंदी एक ऐसी स्थिति है जिसमें कीमत स्तर बहुत ऊंचा हो जाता है लेकिन अर्थव्यवस्था की गति धीमी हो जाती है या मंदी जैसी स्थिति हो जाती है और बेरोजगारी भी बढ़ने लगती है।

गौरतलब है कि आरबीआई गवर्नर शक्तिकांत दास ने अभी मार्च में ही भारतीय अर्थव्यवस्था के मुद्रास्फीतिजनित मंदी की स्थिति में फंसने की संभावना से इनकार किया था।

केंद्रीय बैंक ने रिपोर्ट में कहा गया है,इन प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय घटनाक्रमों के बीच, भारतीय अर्थव्यवस्था आर्थिक वृद्धि दर को मजबूत करने और आगे चलकर व्यापक आर्थिक संभावनाओं में सुधार करने की अपेक्षाकृत अधिक अच्छी स्थिति में है।

भू-राजनीतिक तनाव से प्रभाव के प्रतिकूल प्रभावों को देखते हुए ही मौद्रिक नीति समिति ने अप्रैल में 2022-23 में वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद की वृद्धि के अनुमान को संशोधित कर 7.2 प्रतिशत कर दिया था। इससे पहले उसका अनुमान 7.8 प्रतिशत था।

रुस-यूक्रेन संघर्ष के बीच कच्चे तेल के बाजार में कीमतों में उछाल ने निजी खपत पर प्रतिकूल प्रभाव तथा शुद्ध निर्यात कम होने और आयात बढ़ने की संभावना को देखते हुए आरबीआई ने भारत की वृद्धि दर के अनुमान को घटाया है।

भारत में अप्रैल 2022 में खुदरा मूल्य सूचकांक पर आधारित मुद्रास्फीति 7.79 प्रतिशत थी।

रिजर्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि मौद्रिक नीति उदार बनी हुई है लेकिन ध्यान इस उदार रुख को बदलने पर केंद्रित हो गया है। अब प्राथमिकता आर्थिक वृद्धि को मजबूत बनाने का समर्थन करते हुए मुद्रास्फीति को लक्षित दायरे (2-6 प्रतिशत) तक सीमित रखने की है।

गौरतलब है कि मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने नियमित समय से पहले 2- 4 मई को बुलाई गयी अपनी बैठक में नीतिगत ब्याज दर (रेपो दर) को चार प्रतिशत से बढ़ाकर 4.40 प्रतिशत करने का निर्णय लिया था। करीब चार वर्ष के बाद बाद इस तरह का कदम उठाया गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है,आर्थिक वृद्धि की आगे की राह आपूर्ति पक्ष की बाधाओं को दूर करने के उपायों, आर्थिक वद्धि का समर्थन करते हुए मुद्रास्फीति को लक्ष्य के भीतर लाने के लिए मौद्रिक नीति में संशोधन और समग्र मांग, विशेष कर पूंजीगत व्यय को प्रोत्साहित करने के लिए लक्षित राजकोषीय नीति समर्थन से तय होगी। आरबीआई ने देश की मध्यम अवधि की वृद्धि की संभावनाएं बढ़ाने के लिए संरचनात्मक सुधारों की अवश्यकता पर बल दिया है।

रुचि सोया का चौथी तिमाही लाभ 25 प्रतिशत गिरा

नयी दिल्ली। योगगुरु बाबा रामदेव के नेतृत्व वाले पतंजलि समूह की कंपनी रुचि सोया इंडस्ट्रीज ने शुक्रवार को बताया कि कंपनी के वित्त वर्ष 2021-22 की चौथी तिमाही में शुद्ध लाभ 25 प्रतिशत गिरकर 234.43 करोड़ रुपये रहा।

रोजमर्रा के उत्पाद बनाने वाली प्रमुख कंपनी रुचि सोया का जनवरी-मार्च 2021 तिमाही में शुद्ध लाभ 314.33 करोड़ रुपये था।

आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय 37 प्रतिशत उछलकर 6,676.19 करोड़ रुपये रही जो वित्त वर्ष 2020-21 की चौथी तिमाही में 4,859.50 करोड़ रुपये थी।

कंपनी ने एक बयान में कहा कि खपत के चुनौतीपूर्ण माहौल के बीच उसने चौथी तिमाही में मजबूत प्रदर्शन किया है।

रुचि सोया का पूरे वित्त वर्ष 2021-22 में शुद्ध लाभ 18.44 प्रतिशत बढ़कर 806.30 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 680.77 करोड़ रुपये था।

आलोच्य वित्त वर्ष में रुचि सोया की कुल आय 48.23 प्रतिशत बढ़कर 24,284.38 करोड़ रुपये रही। इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी की कुल आय 16,382.97 करोड़ रुपये थी।

अलग-अलग तरह के सामानों के कारोबार में अपने प्रदर्शन के बारे में कंपनी ने कहा है कि वर्ष के दौरान उसकी आय का मुख्य स्रोत खाद्य तेल, नया शुरू किया गया बिस्कुट और नाश्ते के अनाज और पौष्टिक पदार्थ का कारोबार रहा। इसके राजस्व में 209 प्रतिशत का उछाल दिखा और यह वर्ष 2021-22 में 1,979.48 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इससे पिछले वित्त वर्ष में यह 640.51 करोड़ रुपये था।

रुचि सोया ने कहा, नये व्यवसायों के राजस्व में मजबूत वृद्धि उसके नए उत्पादों की बाजार स्वीकृति को दर्शाती है और यह कंपनी की फर्म और शीर्ष रोजमर्रा और पौष्टिक उत्पादों में प्रमुख बनने की दिशा में स्थिरता से बढ़ने का संकेत देती है।

रुचि सोया के निदेशक मंडल ने दो रुपये के अंकित मूल्य वाले शेयर पर पांच रुपये प्रति शेयर लाभांश देने का प्रस्ताव किया है।

शार्ट न्यूज

तीनों फ़ॉर्मेट में नंबर एक बल्लेबाज़ बन सकते हैं बाबर : कार्तिक

दुबई। भारतीय टीम में वापसी कर रहे अनुभवी विकेटकीपर बल्लेबाज़ दिनेश कार्तिक का मानना है कि पाकिस्तान के कप्तान बाबर आज़म जल्द ही क्रिकेट के तीनों फ़ॉर्मेट में नंबर एक रैंक बल्लेबाज़ बन सकते हैं। बाबर फ़िलहाल टी20 और वनडे के नंबर एक बल्लेबाज़ हैं। कार्तिक को पूरा भरोसा है कि वह जल्द ही इतिहास के ऐसे पहले बल्लेबाज़ बन जाएंगे, जो तीनों फ़ॉर्मेट में नंबर एक हों। द आईसीसी रिव्यू कार्यक्रम में कार्तिक ने कहा, उनका तीनों फ़ॉर्मेट में शीर्ष पर पहुंचना शत प्रतिशत तय है। वह एक स्तरीय खिलाड़ी हैं, जो फ़िलहाल अपनी बल्लेबाज़ी के शीर्ष पर हैं। वह तीनों फ़ॉर्मेट खेलते हैं और अलग-अलग क्रम पर बल्लेबाज़ी भी कर सकते हैं। उन्हें आने वाले कुछ समय में काफ़ी टेस्ट क्रिकेट भी खेलना है। मुझे लगता है कि उनमें यह क्षमता है और वह ऐसा कर सकते हैं। कार्तिक का मानना है कि बाबर ने अपनी बल्लेबाज़ी तकनीक में जो बदलाव किए हैं, इससे उनको फ़ायदा हो सकता है। उन्होंने कहा, बल्लेबाज़ी के दौरान उनका संतुलन और टाइमिंग देखने योग्य है। चाहे फ़्रंटफ़ुट हो या बैकफ़ुट वह गेंद को जबरदस्त तरीके से स्ट्राइक करते हैं। यहीं उन्हें विशेष खिलाड़ी बनाती है। वर्तमान समय में खेल रहे क्रिकेटरों में फ़िलहाल उनके पास अभी सबसे अधिक समय (टाइम) है। अगर आप अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट खेल रहे हैं तो आपको लगातार कुछ न कुछ बदलाव करना होता है। यह बदलाव अगर एक प्रतिशत भी है तो भी आपको उसका बड़ा फ़ायदा मिल सकता है।

ऋद्धिमान साहा रणजी ट्रॉफ़ी नॉकआउट में खेलने को तैयार नहीं : सीएबी

कोलकाता। बंगाल क्रिकेट संघ (सीएबी) के साथ अनबन के बाद? ऋद्धिमान साहा बंगाल के लिए रणजी ट्रॉफ़ी में खेलते नहीं दिखेंगे। अगर ये मुद्दे बने रहते हैं तो 37 वर्षीय क्रिकेटर ने अपने घरेलू करियर को किसी दूसरे राज्य में स्थानांतरित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) मांगा है। यह सब फ़रवरी में शुरू हुआ था, जब सीएबी के संयुक्त सचिव देबाव्रत दास ने कहा था कि रणजी ट्रॉफ़ी मैचों में नहीं खेलने के लिए, साहा के पास ढेरों बहाने हैं। साहा की पत्नी रोमी ने कहा कि वह इस बयान से आहत हुए हैं और कैब के सचिव अविषेक डालमिया ने उनसे संपर्क करके कहा है कि दास का यह बयान निजी है और बोर्ड अपने वरिष्ठ खिलाड़ियों के बारे में ऐसा नहीं सोचता है। फिर भी यह देखते हुए कि उनका नाम सार्वजनिक तरीके से घसीटा गया, साहा चाहते थे कि इस मुद्दे को फिर से बंगाल के लिए खेलने से पहले सुलझाया जाए। डालमिया मान गए और दोनों ने फ़ैसला किया कि वे आईपीएल की समाप्ति के बाद इस पर विचार करेंगे। तब 16 मई को नॉकआउट के लिए बंगाल की टीम की घोषणा होती है और साहा इसमें अपना नाम देखकर चौंक जाते हैं।

अर्जुन रेहणी ने सेमीफ़ाइनल में जगह बनायी

नयी दिल्ली। 'दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन' (डीसीबीए) द्वारा आयोजित 'दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022' के पांचवें दिन शुरूआत को भी रोमांचक मुक़ाबले जारी रहे। 23 मई से शुरू हुए बैडमिंटन के इस टूर्नामेंट में देर रात तक खिलाड़ी अपना हुनर दिखा रहे हैं। 26 मई को देर रात प्राप्त परिणामों में मेंस सिंगल के मुक़ाबले में ओलम्पस स्पोर्ट्स क्लब से अर्जुन रेहणी ने यूनाइटेड शटलर्स बैडमिंटन अकैडमी के विकास यादव को तीन सेट के मुक़ाबले में 17–21, 21–11, 21–13 से हराकर सेमीफ़ाइनल में जगह बनाई। 55 वर्ष आयु वर्ग के मेंस सिंगल स्पर्धा के सेमीफ़ाइनल में एमवीबीए एकेडमी के संजीव कपूर और आरएसपीके पीतमपुरा स्पोर्ट्स अकैडमी के कमल कांत गुप्ता के बीच जोरदार मुक़ाबला हुआ जिसमें संजीव कपूर ने 21–12,21–10 से जीत दर्ज की। मिक्स्ड डबल स्पर्धा के सेमीफ़ाइनल मुक़ाबले में पुलेला गोपीचन्द बैडमिंटन अकैडमी से रोहण कपूर और काव्या गुप्ता की जोड़ी तथा यूनाइटेड शटलर्स बैडमिंटन अकैडमी और पुलेला गोपीचन्द बैडमिंटन अकैडमी के ईशान दुग्गल और ख़ुशी गुप्ता की जोड़ी के बीच रोमांचक भिड़ंत हुई जिसमे तीन सेट के मुक़ाबले में 19–21, 21–16, 21–7 अंकों के साथ रोहण कपूर और काव्या गुप्ता की जोड़ी ने कामयाबी हासिल की और फ़ाइनल में जगह बनाई।

दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन के पुरस्कार वितरण समारोह में किरन रिजिजू होंगे मुख्य अतिथि

नयी दिल्ली। 'दिल्ली कैपिटल बैडमिंटन एसोसिएशन' (डीसीबीए) द्वारा आयोजित 'दिल्ली स्टेट रैंकिंग प्राइज मनी बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022' का पुरस्कार वितरण समारोह आगामी 29 मई को शाम चार बजे दिल्ली विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स काम्प्लेक्स में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू शामिल होंगे। केंद्रीय विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू पूर्व में युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री रह चुके हैं। रिजिजू ने युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री रहते हुए युवाओं को प्रेरित करने और खेल को बढ़ावा देने के लिए बड़े कदम उठाए थे और वह खिलाड़ियों में बेहद लोकप्रिय हैं। डीसीबीए अध्यक्ष डॉ. अमीता सिंह ने बताया कि केंद्रीय मंत्री रिजिजू के द्वारा पुरस्कृत होने की सूचना मात्र से खिलाड़ियों में बेहद उत्साह है। डॉ. अमीता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि पुरस्कार वितरण समारोह में भारत सरकार के विधि और न्याय मंत्री किरन रिजिजू मुख्य अतिथि तथा दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफ़ेसर योगेश सिंह बतौर विशिष्ट अतिथि शामिल होंगे।

आईएएस अधिकारी संजीव खिरवार का लद्दाख तथा उनकी पत्नी का अरुणाचल प्रदेश तबादला

नई दिल्ली। दिल्ली के त्यागराज स्टेडियम में अपने पालतू कुत्ते को टहलाने को लेकर विवादों में आए आईएएस अधिकारी संजीव खिरवार और उनकी पत्नी रिंकू दुग्गा का क्रमश: लद्दाख और अरुणाचल प्रदेश तबादला कर दिया गया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने कल देर रात जारी आदेश में कहा है कि सक्षम अधिकारी की मंज़ूरी से खिरवार का लद्दाख तथा उनकी पत्नी आईएएस सुश्री दुग्गा का तबादला अरुणाचल प्रदेश किया गया है। मंत्रालय ने कहा है कि यह आदेश तत्काल प्रभाव से लागू होगा। उल्लेखनीय है कि खिरवार अपने पालतू कुत्ते को स्टेडियम में टहलाने को लेकर विवादों का सामना कर रहे थे। खिरवार अब तक दिल्ली में प्रमुख सचिव राजस्व के पद पर काम कर रहे थे। सूत्रों के अनुसार केंद्रीय गृह मंत्रालय ने दिल्ली के मुख्य सचिव से इस बारे में रिपोर्ट भी मांगी थी।

ट्रेलब्लेजर्स जीतकर भी महिला टी 20 चैलेंज के फ़ाइनल में नहीं पहुंच सकी

पुणे। एस मेघना (73) और जेमिमाह रॉड्रिग्स (66) के शानदार अर्धशतकों से ट्रेलब्लेजर्स ने वेलोसिटी के खिलाफ महिला टी20 चैलेंज के अंतिम लीग मुक़ाबले को गुरुवार को 16 रनों से जीत लिया लेकिन यह जीत उसे फ़ाइनल में जगह दिलाने के लिए पर्याप्त नहीं थी। सुपरनोवास और वेलोसिटी ने शीर्ष दो टीम के रूप में फ़ाइनल में स्थान बना लिया। ट्रेलब्लेजर्स ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 190 रन का मजबूत स्कोर बनाया और वेलोसिटी को नौ विकेट पर 174 रन पर रोक लिया। तीनों टीमों ने एक–एक मैच जीता और तीनों के दो–दो अंक रहे लेकिन बेहतर नेट रन रेट के आधार पर सुपरनोवास पहले और वेलोसिटी दूसरे स्थान पर रही। ट्रेलब्लेजर्स को तीसरा स्थान मिला और वह फ़ाइनल की होड़ से बाहर हो गयी। टॉस हारने के बाद पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान स्मृति मंधाना (एक) को सस्ते में गंवाया लेकिन मेघना और जेमिमाह ने दूसरे विकेट के लिए 113 रन की मजबूत साझेदारी की। मेघना ने 47 गेंदों की अपनी पारी में सात चौके और चार छक्के लगाए जबकि जेमिमाह रॉड्रिग्स ने 44 गेंदों पर सात चौके और एक छक्का लगाया। हेली मैथ्यूज़ ने 16 गेंदों पर 27 और सोफ़िया डंकली ने आठ गेंदों पर 19 रन बनाये।

राहुल ने सोशल मीडिया पर शेयर किया हैरान करने वाला पोस्ट

नयी दिल्ली। आईपीएल के 15वें सीज़न में धुआंधार परफॉर्मेंस देने वाली वाली नई–नवेली टीम लखनऊ सुपर जायंट्स का सफर प्लेऑफ में जाकर खत्म हो गया। एलिमिनेटर मैच में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने लखनऊ को 14 रन से हरा दिया। पहले ही सीज़न में सभी के दिलों की धड़कन बन चुकी लखनऊ का पहला विकेट तब गिरा, जब केएल राहुल (79 रन, 58 गेंद, 3 फोर, 5 सिक्स) के ओपनिंग पार्टनर क्विंटन डीकॉक (6 रन) को सिराज ने पहले ओवर में चलता कर दिया।

राहुल ने कू ऐप के माध्यम से अपने फैंस का शुक्रिया अदा करते हुए भावुक करने वाला संदेश शेयर किया और कहा,हालांकि जो भी है, वह मैच का हिस्सा है, हार और जीत तो बनी बात है, यानी एक का जीतना और एक का हारना तो तय है। लेकिन इन सबसे परे लाजवाब परफॉर्मेंस को लेकर केएल राहुल की एक अलग ही छवि फैंस और दर्शकों के मन–मस्तिष्क में बैठ गई है।

राहुल ने कहा,मेरे चारों ओर प्रेरणा। एक विशेष पहला सीज़न समाप्त होता है।

जैसा हम चाहते थे वैसा नहीं हुआ, लेकिन हमने आखिरी तक पूरी ताकत झोंक दी।

एलएसजी परिवार, हमारे सभी सहयोगी स्टाफ, टीम मैनेजमेंट और डॉ. गोयनका का धन्यवाद।

अंत में, आपने हमारे पहले सीज़न पर जो प्यार बरसाया है, उसके लिए हमारे प्रशंसकों को धन्यवाद।

हम जल्द ही वापस आएँगे

उल्लेखनीय है कि यह लखनऊ सुपर जायंट्स का पहला सीज़न था, बावजूद इसके टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन किया। लीग मुकाबलों की बात करें, तो लखनऊ की टीम पॉइंट टेबल में तीसरे नंबर पर थी, उसने 14 मैच में से 9 में जीत हासिल की थी। प्लेऑफ में टीम एलिमिनेटर तक पहुँची, लेकिन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलौर से जीत नहीं पाई। हालाँकि, टीम के लिए केएल राहुल, मोहसिन खान, आयुष बदौनी जैसे खिलाड़ियों ने पूरे सीज़न में बेहतरीन प्रदर्शन किया।

आईपीएल के 15वें सीज़न में आने करने वाली लखनऊ सुपर जायंट्सबेशक फाइनल तक सफर तय नहीं कर सकी, लेकिन कप्तान केएल राहुल जरूर अपने नाम एक बेमिसाल रिकॉर्ड दर्ज कराने में सफल हुए हैं। राहुल चार सीज़न्स में 600 प्लस रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

केएल राहुल ने क्रिस गेल और डेविड वॉर्नर का रिकॉर्ड तोड़ दिया है, ये दोनों ही 3 सीज़न्स में 600 से अधिक रन बनाने वाले प्लेयर्स रह चुके हैं।

शोएब अख्तर ने कहा- पर्सनल लाइफ में बहुत झेलने के बाद क्रिकेट में दिनेश कार्तिक का कमबैक दमदार

नई दिल्ली। दिनेश कार्तिक को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2022 में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय टी20 टीम में कमबैक का मौका मिला है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए उन्हें भारतीय टीम में जगह मिली है। पाकिस्तान के पूर्व तेज गेंदबाज ने इस दमदार कमबैक के लिए दिनेश कार्तिक की जमकर तारीफ की है। उन्होंने साथ ही कहा कि मैं पर्सनल लाइफ पर बात करना पसंद नहीं करता, लेकिन दिनेश कार्तिक ने जो कुछ झेला और उसके बाद से क्रिकेट में जिस तरह से वापसी की वह दिखाता है कि वह मानसिक रूप से कितने मजबूत हैं। स्पोर्ट्सकीड़ा पर अख्तर ने कहा, मैं लोगों की पर्सनल लाइफ के बारे में बात करने से बचता हूं। मैं यहां पर यह कहना चाहता हूं कि उसने पर्सनल लाइफ में बहुत कुछ झेला है, लेकिन उसके बाद उसने जबर्दस्त वापसी की है। मैंने उसकी पर्सनल लाइफ को फॉलो किया है और इसके बारे में काफी कुछ पढ़ा है। और मुझे अच्छा लगा कि उसने जिस तरह से वापसी की। मैं उन्हें वेलडन कहना चाहूंगा। ऐसा ही एटिट्यूड होना चाहिए। उन्होंने आगे कहा,दिनेश कार्तिक के लिए यह बड़ी बात है, वह मेरे जमाने के खिलाड़ी हैं। वह बहुत फिट हैं और मानसिक रूप से काफी मजबूत हैं। अच्छे लोगों के साथ अच्छी चीजें होती हैं। इंडियन टीम में उसने जिस तरह से वापसी की वह देखना बहुत अच्छा है। मेरी बेस्ट विशेज उसके साथ हैं। आपको बता दें कि दिनेश कार्तिक की पहली शादी सफल नहीं रही थी। उनकी पहली पत्नी ने टीम इंडिया के क्रिकेटर मुरली विजय से शादी कर ली। दिनेश कार्तिक ने इसके बाद भारत की स्टार स्क्वैश खिलाड़ी दीपिका पल्लिकल से शादी की। हाल ही में दोनों के जुड़वा बच्चे हुए हैं।

वीरेंद्र सहवाग ने बताया क्यों टेस्ट क्रिकेट में मारते थे पहली गेंद पर बाउंड्री

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर वीरेंद्र सहवाग ने बताया है कि वह टेस्ट क्रिकेट में क्यों अपनी पारी की शुरुआत बाउंड्री से करना पसंद करते थे। सहवाग ने साथ ही कहा कि टेस्ट फॉर्मेट क्रिकेट का सबसे अल्टीमेट फॉर्मेट है। करीब 10 साल के अपने इंटरनेशनल करियर में सहवाग ने 49.34 के औसत से 8586 टेस्ट रन और 35.05 के औसत से 8273 वनडे इंटरनेशनल रन बनाए हैं। टेस्ट में उनका स्ट्राइक रेट 82.23 का रहा है, जबकि वनडे में यह 100 से ऊपर है। सहवाग ने स्पोर्ट्स18 के होम ऑफ हीरोज शो में कहा, विराट कोहली क्यों टेस्ट क्रिकेट खेलने पर इतना जोर देते हैं? उन्हें पता है कि अगर वह 100–150 या 200 टेस्ट मैच खेल लेते हैं तो इंटरनेशनल क्रिकेट रिकॉर्ड्स में अमर हो जाएंगे। सहवाग ने आगे कहा, सचिन तेंदुलकर जैसे खिलाड़ियों ने भी मुझसे कहा है कि मैं टेस्ट क्रिकेट में पारी का आगाज बाउंड्री से करना चाहता हूं, लेकिन मैंने ऐसा कभी नहीं किया।

मैं पहली गेंद पर बाउंड्री के लिए इसलिए तैयार रहता था कि पारी की पहली गेंद या तो ढीली होगी या फिर वॉर्म–अप डिलीवरी होगी।

बांग्लादेश टेस्ट टीम मानसिक तौर पर कमज़ोर है : शाकिब

ढाका। बांग्लादेश ने टेस्ट मैच की चौथी शाम को खुद को चार विकेट के नुक़सान पर 23 रन पर पाया और यह पहली सुबह बनाए गए 24 पर पांच से अलग नहीं था। फलस्वरूप शाकिब अल हसन ने कहा, हमें अपनी मानसिकता में सुधार लाना ही होगा। मुझे लगता है हम असफलता से डरने लगे हैं।

तमीम इक़बाल ने अपने लंबी टेस्ट करियर में पहली बार पेअर अर्थात दोनों पारियों में शून्य बनाए और टेस्ट इतिहास में केवल नौवीं बार ऐसा घटा कि किसी टीम के शीर्ष के दो बल्लेबाज़ों ने एक टेस्ट में तीन डक बनाए। बांग्लादेश ने इस टेस्ट में अब तक आठ डक बनाए हैं जो उनके लिए टेस्ट इतिहास में दूसरी बार हुआ है। शीर्ष चार बल्लेबाज़ों ने मैच में कुल 34 रन बनाए हैं जो टेस्ट क्रिकेट में न्यूनतम योग के मामले में उनके लिए दूसरा सबसे कम है।

शाकिब ने प्रेस कॉन्फ़्रेंस में कहा, हमारी टीम की फ़िटनेस बहुत अच्छी है। हम काफ़ी समय मैदान पर बिताने के आदी हैं। हमने इस सीरीज़ में 400 (408) ओवरों की फ़ील्डिंग की है। लिटन ने 400 ओवर कीपिंग की और 141 रन बनाए। मुश्फ़िक़ भाई ने (पहली पारी में) 175 रन बनाए। हम शारीरिक रूप से मज़बूत हैं लेकिन मानसिक तौर पर नहीं। हमने दबाव अच्छे से नहीं संभाला है। हम दूसरी पारी में ख़राब खेल रहे हैं। हमारे पास आज इसे बदलने का मौक़ा था लेकिन हमने इसे गंवाया है।

शाकिब ने कहा कि नजमुल हुसैन शांतो के रन आउट से साफ़ ज़ाहिर हो गया था कि बल्लेबाज़ शांत मन से नहीं खेल रहे थे। उन्होंने कहा, एक टेस्ट में ऐसी स्थिति में रन आउट बहुत ख़तरनाक होता है। इन परिस्थितियों में ठंडे दिमाग़ से काम लेना पड़ता है। ऐसे में तनाव होगा और भय भी लेकिन टेस्ट क्रिकेट का यही तो मज़ा है। हम सबने ऐसे मौक़े देखे हैं। बहुत ज़रूरी है कि आप याद रखें कि आपको ऐसे में सफलता कैसे प्राप्त हुई है।

टेस्ट का चौथा दिन शाकिब के लिए यादगार था और अपने 19वीं पारी में पांच विकेट लेने पर वह बोले, मैं वैसे अपनी गेंदबाज़ी पर हमेशा विश्वास करता हूं। शायद मैंने अपना आत्म विश्वास सिर्फ़ एक या दो बार खोया है। इतने दिन खेलने के बाद आपको 10 या 15 दिन के कैंप नहीं बल्कि तीन या चार सत्र लगते हैं लय पाने में।

मोमिनुल हक़ दूसरी पारी में टेस्ट में लगातार सातवीं बार 10 के स्कोर के नीचे आउट हो गए। 2019 में कप्तान नियुक्त होने से पहले 41.47 के औसत रखने वाले मोमिनुल का इस साल का औसत केवल 16.20 का है। बतौर कप्तान भी यह औसत 31.44 का ही है लेकिन शाकिब ने अपने कप्तान के समर्थन में कहा, यह उनके लिए एक कठिन घड़ी है लेकिन उनका समर्थन करना जरूरी है। हमारे पास टेस्ट क्रिकेट में मौजूदा समय में मोमिनुल से बेहतर विकल्प नहीं है और उनका फ़ॉर्म में लौटना महज़ एक अच्छी पारी की बात है।

इमरान खान पर मंडराए संकट के बादल, अब मार्च निकाला तो जा सकते हैं जेल; दंगा कराने का मामला दर्ज

इस्लामाबाद। इस्लामाबाद पुलिस ने गुरुवार को पाकिस्तान तहरीक–ए–इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष और पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के खिलाफ इस्लामाबाद में उनके आजादी मार्च के दौरान हुए दंगों के संबंध में मामला दर्ज किया है। पीटीआई प्रमुख के अलावा, शहर में कानून व्यवस्था का उल्लंघन करने के लिए असद उमर, इमरान इस्माइल, राजा खुर्रम नवाज, अली अमीन गंडापुर और अली नवाज अवान सहित पीटीआई के कई अन्य नेताओं के खिलाफ भी कई मामले दर्ज किए गए।

दो पुलिस वालों ने दर्ज कराई एफआईआर

पुलिस ने कोहसर थाने में दंगा और आगजनी के दो अलग–अलग मामले दर्ज किए हैं। पहली प्राथमिकी आसिफ रजा नाम के एक सब–इंस्पेक्टर (एसआई) की शिकायत पर दर्ज की गई थी, जबकि दूसरी एफआईआर एसआई गुलाम सरवर की ओर से दर्ज की गई थी। दोनों प्राथमिकी पुलिस अधिकारियों की शिकायत पर दर्ज की गईं, लेकिन दूसरे मामले में स्पष्ट रूप से इमरान खान और पीटीआई के वरिष्ठ नेताओं असद उमर, इमरान इस्माइल, राजा खुर्रम नवाज, अली अमीन गंडापुर और अली नवाज अवान के नाम शामिल हैं।

पुलिस ने 150 लोगों के खिलाफ मामले दर्ज किए हैं, जिनमें से 39 को इस्लामाबाद के जिन्ना एवेन्यू में मेट्रो स्टेशनों को जलाने, एक्सप्रेस चौक पर एक सरकारी वाहन को नुकसान पहुंचाने और पाकिस्तानी मीडिया, जियो न्यूज और जंग कार्यालय के शीशे तोड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। राजधानी इस्लामाबाद बुधवार को उस समय एक युद्ध के मैदान में बदल गई थी जब इमरान खान और उनके काफिले के शहर में प्रवेश करने के बाद पुलिस और पीटीआई मार्च के बीच जमकर हाथापाई हुई।

हो सकती है इमरान खान की गिरफ्तारी

इमरान खान की अभी तक गिरफ्तारी नहीं हुई है, लेकिन इमरान खान अगर अपनी घोषणा के अनुसार छह दिन बाद दूसरा विरोध प्रदर्शन शुरू करते हैं तो सरकार कुछ नेताओं को पकड़ने के लिए इन मामलों का इस्तेमाल कर सकती है। इससे पहले दिन में, खान ने चेतावनी दी कि यदि "आयातित सरकार" ने छह दिनों की समय सीमा के भीतर नये आम चुनावों की घोषणा नहीं की तो वह "पूरे देश के साथ" पाकिस्तान की राजधानी लौटेंगे। इसके बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने पलटवार करते हुए कहा कि उनकी धमकी का कोई असर नहीं होगा और चुनाव की तारीख संसद तय करेगी।

सेनेगल के अस्पताल में आग लगने से 11 नवजातों की मौत

डाकार। अफ्रीका महाद्वीप में सेनेगल के राष्ट्रपति मैकी सॉल ने एक अस्पताल में आग लगने से 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत होने पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की। राष्ट्रपति भवन से जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार देश में गुरुवार से शनिवार तक तीन दिन का राष्ट्रीय शोक रहेगा। सेनेगल के पश्चिमी शहर तिवाउने में बुधवार रात एक अस्पताल में आग लगने से 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत हो गयी थी। जिसके लिए तीन दिवसीय राष्ट्रीय शोक की घोषणा की गयी है। इस दौरान पूरे देश में राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका रहेगा। इस बीच श्री सॉल ने स्वास्थ्य मंत्री अब्दुलाये दिउफ सर को बर्खास्त कर दिया। सेनेगल की राजधानी डाकार से करीब 120 किलोमीटर दूर तिवाउआने इलाके के एक अस्पताल के नवजात विभाग में बुधवार शाम आग लग गई, जिसमें 11 नवजात शिशुओं की झुलसकर मौत हो गई थी।

संदिग्ध मरीजों के अलावा पानी, हवा और कचरे की भी कोरोना जांच कर रहा उत्तर कोरिया

नई दिल्ली। उत्तर कोरिया में इन दिनों कोरोना से हाहाकार मचा हुआ है। ढाई करोड़ की आबादी वाले देश में अबतक 3,270,850 लोगों में कोरोना की पुष्टि हो चुकी है। उत्तर कोरिया का दावा था कि पूरी दुनिया में कोरोना फैला लेकिन उनके देश में कोरोना के एक भी केस नहीं है। इस महीने की शुरूआत से ही उत्तर कोरिया में कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में जबर्रदस्त तेजी देखने को मिली है। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए किम जोंग उन ने पूरे देश में लॉकडाउन लगा दिया है।

खास बात ये है कि उत्तर कोरिया के स्वास्थ्य अधिकारी नदियों और झीलों के पानी के अलावा हवा, सीवर के पानी और कचरे में भी कोरोना की जांच कर रहे हैं। उत्तर कोरिया की मीडिया के मुताबिक पूरे देश में टेस्टिंग बढ़ा दी गई है और व्यापक स्तर पर सेनेटाइजेशन प्रोग्राम शुरू कर दिया गया है। मीडिया का ये भी कहना है कि देश में अब कोरोना की रफ्तार स्थिर हो चुकी है। मीडिया ये भी कह रह है कि कोरोना से मरने वाले लोगों की संख्या बाकी देशों के मुकाबले उनके देश में काफी कम है। उत्तर कोरिया की समाचार एजेंसी केसीएनए ने देश के आपातकालीन महामारी रोकथाम मुख्यालय के हवाले से बताया है कि दस दिन पहले जहां एक दिन में चार लाख केस दर्ज किए गए थे वहीं गुरुवार शाम को 100,460 मरीजों में बुखार के लक्षण दिखाई दिए हैं। केसीएनए के मुताबिक देश में हर रोज हजारों क्यूबिक मीटर सीवेज पानी र हजारों टन कचरे को सेनेटाइज किया जाता है और उनमें से जांच के लिए नमूने लिए जाते हैं। हालांकि ये अभी तक साफ नहीं है कि प्योंगयांक किस तरह का परीक्षण कर रहा है। गौरतलब है कि पिछले साल उत्तर कोरिया ने दावा किया था कि वह अपना पोलीमरेज चेन रिएक्शन (पीसीआर) परीक्षण उपकरण बनाने में सफल रहा है। दो साल से अधिक समय तक वायरस से मुक्त रहने का दावा करने वाले उत्तर कोरिया में 12 मई को कोविड–19 के ओमाइक्रोन वेरिएंट के पहले मामले की पुष्टि की थी।

इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी मालुकु प्रांत में शुक्रवार को भूकंप के तेज झटके महसूस किए गए। भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 6.5 मापी गई, लेकिन सुनामी की कोई चेतावनी जारी नहीं की गई है। मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने यह जानकारी दी। एजेंसी ने कहा कि भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार नौ बजकर 36 मिनट पर महसूस किये गये। इसका केंद्र मालुकु बारात दाया जिले से 85 किलोमीटर दूर दक्षिण–पश्चिम में समुद्र तल से 104 किमी नीचे स्थित था। भूकंप से किसी तरह के हताहत होने की अभी कोई जानकारी नहीं है।

अफगानिस्तान के साथ भारत के विशेष संबंध

दुशांबे/नयी दिल्ली। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने शुक्रवार को कहा कि भारत, अफगानिस्तान का एक महत्वपूर्ण साझेदार है और अफगानियों के साथ उसके विशेष संबंध सदियों तक नयी दिल्ली का मार्गदर्शन करेंगे। कुछ भी ऐसा नहीं हैं जो इसको बदल सके। डोभाल ने ताजकिस्तान की राजधानी में क्षेत्रीय सुरक्षा संवाद की चौथी बैठक में हिस्सा लेने के दौरान यह बातें कहीं। श्री डोभाल यहां ताजिकिस्तान, रूस, कजाकिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान, किर्गिस्तान और चीन के सुरक्षा प्रमुखों से बात कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि भारत हमेशा अफगानिस्तान के लोगों के साथ खड़ा है और आगे भी खड़ा रहेगा। उन्होंने कहा, इस बैठक में मौजूद सभी के लिए आतंकवाद और आतंकवादी समूहों का मुकाबला करने के लिए अफगानिस्तान की क्षमता बढ़ाने में मदद करने की जरूरत है क्योंकि आातंकवाद से क्षेत्रीय शांति और सुरक्षा को गंभीर खतरा है। पहली प्राथमिकता यहां लोगों के जीवन के अधिकार और सम्मान से जीने के साथ सभी के मानवाधिकारों के संरक्षण की जरूरत है।

अमेरिका, ताइवान आर्थिक और व्यापार वार्ता की बना रहे हैं योजना

वाशिंगटन। अमेरिका और ताइवान आर्थिक और व्यापार वार्ता की घोषणा करने पर योजना बना रहे हैं। ब्लूमबर्ग ने शुक्रवार को सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार दोनों देशों के बीच जिन आर्थिक मुद्दों पर वार्ता होगी उनमें व्यापार सुविधा, आपूर्ति–श्रृंखला कार्य और कृषि उत्पादों के व्यापार शामिल होंगे। सूत्रों ने बताया कि अमेरिका और ताइवान के बीच वार्ता आर्थिक संबंधों को बेहतर बनाना है। जिसके माध्यम से दोनों देशों के बीच व्यापार और निवेश योजना तथा इससे संबंधित समझौता के तहत मौजूदा चर्चाओं में नए मार्ग प्रशस्त होंगे।

डब्ल्यूएचओ ने यूक्रेन में स्वास्थ्य आपातकाल के प्रस्ताव को दी मंजूरी

जेनेवा। विश्व स्वास्थ्य सभा के 75वें सत्र में यूक्रेन में स्वास्थ्य आपातकाल लागू करने को लेकर एक प्रस्ताव को भारी मतों के साथ मंजूरी दी गई, जबकि इसी संबंध में रूस, बेलारूस और सीरिया के प्रस्ताव को खारिज कर दिया गया। मीडिया रिपोर्ट में इसकी जानकारी दी गई। यूक्रेन द्वारा प्रस्तावित दस्तावेज के सह–लेखक सहित कई यूरोपीय संघ के देशों के साथ–साथ जॉर्जिया और मोल्दोवा भी थे। रिपोर्ट के मुताबिक विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लयूएचओ) में शामिल 88 सदस्य देशों ने गुरुवार को यूक्रेन के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया, जबकि 12 इसके विपक्ष में रहे और 53 देश ऐसे भी थे जिन्होंने मतदान प्रक्रिया में भाग ही नहीं लिया। इसी के साथ रूस के प्रस्ताव के पक्ष में 15 और विपक्ष में 66 वोट मिले। यूक्रेन ने अपने प्रस्ताव में कहा है, देश में जारी रूसी सैन्य विशेष अभियान के मद्देनजर लोगों को स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी सुविधाएं भी मुश्किल से मिल पा रही हैं। इसमें रूस से तत्काल रूप से अस्पतालों और स्वास्थ्य केंद्रों पर हमला न करने की भी अपील की गई। डब्ल्यूएचओ के सदस्य देशों की कल हुई बैठक में रूसी कृत्य की निंदा का प्रस्ताव पेश किया गया। प्रस्ताव में उसकी रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए कहा गया है कि रूसी सेना ने यूक्रेन में स्वास्थ्य सुविधाओं से जुड़े 235 स्थानों पर हमले किए। उनमें से ज्यादातर बर्बाद हो गए हैं। इस प्रस्ताव के जवाब में रूस ने भी एक प्रस्ताव पेश किया जिसमें यूक्रेन की स्थिति के लिए खुद की कोई भूमिका नहीं होने की बात कही गई है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं... से मुद्रित एवं , ब्लाक नं 23 मकान नं 399 त्रिलोक पुरी दिल्ली -91 से प्रकाशित
संपादकः प्रवीण कुमार सिंह, आरएनआई नं. ·DELHIN/2011/38334, किसी भी विवाद के लिए पीआरबी एक्ट अंतर्गत उत्तरदायी, टेलीफोन नं.: 011-26700510/11 , ई-मेल : info@gauravshalibharat.com, समस्त विवादो का न्यायलय दिल्ली होगा

प्याज एवं लहसुन फसल में कीटों से सुरक्षा

आस्था शर्मा, पिंकी शर्मा, डॉ. दीपक गुप्ता
श्री कर्ण नरेन्द्र कृषि महाविधालय, जोबनेर-जयपुर (राज.)

प्याज एवं लहसुन भारत में उगाई जाने वाली महत्वपूर्ण फसलें है। इनकों सलाद के रूप में, सब्जी में, आचार या चटनी बनाते समय प्रयोग में लाते हैं। प्याज एवं लहसुन की खेती रबी मौसम में की जाती है लेकिन इनको खरीफ (वर्षा ऋतु) में भी उगाया जाता है। प्याज एवं लहसुन की फसल में विभिन प्रकार के रोग एवं कीट लगते हैं जिससे उत्पादन प्रभावित होता है। अच्छी गुणवत्ता वाली उच्च विपणन योग्य कन्द उपज पाने के लिए उचित तरीकों से कीट और रोग प्रबंधन करना बहुत आवष्यर्क है। इसके अलावा, निम्नलिखित बातें ध्यान में रखनी चाहिए।

1 कीटनाशक का छिड़काव रोपाई से 30 दिनों बाद या जैसे ही कीट रोग प्रकट हो, आरंभ कर देना चाहिए।

2 कीट की तीव्रता के आधार पर 10-15 दिनों के अंतराल पर छिड़काव किया जाना चाहिए।

3 हमेशा छिड़काव करते समय चिपकने वाले पदार्थ (स्टीकर) ड़ाले।

4 एक ही वर्ग के कीटनाशकों का बार बार इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

प्याज व लहसुन के प्रमुख कीट

चूसक कीट (थ्रिप्स टेबेसाई)

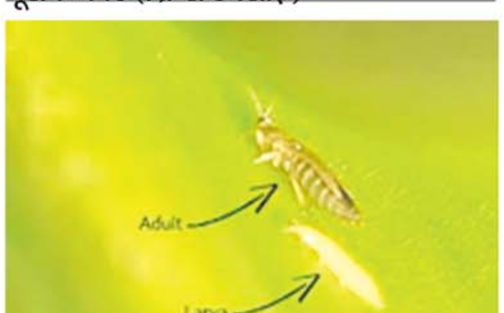

ये प्याज का प्रमुख रुप से हानि पहुंचाने वाला कीट है। इनका आक्रमण तापमान में वृद्धि के साथ तीव्रता से बढ़ता है और मार्च में अधिक स्पष्ट दिखाई देता है। इनका रंग हल्का पीले से भूरे रंग का तथा छोटे-छोटे गहरे चकत्ते युक्त होता है। इस कीट के निम्फएवं प्रौढ़ दोनों ही अवस्थायें मुलायम पत्तियों का रस चूस कर उन्हें क्षति पहुँचाती है। इस कीट से प्रभावित पत्तियों में जगह जगह पर सफेद धब्बे दिखाई देते हैं। अधिक प्रकोप होने पर पत्तियां सिकुड़ जाती है और पौधों की बढ़वार रुक जाती है तथा प्रभावित पौधों के कंद छोटे रह जाते हैं जिससे उपज मे कमी हो जाती है।

रोकथाम:

1. सर्वप्रथम रोपाई के पूर्व पौधों की जड़ों को दो घंटे तक कार्बोसल्फान एक मिली प्रति लीटर पानी के घोल से उपचारित करना चाहिए।
2. इन कीटों का संक्रमण दिखाई देने पर नीम द्वारा निर्मित कीटनाशी (जैसे ईकोनीम, निरिन या ग्रेनीम) 3-5 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार घोल तैयार कर शाम के समय फसल पर 10-12 दिनों के अंतराल पर 2-3 छिड़काव करें
3. डाईमेथोएेट 30 ई.सी. 650 मि.ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. 1 ली. प्रति 600 ली. पानी के साथ या इमिडाक्लोप्रिड 17.8 एस.एल. 30 ई. सी. 5 मि.ली. प्रति 15 ली. पानी के साथ छिड़काव करें। कीटनाशक के सही प्रभाव हेतु चिपकने वाले पदार्थ (स्टिकर) जैसे सेन्डोविट या टीपॉल (2.5 ग्राम प्रति लिटर) का प्रयोग करना चाहिए।

प्याज की मक्खी: मैगट (हाईलिमिया ऐंटीकुआ)

यह मक्खी प्याज की फसल का प्रमुख हानिकारक कीट है जो अपने मैगट पौधों के भूमि के पास वाले भाग, आधारीय तने में दिए जाते हैं। मैगटों की संख्या 2-4 तक हो सकती है। इनसे भूमि के पास वाले तने का भाग सड़कर नष्ट हो जाने से पूरा पौधा सूख जाता है। कभी-कभी इस कीट द्वारा फसल को भारी मात्रा मे क्षति होती है

रोकथाम:

1. फसल की रोपाई पूर्व, खेत की तैयारी करते समय नीम की खली/खाद 3-4 क्विं. प्रति एकड़ की दर से जुताई कर भूमि मे मिलाएं।
2. खेत की तैयारी करते समय कीटनाशी क्लोरोपाइरिफॉस 5 प्रतिशत की दर से जुताई करते समय भूमि मे मिलाएं तत्पश्चात फसल की रोपाई करें।
3. खड़ी फसल मे इस कीट (मैगट) का संक्रमण दिखाई देने पर कीटनाशी क्यूनालफॉस 2 मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से आवश्यकतानुसार मात्रा में घोल तैयार कर शाम के समय 2-3 छिड़काव करें।

कटवा

इस कीट की सूंडियाँ या इल्ली जो कि 30-35 मिली मीटर लंबी एवं राख के रंग की होती है, पौधों की जमीन के अंदर वाले भाग को कुतर कर नुकसान पहुंचाती हैं। इससे पौधे पीले पड़ने लगते हैं एवं आसानी से उखड़ जाते हैं।

रोकथाम:

1. फसल चक्र अपनाना चाहिए।
2. आलू के बाद प्याज की फसल नहीं लगाना चाहिए।
3. रोपाई के पूर्व थीमेट 10 जी 4 कि.ग्रा. एकड़ की दर से खेत में मिलाना चाहिए।

शीर्ष छेदक (हेलिओथिस आर्मिजेरा)

इस कीट का लार्वा पत्तियों को काटकर फसल को हानि पहुँचाता है। यह कीट प्याज की बीज वाली फसल में ज्यादा क्षति पहुँचाता है।

रोकथाम:

इनके नियंत्रण हेतु मिथाइल डेमेटोन या साइपरमेथ्रिन 0.5-1.0 मि.ली. दवा प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें। घोल में 0.1 प्रतिषत ट्राइट्रोन या सैन्डोविट नामक चिपचिपा पदार्थ अवश्य मिलायें।

जैविक पशुपालन, स्वास्थ्यवर्धक एवं ज्यादा मुनाफे की तकनीक

जैविक पशुपालन से तात्पर्य है कि पशुओ को खिलाये जाने वाला चारा व दाना पुर्ण रूप से जैविक हो तथा पशुओ से प्राप्त उत्पाद संश्लेषित रासायनिक पदार्थ व खादों से पूर्णतरू मुक्त होना चाहिए द्य

जैविक पशुपालन के फायदे, मनुष्य व अन्य प्राणियों को जैविक उत्पादों का उपयोग कर घातक बिमारियों से बचाया जा सकता हैद्य स्थायी कृषि व पशुपालन को बढावा मिलता है द्य यह स्वास्थ्यवर्धक है द्य कम लागत से अधिक मात्रा व गुणवता वाले उत्पाद प्राप्त होना द्य मृदा का स्थायी स्वास्थ्यवर्धन करता है द्य जैविक खाद्य पदार्थो का बाजार मूल्यए सामान्य खाद्य पदार्थो से कई गुना अधिक है जिससे पशुपालक को ज्यादा मुनाफा मिलेगा।

जैविक पशुपालन के लिये क्या करे रू. जैविक पशुधन फार्म का प्रमाणीकरण अधिकृत जैविक प्रमाणीकृत एजेंसी से ही करवाए द्य पशुओ को पूर्णतरू जैविक चारा व दाना खिलाये तथा चारा उत्पादन के लिये प्रमाणित जैविक बीजो का उपयोग करे द्य जैविक पशुधन फार्म मेंए अन्य पशुओ को नही आने दे द्य कीटोव पीडको का नियंत्रण जैविक विधि से करे द्य पशुओ को प्राकृतिक चरागाहो में ही चराये द्य इन पशुओ से प्राप्त उत्पादों को अन्य पशुओ से प्राप्त उत्पादों से अलग रखे तथा इनमे किसी भी प्रकार का रासायनिक संरक्षक व फीड एड़ीटिव नही मिलाये द्यउत्पादों की पैकेजिंग जैविक तरीके से करेए उत्पादों को प्रमाणीकृत एजेंसी से प्रमाणित करवाकर जैविक उत्पाद होने का मार्का लगाकर ही बेचे जिससे ज्यादा लाभ मिल सके द्य बीमार पशुओ के लिये जहा तक संभव हो होम्योपेथिक व आयुर्वेदिक दवाओ का उपयोग करे।

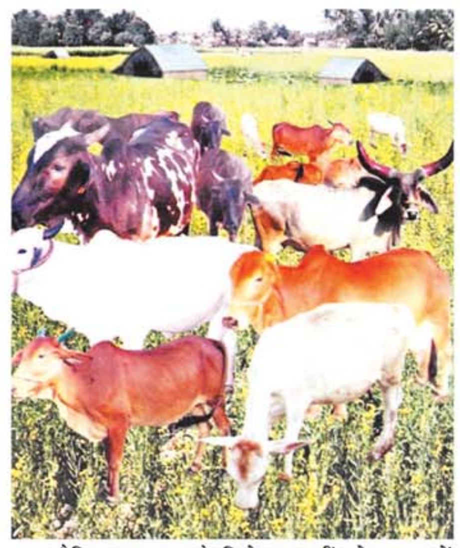

जैविक पशुपालन के लिये क्या नहीं करेरू. मृदा में संश्लेषित रासायनिक पदार्थो जेसे. कीटनाशी व पीडकनाशी आदि तथा रासायनिक खादों का उपयोग नहीं करे द्य पशुओ में जहा तक संभव हो एलोपेथिक दवाओ का उपयोग नही करे द्य जेनेटिकली मॉडिफाइड वैक्सीन व चारा उत्पादन के लिये जेनेटिकली मॉडिफाइड बीजो का उपयोग नही करे।

डॉ.नरेंद्र चौधरी, डॉ. शशि चौधरी
पशु विज्ञान केंद्र राजुवास बीकानेर

मुर्गियों के पेट में पानी भरने की बीमारी का ईलाज

मृत्युदर- 2-25 तेज बढ़ने वाले ब्रायलर नस्ल को अच्छा सन्तुलित आहार चाहिए और आज के परिवेश में सबसे अच्छा सन्तुलित आहार पिलेट फीड है परन्तु जब भी कोई किसान पिलेट फीड पहली बार शुरू करता हैं, तो तेज वजन बढ़ने के साथ-साथ उसे पेट में पानी भरने का भी सामना करना पड़ता है। यहां एक बार और साफ कर दें- लाट में तेज बढ़ने वाले ब्रायलर एसाईटिस से ज्यादा ग्रस्त होते है, विशेष रूप मे नर ब्रायलर, परन्तु जिनकी मृत्यु होती है, वह औरों के मुकाबले छोटे होते हैं। इसका तात्पर्य साफ है, कि यह तेज बढ़ने वाले ही थे, परन्तु पहले किसी समय इनके फेफड़े दिल एवं लीवर पर बुरा प्रभाव पड़ा, जिसके कारण इनके बढ़ने की रफतार धीमी पड़ गई और मरते समय औरों के मुकाबले छोटे रहे।

पेलट मिमक फीड और फीडिंग का मैनेजमेन्ट किस प्रकार करें कि एमाईटिस की समस्या से बचाएं रखा जाए।

लाभ की बात है पिलेट कम समय में अधिक खाया जाता हैं, इसलिए ब्रायलर तेज गति से बढ़कर कम समय में तैयार हो जाता हैं और एफ.सी.आर. भी कम आता है, परन्तु इसके लिए शरीर में मेटाबालिक क्रिया भी तेज हो जाती है। इस क्रिया की गति बनाए रखने के लिए ऑक्सीजन हवा एवं पानी की आवश्यकता भी बढ़ जाती हैं। यदि यह आवश्यकता पूरी न हुई तो मोटाबालिक गति बहुत तेज होने के कारण ब्रायलर कोशिश करता है कि अधिक से अधिक रक्त फेफड़ों के जरियें पम्प किया जाए, जिससे दिल के राईट वैन्ट्रीकल पर बहुत अधिक दबाव पड़ता हैं, जो वास्तव में बहुत छोटा होता हैं, परन्तु दबाव के कारण इसका आकार दोगुना हो जाता हैं और कमजोर होकर उल्टा प्रैशर डालता हैं, जिसके कारण लीवर से प्लाजमा रिसाव लीक कर पेट में एकत्रित होता है, जो सफेद या पीला तरल होता हैं और पेट फूलना शुरू हो जाता हैं, जिसे एसाईटिस या वाटर बेली के नाम से जाना जाता हैं। अब

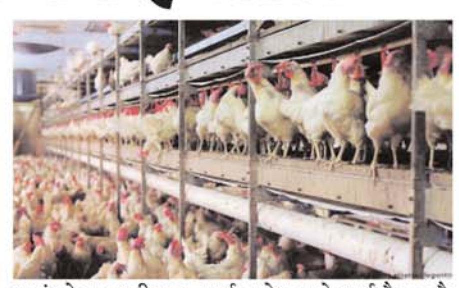

यहां जो बहुत ही महत्वपूर्ण बाते सामने आई है वह है हवा और पानी।

हवा और पानी की बिल्कुल मुफ्त है, उस पर हम कितना ध्यान देते हैं? बढ़िया वजन कम से कम फीड पर बिना किसी बीमारी के हवा एवं पानी का योगदान किसी भी हालात में बढ़िया से बढ़िया फीड से कम नही। बढ़िया फीड अकेले वह फल नही दे सकती, जिसकी हमें अपेक्षा हैं।

पानी- पिलेट फीड के कारण पानी की आवश्यकता ज्यादा है, अतः पानी हमें हर समय उपलब्ध हो एवं पानी के बर्तन बढ़कर लगायें जायें।

- पानी स्वच्छ फफूंद एवं कीटाणु रहित हो साथ ही पानी में क्लोराईड और सोडियम की मात्रा अधिक न हो-ठण्डा रहे।
- पानी का तापमान जाड़े में कमरे के तापमान से कम न हो और गर्मी में 220 सैंटीग्रेड से अधिक न हो-ठण्डा रहें।

हवा- हवा से ही पक्षी को आक्सीजन प्राप्त होती हैं एवं इसकी कमी आमतौर से पहले दिन से ही शेड में होती है, विशेष रूप से जाड़े में।

- तापमान बनाये रखने के लिए हम शेड को चारों और से पोलिथीन से कवर कर देते हैं। हवा अन्दर जाये तो किधर से जायें। अन्दर बुखारी जलती है, उसे भी जलने के लिए आक्सीजन चाहिए। जो गलती से थोड़ी खींच लेती हैं।

जैविक खेती- एक बेहतर खेती का विकल्प

डॉ. प्रवीण कुमार जागा मृदा वैज्ञानिक/ सहा, प्राध्यापक कृषि महाविद्यालय, गंजबासौदा

किसानों को अपनी खेती को लाभ का व्यवसाय बनाने के लिए जैविक खादों के प्रयोग से अभियान को आगे बढ़ाने की शुरूआत करना चाहिए। इसके लिए हमारे किसानों को सबसे पहले अपने घर, आंगन, गली एवं खेत में उपस्थित कचरे को एक जगह इक्ट्ठा करें। इनमे से कांच, पत्थर और प्लास्टिक को निकालकर अलग कर ले। आमतौर पर गांव के कचरे में सूखे पत्ते डंठल टहनियां मिट्टी आदि शामिल होती हैं। यह कचरा नाडेप कंपोस्ट बनाने की प्राथमिक सामग्री हैं। इसमें अनुपात अनुसार गोबर मिट्टी और पानी डालकर नाडेप कंपोस्ट बना सकते हैं। मात्र एक गाय के वार्षिक गोबर से 80 से 100 टन अर्थात लगभग 150 बैलगाड़ी खाद प्राप्त किया जा सकता हैं। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के कृषक श्री नारायण पांडरी पांडे यानि नाडेप काका ने इस विधि को खोजा था। इसलिए इसे नाडेप कंपोस्ट नाम दिया गया हे। इस विध से तैयार खाद में नत्रजन 0.05 से 1.5 प्रतिशत स्फुर 0.5 से 0.9 प्रतिशत तथा पोटाश 1.2 से 1.4 प्रतिशत पाया जाता हैं। नाडेप की प्राकृतिक पद्धति पूर्णत्या अप्रदूषणकारी एंव जैविक है। इसमें गांव के कूड़े-कचरे का कल्याणकारी उपयोग होगा, साथ ही गांव स्वच्छ हर कर स्वास्थ्यवर्धक होगा तथा पोषक अन्न प्राप्त होगा। इससे मिट्टी की उर्वरा शक्ति भी बढेगी और रासायनिक खाद व कीटनाशक दवाओं पर निर्भरता भी कम होकर उनके दुष्परिणामों से भी बचा जा सकेगा। इस तरह से आप प्राकृतिक खाद का निर्माण कर सकते हैं और अपनी खेती को लाभ का धंधा भी बना सकते हैं।

नाडेप टांका बनाने की विधि- योग्य पाया भरकर जमीन के ऊपर ईंट का एक आयताकार टांका बनाया जाता हैं। जिसकी दीवारे 9 इंच चौड़ी होती हैं। टांके के अन्दर का माप लंबाई 12 फीट, चौड़ाई 5 फीट और ऊंचाई 3 फीट होती हैं। ईंटों की जुड़ाई मिट्टी से की जा सकती हैं। सिर्फ आखिरी रद्दा सीमेंट से जोड़िये ताकि टांका गिरने का डर नही रहेगा। टांके का फर्श ईंट पत्थर के टुकड़े डाल कर सीमेंट से पक्का करे। यह टांका हवादार होना आवश्यक है, क्योंकि खाद सामग्री को पकने के लिए कुछ मात्रा में हवा की आवश्यकता होती हैं। इसके लिए टांका बांधते समय चारों दीवारों में छेद रखें जाते हैं। ईंटों के हर दो रद्दों की जुड़ाई के बाद तीसरे रद्दे की जुड़ाई करे। इस प्रकार चारों दीवारों में छेद बनेगे। छेद इस प्रकार रखिए कि पहली लाईन के दो छेदों के मध्य में तीसरी लाईन के छेद आयें। इस प्रकार से तीसरे छटे एवं नौवें रद्दे में छेद बनेगें। छेदों की संख्या बढ़ाने से खाद जल्दी पक जाती हैं। इस टांके को अंदर बाहर दीवारों और फर्श को गोबर मिट्टी से लीप दें। टांका सूखने के बाद ही प्रयोग करें। बरसात व अत्यधिक गर्मी में नाडेप टांके के ऊपर अस्थाई छाया हैं।

नाडेप बनाने हेतु सामग्री

वानस्पति व्यर्थ पदार्थ- कुछ वनस्पति पदार्थ जैसे सूखे पत्ते छिलके डंठल टहनियां जड़े आदि जिसकी मात्रा 1400 से 1500 कि.ग्रा. या 400 घनफूट होना चाहिए, साथ ही इस बात का ध्यान रखना चाहिए, कि इसमें प्लास्टिक कांच एंव पत्थर नही होना चाहिए।

गोबर- पशुओं को गोबर जो 90 से 100 कि.ग्रा. या 8 से 10 टोकने गोबर का उपयोग करना चाहिए। गोबर को संयत्र से निकली स्लरी भी उपयोग में लाई जा सकती हैं।

सूखी छनी मिट्टी- खेत की या नाले आदि की मिट्टी के पहले उपयोग करना चाहिए। उपयोग के पहले इसमें से प्लास्टिक काचं एवं पत्थर आदि खाद न बनाने वाले पदार्थ निकाल लेना चाहिए। इसकी मात्रा करीब 2750 किलो या 120 टोकने गौमूत्र से सनी मिट्टी बहुत उपयोग होती हैं।

पानी- समयानुसार कम या ज्यादा पानी का उपयोग करना चाहिए, किंतु साधसरणतया सूखे वानस्पतिक पदार्थ के वजन बराबर 25 प्रतिशत वाष्पीकरण के लिए 1500 से 2000 लीटर प्रति कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए। जिसमें गौमूत्र एवं पशुओं का मूत्र भी मिट्टी में मिलाना चाहिए।

टांका भरने की पद्धति- सबसे पहले हमारे किसान उपरोक्त बताए अनुसार सामग्री की व्यवस्था लें। तत्पश्चात निम्नानुसार क्रम से टांका को भरे। जिस तरह अचार एक ही दिन या 24 घंटे में डाला जाता हैं। ठीक उसी तरह टांका एक दिन में भरकर सील कर देना चाहिए। अन्यथा खाद बनाने की क्रिया प्रभावित हो सकती हैं। भराई विधि निम्नानुसार क्रम से करें।

प्रथम उपचार- जिसके अंतर्गत प्रथम भराई का काम करने से पहले टांके के अंदर की दीवार को अच्छी तरह से पानी छिड़क कर गीला कर लेना चाहिए। अब बात करते है, दूसरी परत की जिसमें गोबर का घोल पहली परत इस प्रकार छिड़के कि पूरी वनस्पति अच्छी तरह भाग जाये। गर्मी के मौसम में पानी का अंश अधिक रखें। यदि आपने गोबर की स्लरी ली हो तो 2.5 गुना या 10 ली. पानी की मात्रा कम रखें। इसके बाद साफ छनी भीगी मिट्टी वनस्पति पर डाले। जिसकी मात्रा कम से कम 50 से 60 किलो या वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत काली मिट्टी समतल बिछा देना चाहिए और उस पर पानी छिड़क देना चाहिए। अब तीसरी परत के लिए साफ सूखी छनी मिट्टी भीगी हुई वनस्पति परत पर वनस्पति के वजन की 50 प्रतिशत यानि 50 से 60 किलो काली मिट्टी समतल बिछा दें। टांके को इस प्रकार तीन परतों को क्रम से टांके के मुंह के ऊपर 1.5 फीट ऊंचाई का झोपड़िनुमा आकार में भरते जाईए। साधारणत्या 11-12 तहों में टांका भर जायेगा। अब भरे टांका को सील कर दें। भरी सामग्री के ऊपर 3 इंच की मिट्टी की तह जमा दें और उसे गोबर के मिश्रण से व्यवस्थित रूप से लीप दें और यदि इस पर दरारे पड़े तो उन्हें लीप दें।

द्वितीय उपचार- इसे फिर से वनस्पति कचरे की उपरोक्त विधि से 6-6 इंच की परत से टांके से दो से ढ़ाई फीट ऊपर तक भर दें और टांके गोबर से लीपकर सील कर दें। सामग्री नम बनी रहे उसे सूखने न दे जरूरत के अनुसार इन्ही छेदों में पानी छीटते रहे। 70 से 90 दिन बाद, जब खाद पक गई हो और तापमान सामान्य हो जावे तब टांके में सब्बल से जगह-जगह 15 से 20 छेद करें। अब एक-एक किलो राईजोबियम एजेटोबेक्टर जीवाणु और पी.एस.एम. एक-एक बाल्टी पानी में अलग-अलग घोलकर अलग- अलग छेदों को फिर से बंद कर दें। उचित यह होगा कि जिस फसल में उत्पादित खाद का उपयोग किया जाना है, उसी फसल से संबंधित राईजोबियम कल्चर का उपयोग करें। खाद की गुणवत्ता बढेगी। नत्रजन स्फुर व पोटाश की मात्रा अधिक होगी और अधिक संख्या में जीवाणु भी होगें। 110-120 दिन बाद टांके से निकाले। खाद के ढेर को छांव में रखकर पत्ते से ढेक दें। इस पर पानी का हल्का छिड़काव करें। ऊपरी अधपका 10-15 प्रतिशत कचरा अलग कर उसे नया टांका भरते समय काम में लावे। एक टांके भरते समय काम में लावे। एक टांके से 2.5 से 2.7 टन खाद निकलती है, जो एक हैक्टेयर क्षेत्र के लिए पर्याप्त होगी।

दक्षता- नाडेप परिपक्व होने के लिए प्रथम भराई की तारीख से 90 से 120 दिन लगते है। इस पूरे समय में खाद में सार्द्रता बनी रहने के लिए और दरारे बंद करने के लिए गोबर पानी का छिड़काव करते रहना चाहिए। आवश्यक लगे तो छेदों में भी पानी छिड़क कर इस पर दरारे न पड़ने दे। घास उगे तो उसे निकाल दें। नमी कायम रखे यदि कड़ी धूप हो तो उस पर घास फूस की चटाई से छायां कर दें या अस्थाई छप्पर बना दें, जिससे धूप एवं वर्षा से सरंक्षण मिल सके।

खाद की परिपक्वता- तीन चार महीने में खाद गहरे भूरे रंग की बन जाती हैं और सब दुर्गन्ध समाप्त होकर एक अच्छी खुशबु आती हैं। खाद सूखना नही चाहिए। इसमें 15 से 20 प्रतिशत नमी रहना ही चाहिए। इस खाद को एक फीट से 35 तार वाली छलनी से आड़ी रखकर छान लेना चाहिए। छना हुआ नाडेप कंपोस्ट खाद उपयोग में लाना चाहिए और छलनी के ऊपर का अर्द्धपक्व कच्चा माल फिर से खाद बनाते समय वनस्पति पदार्थ के साथ उपयोग में लाना चाहिए। छना खाद प्रति एकड़ 20 से 25 घन फीट बोकर दिया जा सकता हैं।

खाद के उपयोग की पद्धति- यदि आपके पास प्रति एकड़ वर्ष 3 से 5 टन खाद बोनी के 15 दिवस पूर्व खेत में फैला कर बखर चला देना चाहिए। यदि पहले ही वर्ष रासायनिक खाद नही देना हो तो नाडेप कंपोस्ट की मात्रा की तीन गुनी यानी कम से कम 10 से 15 टन नत्रजन 50 से 70 टन स्फुर और 130 किलो पोटाश और 9700 किलो सूक्ष्म अन्नद्रयुक्त पोषण मिल सकता है, क्योंकि कोई खाद पहले वर्ष में 33 प्रतिशत दूसरे वर्ष में 45 प्रतिशत और शेष 22 प्रतिशत तीसरे, चौथे वर्ष में पूरा उपलब्ध नही हो सकता हैं।

अमृत पानी- देशी गाय के 10 किलो ग्राम ताजे गोबर की देशी गाय के दूध से बना नोनीया घी 250 ग्राम अच्छी तरह फेटे, इसके बाद इसमें 500 ग्राम शहद मिलाकर फेटे। इस मिश्रण में से करीब आधा किलो मिश्रण लेकर बड़ के पेड़ के नीचे की आधा कि.ग्रा. मिट्टी अच्छी तरह मिला दें। अब इसकी एक कि.ग्रा मिश्रण को पतला कर बोनी करे। बोवनी के बाद अमृत पानी का छिड़काव करें।

विधि- अमृत पानी को या तो बोवनी के पूर्व की सिंचाई के साथ या बोवनी के बाद की प्रथम सिंचाई के साथ करें।

अमृत संजीवनी- मोबिल आईल की खाली 200 लीटर वाली ढक्कन कोठी लेवे। जिसमें दो रिंग से तीन समान भाग होते हैं। इस ड्रम में देशी गाय बैल बछियां का ताजा 60 किलो गोबर डाले। जिसमें दो रिंग तक अर्थात 2/3 भाग पर जावेगा। इस गोबर पर तीन कि.ग्रा यूरिया, तीन कि.ग्रा. सिंगल सुपर फास्फेट तथा एक किलो ग्राम म्यूरेट ऑफ पोटाश कुल 7 कि.ग्रा. रासायनिक उर्वरक तथा दो किलो मूंगफली की खली डाले। अब इस टंकी में पानी भर दें। मात्र ऊपर के किनारे से तीन इंच खाली रखें। संपूर्ण मिश्रण को लकड़ी से अच्छी तरह चला दें और ढक्कन बंद करके 48 घंटे यानि दो दिन रखे। तत्पश्चात फसल में दें।

उपयोग विधि- प्रति कतार एक लीटर अमृत संजीवनी का मिश्रण देना चाहिए। मिश्रण को हाथ से मिलाकर महीन कर लेना चाहिए। पहले छिड़काव के 7 दिन बाद बदलाव दिखने लगेगा।

मटका खाद- 15 कि.ग्रा. ताजा गोबर, देशी गाय का 15 लीटर ताजा गोमूत्र तथा 15 लीटर पानी मिट्टी के घड़े में घोल लेवे। इसमें 250 ग्राम गुड़ भी मिला देवें। इस घोल को मिट्टी के बर्तन में ऊपर से कपड़ा या टाट मिट्टी से पैक कर देवें। 4-5 दिन बाद इस घोल में 200 लीटर पानी मिलाकर एक एकड़ खेत में समान रूप से छिड़क देवें। यह छिड़काव बोनी के 15 दिन बाद करें। पुन: सात दिन बाद दोहरावें। सामान्यतया फसल में 3-4 बार और लंबी अवधि की फसल जैसे गन्ना, केला, हल्दी में 8 बार छिड़के।

बायों गैस स्लरी- बायो गैस संयत्र में गोबर की पाचन क्रिया के बाद 25 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपान्तर गैस के रूप में होता हैं और 75 प्रतिशत ठोस पदार्थ का रूपांतर खाद के रूप में होता है। 2 घन मीटर के गैस सयंत्र में जिसमें करीब 50 कि.ग्रा. गोबर राज या 18.25 टन गोबर एक वर्ष में डाला जाता हैं। उस गोबर से 80 प्रतिशत नमी युक्त करीब 10 टन बायों गैस स्लरी का खाद प्राप्त होता हैं। यह खेती के लिए अति उत्तम खाद है। इसमें 1.5-2.0 प्रतिशत नत्रजन स्फुर 1.0 प्रतिशत तक होता हैं। इसके अलावा सूक्ष्म पोषक तत्व एवं ह्यूमस भी पाया जाता हैं।

उपयोग विधि- यह खाद असिंचित खेती में करीब 5 टन व सिंचित खेती हेतु 10 टन प्रति हैक्टेयर के मान में डाला जाता हैं।

जीवाणु खाद- रासायनिक खेती के दीर्घकालीन परिणामों को देखते हुए कृषकों को वापिस जैविक खेती की ओर लौटना होगा। अगर देश को खाद्यान्न में आत्मनिर्भर बनाना है तो जैविक खेती में यू तो कई घटक है, लेकिन केंचुआ और उसके उत्पादों को प्रथम श्रेणी में रखा गया हैं। इसलिए टिकाऊ खेती के लिए खेती में केंचुओं की संख्या बढ़ाने के प्रयास करने की आवश्यकता हैं। केंचुआ न केवल खाद, मल आदि देता है, बल्कि यह आय का अच्छा स्त्रोत बन सकता हैं।

निर्माण एंव उपयोग विधि- केंचुआ खाद के उत्पादन की विधि एवं सरंचना पर वर्मी कंपोस्ट बनाने के लिए छायादार स्थान और मुख्य सामग्री के रूप में घास पत्तियां गोबर सब्जियों के छिलके आदि अपघटनशील पदार्थो का चुनाव करते है। फिर भी केंचुओं के अधिक एवं अच्छे उत्पादन के लिए कई विधियां अपनाई जाती हैं। पहली विधि है- टांका विधि

टांका विधि- जिसके अंतर्गत जमीन के ऊपर इंटों को टांका बनाया जाता हैं। टांके के तल में 1 इंच मोटी तब बिछाकर नम कर लें एवं कार्बनिक पदार्थ की 3 से 4 इंच की तह बिछाकर 2 से 3 इंच पकी गोबर की खाद डाले। तत्पश्चात 2000 केंचुए या 100 से 150 केंचुए/ वर्ग फुट के हिसाब से फैला दें एवं घास फूस से ढक दें तथा प्रतिदिन के हिसाब से पानी देते रहे। जबकि दूसरी विधि है-गड्ढा विधि।

गड्ढा विधि- इस विधि के अंतर्गत जमीन पर गड्ढा खोदकर इसके तल को पक्का करके पहली विधि के अनुसार ही मिट्टी, सामग्री तथा केंचुए डालकर टाट से ढक दें और पानी देते रहें।